THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 212 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.6 2080 शुक्रवार, 20 अक्टूबर-2023 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

न्यूजक्लिक फॉरेन फंडिंग केस

पुरकायस्थ की गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया, अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। न्यूजक्लिक के फाउंडर और एडिटर प्रबीर पुरकायस्थ और एचआर हेड अमित चक्रवर्ती की गिरफ्तारी को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने इस मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है।

दरअसल प्रबीर और अमित ने अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ 16 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में याचिका डाली थी। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने 10 अक्टूबर को दोनों को 10 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था, जो शुक्रवार 20 अक्टूबर को खत्म होने वाली है। पुरकायस्थ और अमित पर चीन से जुड़ी कंपनियों और संगठनों से फंडिंग लेकर चाइनीज प्रोपेगैंडा फैलाने का आरोप है। जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने दोनों को अरेस्ट कर लिया था। गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी।

न्यूजक्लिक के खिलाफ सीबीआई सहित पांच एजेंसियां जांच कर रही हैं। सबसे पहले दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एफआईआर दर्ज की थी। उससे पहले दिल्ली पुलिस इकोनॉमिक ऑफेंस विंग, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट इस केस से जुड़े अलग-अलग मामलों में जांच कर रही थी। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने न्यूजक्लिक के खिलाफ फॉरेन कॉन्ट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

स्किल्ड युवाओं की डिमांड बढ़ी

मोदी बोले- 16 देशों में 40 लाख मौके, 511 स्किल डेवलपमेंट सेंटर लॉन्च किए

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार 19 अक्टूबर को कहा कि आज पूरी दुनिया में भारत के स्किल्ड युवाओं की डिमांड बढ़ रही है। बहुत से देश ऐसे हैं, जहां सीनियर सिटीजन्स की संख्या बहुत ज्यादा है और बुजर्गों की संख्या बढ़ रही है। वहां ट्रेंड युवा बहुत मुश्किल से मिल रहे हैं।

इस बारे में किए गए सर्वे से पता चला है कि दुनिया के 16 देश करीब 40 लाख स्किल्ड युवाओं को अपने देश में नौकरी देना चाहते हैं। इन देशों में स्किल्ड प्रोफेशनल्स की कमी है। कंस्ट्रक्शन सेक्टर, टूरिज्म इंडस्ट्री, हॉस्पिटलिटी और ट्रांसपोर्ट जैसे बहुत सारे सेक्टर हैं, जहां आज विदेशों में बहुत डिमांड है। पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए महाराष्ट्र के 34 जिलों में बनाए 511 प्रमोद महाजन ग्रामीण स्किल डेवलपमेंट सेंटर लॉन्च करने के मौके पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा लंबे समय तक सरकारों स्किल डेवलमेंट को लेकर न चिंता थी, न वैसी दूर दृष्टि थी। इसका बहुत बड़ा नुकसान हमारे नौजवानों को उठाना पड़ा। इंडस्ट्री में डिमांड होने के बावजूद, नौजवानों में टैलेंट होने के बावजूद स्किल डेवलपमेंट न होने से युवाओं के लिए नौकरी पाना अत्यंत कठिन हो गया था। ये हमारी सरकार है जिसने युवाओं में स्किल डेवलपमेंट की गंभीरता को समझा है। हमने स्किल डेवलमेंट के लिए अलग मंत्रालय बनाया। हमारी सरकार के स्किल डेवलमेंट सेंटर्स में 1.3 करोड़ युवाओं को ट्रेंड किया गया है।

महाराष्ट्र के 34 जिलों में बनाए गए हैं सेंटर

दिवंगत भाजपा नेता प्रमोद महाजन के नाम पर ये सेंटर महाराष्ट्र के 34 जिलों में बनाए गए हैं, जहां ग्रामीण आबादी ज्यादा है।

पीएमओ से मिली जानकारी के मुताबिक, ये सेंटर रोजगार को लेकर ग्रामीण युवाओं को अलग-अलग क्षेत्रों की स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग देंगे। हर सेंटर पर कम से कम दो कोर्सेस में 100 युवाओं को ट्रेनिंग दी जाएगी।

ये सेंटर युवाओं को नौकरी के लिए शहर जाने से रोकेंगे

राज्य के कौशल, रोजगार, उद्यमिता मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने 17 अक्टूबर को कहा था, अब तक महाराष्ट्र की 28 हजार ग्राम पंचायतों में कोई भी स्किल डेवलपमेंट सेंटर नहीं था। स्किल डेवलपमेंट पीएम मोदी के लिए एक जरूरी विषय है। इसलिए हमने 500 ग्राम पंचायतों में ये सेंटर शुरू करने का फैसला लिया है।

उन्होंने कहा कि ये सेंटर युवाओं को नौकरी के लिए गांव से शहर जाने से रोकने में मदद करेंगे। भविष्य में ऐसे केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी की चिट्ठी मध्यप्रदेश के नाम लिखा- मुझ तक पहुंचाएं अपना समर्थन

भोपाल, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में एमपी के मन में मोदी और मोदी के मन में एमपी का नारा देने के बाद अब भाजपा ने मोदी की चिट्ठी एमपी के नाम जारी की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश के नाम एक चिट्ठी लिखकर प्रदेशवासियों से विधानसभा चुनाव में डबल इंजन सरकार के नाम पर समर्थन मांगा है। उन्होंने लिखा है कि मुझ तक अपना समर्थन पहुंचाएं। इस पत्र के माध्यम 2003 के पहले की दिग्विजय सरकार और केंद्र में रही मनमोहन सरकार पर भी पीएम मोदी ने निशाना साधा है। साथ ही मोदी ने शिवराज सरकार में हुए विकास कार्यों का जिक्र भी अपने इस पत्र में किया है। मोदी का ये पत्र जनता को कितना प्रभावित करता है ये तो चुनाव परिणाम बताएगा। लेकिन पीएम की इस भावनात्मक चिट्ठी ने एमपी के चुनावी माहौल को और गरम कर दिया है। दूसरी ओर इससे एक बार फिर ये साबित हो गया है कि भाजपा 2023 का चुनाव सिर्फ मोदी के चेहरे के भरोसे ही लड़ेगी।

ये है मोदी का पत्र :

मैं जब भी मध्यप्रदेश आता हूं आपके मन में मेरे प्रति इतना प्रेम देखकर मुझे अपार ऊर्जा मिलती है। आज मध्यप्रदेश विकास की राह पर जिस गति से आगे बढ़ रहा है, वह हमारे लिए अत्यंत हर्ष की बात है। पिछले 20 वर्षों में मध्यप्रदेश बीमारू राज्य के अपने अतीत से निकलकर सशक्त समृद्ध और स्वावलंबी बना है। कौन भूल सकता है 2003 से पहले के मध्यप्रदेश को, जहां बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव था। पिछले 20 वर्ष से जो भरोसा आपने हम पर दिखाया है, उसके चलते मध्यप्रदेश देश की टॉप 10 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है।

ईडी को धारा 50 में गिरफ्तारी का अधिकार नहीं

हाईकोर्ट ने कहा- इसमें एजेंसी को समन जारी करने, डॉक्यूमेंट्स देखने का पावर

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार 19 अक्टूबर को कहा कि प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की धारा 50 के तहत ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) को किसी व्यक्ति को समन जारी करने का अधिकार है, लेकिन गिरफ्तारी का नहीं। जस्टिस अनूप जयराम भंभानी ने यह टिप्पणी की।

उन्होंने कहा कि पीएमएलए की धारा 50 के तहत किसी व्यक्ति को समन जारी करने, डॉक्यूमेंट्स की जांच करने और बयान दर्ज करने का अधिकार है, जिसका अधिकार किसी भी सिविल कोर्ट को होता है। वहीं, पीएमएलए की धारा 19 के तहत किसी शख्स को गिरफ्तार करने का अधिकार है।

कोर्ट ने कहा कि अगर ईडी किसी शख्स को धारा 50 के तहत समन जारी करती है, लेकिन बाद में उसे गिरफ्तार कर लेती है। ऐसी स्थिति में जब शख्स कोर्ट को बताएगा कि एजेंसी ने मुझे पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन गिरफ्तार कर लिया तो कोर्ट उसे आसानी से बरी कर देगी।

ईडी ने साल 2020 में आशीष मित्तल के खिलाफ ईसीआईआर के तहत केस दर्ज किया था। आशीष ने ईडी की ओर से दर्ज केस को खत्म करने के लिए कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। आशीष ने ईसीआईआर के तहत ईडी की ओर से केस में किसी भी कार्रवाई को रोकने की मांग की थी। ईडी ने याचिकाकर्ता को 21 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया था।

मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पीएमएलए की धारा 50 के तहत ईडी को मिले अधिकारों का जिक्र किया। आशीष मित्तल ने कोर्ट में बताया कि उनके खिलाफ ईडी ने ईसीआईआर के तहत केस दर्ज किया, लेकिन उन्हें इसकी कॉपी नहीं दी। जबकि कानून के अनुसार उन्हें कॉपी दिए जाने का अधिकार है।

सुप्रीम कोर्ट भी पीएमएलए को लेकर दाखिल की गई एक रिव्यू पिटीशन पर सुनवाई कर रही है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के कई प्रावधानों को गैर-संवैधानिक बताकर चुनौती दी गई थी।

याचिकाकर्ताओं ने कहा कि पीएमएलए के तहत गिरफ्तारी, जमानत, संपत्ति की जब्ती या कुर्की करने का अधिकार क्रिमिनल प्रोसिजर एक्ट के दायरे से बाहर है। पिटीशंस में मांग की गई है कि पीएमएलए के कई प्रावधान गैर संवैधानिक हैं, क्योंकि इनमें संज्ञेय अपराध की जांच और ट्रायल के बारे में पूरी प्रोसेस फॉलो नहीं की जाती है, इसलिए ईडी को जांच के समय सीआरपीसी का पालन करना चाहिए।

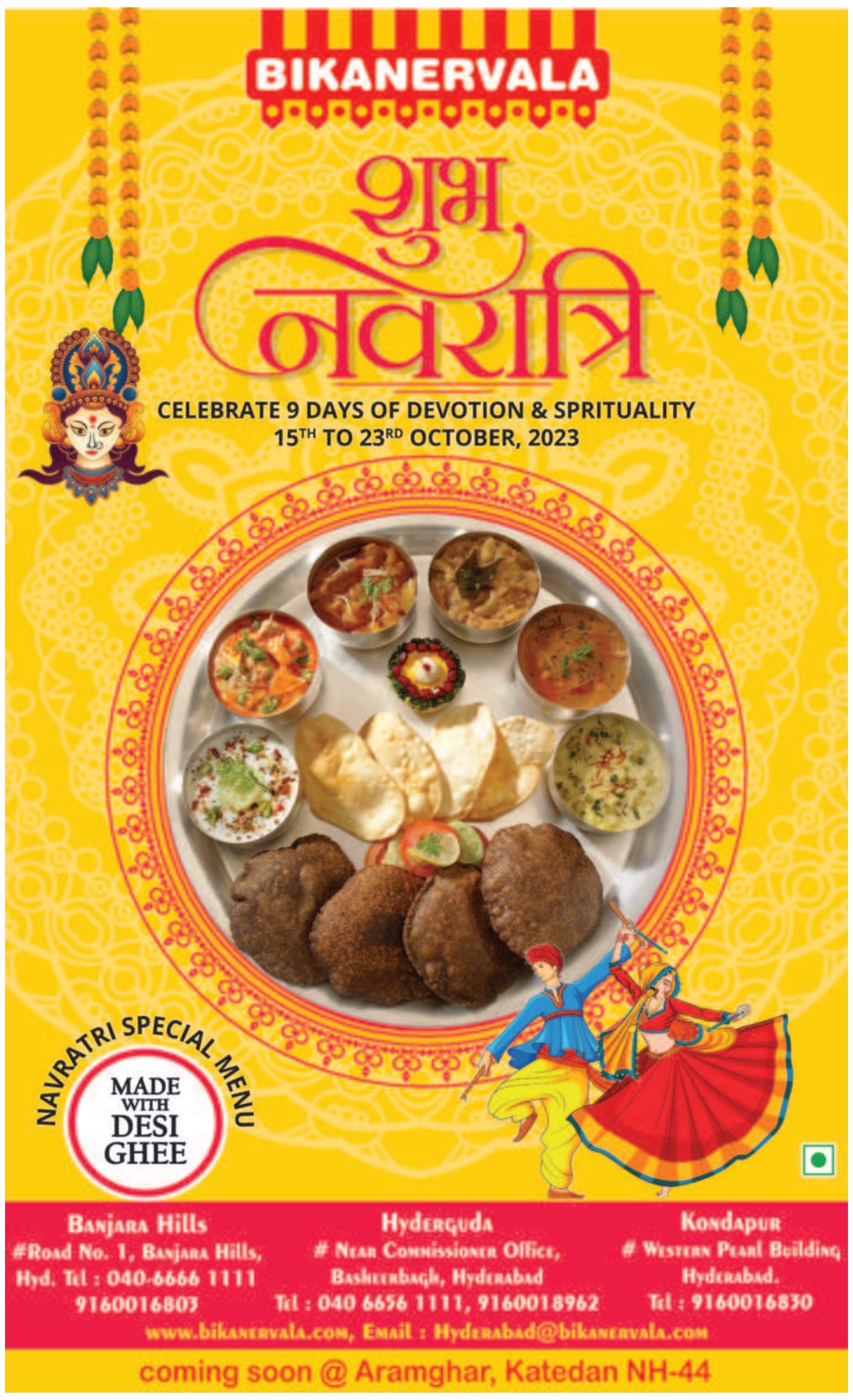

मोदी ने फिलिस्तीनी राष्ट्रपति से बात की

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 अक्टूबर गुरुवार को फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से बातचीत की है। इस दौरान पीएम ने गाजा के अल अहली अस्पताल में नागरिकों की मौत पर भी संवेदना व्यक्त की। मोदी ने अब्बास को भरोसा दिलाया कि भारत फिलिस्तीन के लोगों के लिए मानवीय मदद जारी रखेगा। इजराइल और हमास की जंग का आज 13वां दिन है। हमास के कब्जे वाले गाजा के हेल्थ डिपार्टमेंट के हवाले से बताया है कि गाजा में अब तक कुल 3785 लोग मारे गए हैं। इनमें 1524 बच्चे और 120 बुजुर्ग हैं। 12 हजार 493 लोग घायल हैं। इनमें चार हजार बच्चे हैं। मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात गाजा सिटी के हॉस्पिटल पर रॉकेट हमले में 500 लोग मारे गए थे। हमास और इजराइल हमले का आरोप एक-दूसरे पर लगा रहे हैं।

मेघालय में तीनों सेनाओं का संयुक्त युद्धाभ्यास

सीडीएस अनिल चौहान भी रहेंगे मौजूद

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना दूसरे देशों की सेनाओं के साथ युद्धाभ्यास कर अपने कौशल को निखारने के प्रयास लगातार कर रहती है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान कई मंचों पर तीनों सेनाओं के संयुक्त युद्धाभ्यास की अहमियत को रेखांकित किया है। सेना की सबसे हालिया गतिविधि के बारे में रक्षा अधिकारी ने कहा कि सेना के तीनों अंग- थल, जल और वायु सेना विभिन्न परिचालन विकल्पों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। तीनों सेवाओं के बीच तालमेल बढ़ाने के लिए मेघालय के शिलांग में पूर्वी वायु कमान में ट्राई-सर्विसेज टेबल टॉप अभ्यास- प्रयोग-23 चल रहा है।

रक्षा अधिकारी ने मेघालय में जारी प्रयोग-23 और सीडीएस अनिल चौहान के भावी कार्यक्रम के बारे में बताया, इस अभ्यास में अगले दो दिनों तक चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान के नेतृत्व में तीनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

सेना से जुड़े एक अन्य अहम घटनाक्रम में भारत और श्रीलंका की नौसेना के बीच सैन्य सहयोग बढ़ रहा है। नौसेना ने एक बयान में कहा, कोलंबो में भारतीय युद्धपोत आईएनएस ऐरावत पर पतवार निरीक्षण और परीक्षण इकाई की स्थापना की पहल की गई है। बयान के अनुसार, श्रीलंकाई नौसेना को भंडार और उपकरण सौंपने का समारोह बुधवार को आयोजित किया गया। नौसेना ने बताया कि भारतीय सैन्य अधिकारी, रियर एडमिरल निर्भय बापना ने श्रीलंकाई नौसेना के डीजी इंजीनियरिंग रियर एडमिरल रवि रणसिंघे को उपकरण सौंपे। सेना के अनुसार, इस आदान-प्रदान से दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग और प्रगाढ़ होने की पूरी उम्मीदें हैं।

नौसेना के एक अन्य कार्यक्रम में फ्रांसीसी नौसेना का जहाज लैंगेडोक, एक एक्विटाइन क्लास फ्रिगेट, 13-18 अक्टूबर तक सद्भावना यात्रा पर मुंबई बंदरगाह पर था। रक्षा मंत्रालय गुरुवार को कहा, फ्रांस की नौसेना के पोत का भारत आने का मकसद भारत और फ्रांस की नौसेनाओं के बीच सहयोग बढ़ाना था। लैंगेडोक की यात्रा के साथ, हिंद महासागर में तैनात फ्रांसीसी बलों के कमांडर, वाइस एडमिरल इमैनुएल स्लार्स भी मुंबई आए। संयुक्त टास्क फोर्स 150 (सीसीटीएफ 150) के कमांडर कैप्टन यानिक बोसु भी उनके साथ मुंबई आए। पश्चिमी नौसेना में तैनात फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, वाइस एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी भारत और फ्रांस के सैन्य अधिकारियों की वार्ता के दौरान मौजूद रहे।

सत्येंद्र जैन की जमानत 6 नवंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की जमानत 6 नवंबर तक बढ़ा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने 10 अक्टूबर के अपने आदेश में सत्येंद्र जैन को दी गई अंतरिम जमानत 6 नवंबर को अगली सुनवाई तक बढ़ा दी थी।

मई में जैन को चिकित्सा आधार पर छह सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत कई शर्तों के साथ दी गई थी, जिसमें मीडिया से बात करने पर रोक और बिना अनुमति के दिल्ली छोड़ने पर रोक शामिल थी। मामले को 6 नवंबर 2023 को अपराह्न 03:00 बजे न्यायमूर्ति एएस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करें। इस बीच, पहले दी गई अंतरिम जमानत को सुनवाई की अगली तारीख यानी 6 नवंबर, 2023 तक बढ़ा दिया गया है।

एनडीए में शामिल होने का विरोध इब्राहिम को पड़ा भारी

देवगौड़ा ने बेटे को बनाया कर्नाटक जेडीएस का अध्यक्ष

बेंगलूरू, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने गुरुवार को कर्नाटक में जेडीएस प्रमुख इब्राहिम को पद से हटा दिया है। बता दें, यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब इब्राहिम ने जेडीएस सुप्रीमो देवेगौड़ा के एनडीए में शामिल होने के फैसले को खारिज कर दिया था। वहीं, गौड़ा ने अब इस पद पर अपने बेटे और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी को नियुक्त किया है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की पार्टी जेडीएस विभाजन के खतरे का सामना कर रही है। भाजपा का दामन थाम चुकी जेडीएस 28 विपक्षी दलों के गठबंधन के साथ जुड़ने से इनकार कर चुकी है। इस पर कर्नाटक में जेडीएस प्रमुख इब्राहिम ने कहा था कि वे देवेगौड़ा के फैसले से सहमत नहीं है। कर्नाटक के जेडीएस प्रमुख इब्राहिम ने जेडीएस सुप्रीमो देवेगौड़ा के एनडीए में शामिल होने के फैसले को खारिज कर दिया था।

गौड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इब्राहिम को अध्यक्ष पद से हटाकर एचडी कुमारस्वामी को नियुक्त किया गया है।

जम्मू-कश्मीर सीआईके ने कश्मीर में कई स्थानों पर मारे छापे

श्रीनगर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर सीआईडी की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) विंग ने गुरुवार को आतंकवाद से जुड़े अपराध मामले में कश्मीर में कई जगहों पर छापेमारी की। आतंकवाद से संबंधित अपराध मामले की जांच के हिस्से के रूप में ये छापेमारी की गई। सीआईके अन्य सुरक्षा एजेंसियों की सहायता से, आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने और कश्मीर में शांति और स्थिरता के लिए किसी भी संभावित खतरे को विफल करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। सीआईके की कार्रवाइयां निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा बलों के निरंतर समर्पण को उजागर करती हैं। सूत्रों ने कहा, गुरुवार की छापेमारी के संबंध में अधिक जानकारी और अपडेट बाद में उपलब्ध कराए जाएंगे।

पीएम मोदी रैपिड रेल की सौगात देने आज गाजियाबाद आएंगे

कई रास्ते रहेंगे बंद, क्या है ट्रैफिक प्लान

गाजियाबाद, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पीएम मोदी कल यानी शुक्रवार को दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के पहले फेज का उद्घाटन करेंगे। पीएम मोदी ने मार्च 2019 में दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी थी। 82 किलोमीटर लंबे इस प्रोजेक्ट के जून 2025 तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। पहले चरण जो कि 17 किलोमीटर का है उसका उद्घाटन होने जा रहा है। इस प्रथम चरण में साहिबाबाद से दुहाई तक लोग सफर कर सकेंगे। ये दूरी महज कुछ मिनटों में ही पूरी हो जाएगी। पीएम इस दौरान वसुंधरा में एक जनसभा

को भी संबोधित करेंगे। शुक्रवार को होने वाले इस उद्घाटन समारोह को देखते हुए गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने खास प्लानिंग की है।

भारी वाहनों की एंट्री पर प्रतिबंध

दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस के उद्घाटन समारोह में वीवीआईपी से लेकर आम लोग तक शामिल होने वाले हैं। जिसे देखते हुए मोहन नगर और साहिबाबाद में दिनभर भारी वाहनों की एंट्री पर प्रतिबंध रहेगा। इस दौरान जाम की समस्या से निपटने के लिए भी रुट डायवर्जन प्लान तैयार कर लिया गया है। जोकि सुबह सात बजे से कार्यक्रम के खत्म होने तक लागू रहेगा।

पीएम के आगमन को लेकर खास तैयारी

एडीसीपी ट्रैफिक रामानंद कुशवाहा ने बताया कि पीएम का विमान हिंडन एयरपोर्ट पर उतारने की प्लानिंग है। हालांकि अगर मौसम खराब रहता है तो पीएम का काफिला दिल्ली से ही सड़क के रास्ते कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान मोदीनगर, मुरादनगर, हापुड़ और मेरठ से आने वाली बसें राजनगर एक्सटेंशन, एलिवेटेड रोड से कनावनी से उतरेंगी।

इन रास्तों पर रहेगा डायवर्जन

उन्होंने बताया कि हिंडन एयरफोर्स गोलचक्कर से मोहन नगर होते हुए साहिबाबाद रेपिडएक्स स्टेशन और जनसभा की ओर वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। इसके अलावा थाना लिंक रोड रेडलाइट से साहिबाबाद रेपिडएक्स स्टेशन की ओर वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। वहीं सीआईएसएफ रोड से साहिबाबाद की ओर हल्क वाहनों को छोड़कर अन्य वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। लालकुआं से सीमापुरी के बीच वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। इसके साथ ही लोनी से भोपुरा हिंडन गोलचक्कर नागद्वार से राजनगर एक्सटेंशन की तरफ, एएलटी चौराहे से राजनगर एक्सटेंशन से रोटरी गोलचक्कर, नागद्वार होते हुए भोपुरा से लोनी की तरफ वाहन नहीं जा सकेंगे। मेरठ से गाजियाबाद की तरफ आने वाले व्यवसायिक वाहन दुहाई पेरिफेरल से गाजियाबाद की तरफ नहीं जा सकेंगे। यहां से सिर्फ जनसभा में जाने वाले वाहनों को छूट मिलेगी।

नूंह में शोभायात्रा पर हुए जानलेवा हमले के मामले में कोर्ट ने कांग्रेस विधायक मम्मन खान को दी जमानत

चंडीगढ़, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। नूंह में हिन्दू श्रद्धालुओं द्वारा निकाली गई शोभायात्रा पर जानलेवा हमले से जुड़े एक मामले में कांग्रेस विधायक मम्मन खान को नियमित जमानत दे दी गई है। फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक एडीजे अजय कुमार शर्मा की अदालत में पेश हुए, जिन्होंने लगभग सात घंटे तक चली कार्यवाही के बाद खान को जमानत दे दी। खान के वकील ताहिर हुसैन रूपारया के अनुसार, फिरोजपुर झिरका के विधायक को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अजय शर्मा ने जमानत दे दी, क्योंकि पुलिस खान के खिलाफ सबूत पेश नहीं कर सकी। नूंह पुलिस ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि उसके दो मोबाइल फोन पर प्रयोगशाला परीक्षणों के अनुसार, खान दो व्हाट्सएप समूहों के एडमिन थे और उन्होंने सदस्यों को आपत्तिजनक पोस्ट अपडेट करने से नहीं रोका। पुलिस ने यह भी दावा किया कि विधायक मम्मन खान के अनुयायी गवाहों को धमकी दे रहे थे, जिसका अर्थ था कि वह सांप्रदायिक दंगों में शामिल थे।

पुलिस के मुताबिक, 15 अक्टूबर को नगीना निवासी शिव कुमार को मम्मन खान समर्थक होने का दावा करने वाले दो युवकों ने कथित तौर पर धमकी दी थी और सांप्रदायिक दंगों के आरोप में गवाही न देने की चेतावनी दी थी। पुलिस ने कहा कि इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि अगर खान को जमानत दी गई तो जांच खतरे में पड़ सकती है।

चक्रवाती तूफान 'तेज' की वजह से होगा मौसम में बदलाव

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। देशभर में त्योहारों का मौसम चल रहा है। ऐसे में लोगों को यह चिंता सता रही है कि क्या बारिश त्योहार के मौसम में खलल डालेगी। इस बीच खबर है कि दक्षिण-पूर्व अरब सागर और उसके नजदीक लक्षद्वीप के क्षेत्र के ऊपर एक संभावित चक्रवाती प्रणाली तैयार हो चुकी है। इस बाबत भारतीय मौसम विज्ञान विभाग यानी आईएमडी ने जानकारी दी है। विभाग की ओर से बताया गया है कि अरब सागर में कम-दबाव का क्षेत्र तैयार हो रहा है और यदि यह तेज हुआ तो चक्रवात का रूप ले सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि लक्षद्वीप क्षेत्र और निकटवर्ती दक्षिण-पूर्व अरब सागर और केरल तट पर चक्रवाती परिसंचरण पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ चुका है। दक्षिण-पूर्व अरब सागर और निकटवर्ती लक्षद्वीप क्षेत्र पर नजर आ रहा है जिसके प्रभाव से अगले 48 घंटों के दौरान दक्षिण-पूर्व और इससे सटे पूर्व-मध्य अरब सागर के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र विकसित होने के आसार हैं।

मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि मौसम प्रणाली के पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर आगे बढ़ने और 21 अक्टूबर के आसपास मध्य अरब सागर के ऊपर एक दबाव में तब्दील होने के आसार हैं। हालांकि अधिकारियों द्वारा चक्रवात की संभावित तीव्रता का निर्धारण नहीं किया गया है। मौसम विभाग ने कहा है कि वे घटनाक्रम पर करीब से नजर रखे हुए हैं। यहां चर्चा कर दें कि समुद्र का गर्म तापमान अक्टूबर और दिसंबर के बीच की अवधि को बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में चक्रवाती परिसंचरण के विकास के लिए अनुकूल बना देता है। इस वजह से तूफान की आशंका बन जाती है। हालांकि, 2022 में मानसून के बाद के मौसम के दौरान अरब सागर में कोई उष्णकटिबंधीय तूफान देखने को नहीं मिला है।

वहीं बंगाल की खाड़ी में दो उष्णकटिबंधीय तूफान सितारंग और मैंडौस देखने को मिले। हिंद महासागर क्षेत्र में चक्रवातों के लिए अपनाए जाने वाले नामकरण सूत्र के अनुसार मीडिया में जो खबरें चल रहीं हैं, यदि भारतीय समुद्र में उठने वाले उष्णकटिबंधीय तूफान चक्रवात में बदलते हैं तो इसे 'तेज' की संज्ञा दी जाएगी।

दक्षिण दिल्ली में गला दबाकर की पत्नी की हत्या

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिणी दिल्ली में नौकरी को लेकर हुए झगड़े के बाद 50 वर्षीय एक महिला की उसके पति ने हत्या कर दी। एक पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, आरोपी स्वभाव से शक्की है और नौकरी के लिए पत्नी के घर से बाहर जाने का विरोध करता था। मृतका की पहचान मदनगीर निवासी सुशीला के रूप में हुई। बुधवार सुबह 8:41 बजे एचएएच सेंटेनरी हॉस्पिटल से अंबेडकर नगर थाने में सुशीला, जिसे मृत घोषित कर दिया गया था, के संबंध में मेडिको-लीगल केस की सूचना मिली। जांच करने पर पता चला कि मृतका को उसके पति वेद प्रकाश (52) ने भर्ती कराया था।

सुप्रीम कोर्ट ने अरुणाचल की विधायक दासंगलू पुल का चुनाव रखा बरकरार

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को गौहाटी उच्च न्यायालय के फैसले को रद्द कर दिया और अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के लिए भाजपा विधायक दासंगलू पुल के 2019 के चुनाव को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति एएस. की पीठ बोपन्ना और पीएस नरसिम्हा ने याचिका पर सुनवाई की। शीर्ष अदालत ने पुल के चुनाव के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। मई में, शीर्ष अदालत ने आदेश दिया था कि याचिका लंबित रहने तक उनके निर्वाचन क्षेत्र में कोई उपचुनाव नहीं कराया जाना चाहिए। मई के आदेश में अदालत ने कहा कि पुल सभी विधायक विशेषाधिकारों के हकदार हैं और सदन की कार्यवाही और विधानसभा समितियों में भाग ले सकते हैं दासंगलू पुल, दिवंगत मुख्यमंत्री कलिखो पुल की विधवा है। वह 2019 में हायुलियांग विधानसभा क्षेत्र से चुनी गईं हैं। गौहाटी उच्च न्यायालय ने उनके प्रतिद्वंद्वी लुपलम क्रि द्वारा दायर एक याचिका पर उनके चुनाव को अमान्य कर दिया था। क्रि ने आरोप लगाया कि उन्होंने चुनाव नामांकन फॉर्म में अपने दिवंगत पति की संपत्तियों का खुलासा नहीं किया था।

भिवानी में टीम ने दुकान से बरामद किए 150 किलोग्राम अवैध पटाखे

भिवानी, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भिवानी में मुख्यमंत्री उड़नदस्ता की टीम ने अग्निशमन विभाग के साथ संयुक्त रूप से देर शाम को तोशाम क्षेत्र में एक दुकान पर छापामारा। इस दौरान टीम को दुकान के अंदर से करीब 150 किलोग्राम पटाखा की अवैध खेप बरामद हुई। जिसे तोशाम पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर दुकानदार के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। मुख्यमंत्री उड़नदस्ता रोहतक की टीम को सूचना मिली थी। जिसके बाद मुख्य अग्निशामक नरेंद्र कुमार, फायरमैन उमेश राठी को साथ लेकर सीएम फ्लाइंग ने तोशाम निवासी संजय कुमार की दुकान पर छापामारा। टीम को दुकान के अंदर से अवैध पटाखों का जखीरा बरामद हुआ। दुकानदार पर पटाखा बिक्री का कोई लाइसेंस नहीं मिला।

गाड़ियों पर लाल-नीली बत्ती और सायरन लगा कर अगर निकले तो अब घर आएगा चालान

पंचकूला, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा कि अनाधिकृत रूप से लाल, नीली बत्ती तथा सायरन का इस्तेमाल करने वाले लोगों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि किसी सरकारी वाहनों पर इसका अनाधिकृत तरीके से इस्तेमाल होता पाया गया तो उनके विभाग प्रमुखों को पत्र लिखते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून सभी के लिए समान है, कानून की नजर में कोई छोटा या बड़ा नहीं है। पुलिस महानिदेशक ने ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में कहा कि वाहनों पर अनाधिकृत तौर पर नीली तथा लाल बत्ती स्वीकार्य नहीं है। ऐसा करने वालों पर नियम अनुसार कार्रवाई करते हुए उनके चालान किए जाएं। उन्होंने आग्रह किया कि लोग अपने वाहनों पर इनका इस्तेमाल ना करें। अनाधिकृत रूप से सायरन का भी इस्तेमाल ना करने की हिदायत उन्होंने दी है।

बांसुरी स्वराज का दावा- 'जब तक माता-पिता करते रहेंगे ये काम तब तक सनातन को कोई उखाड़ नहीं सकता'

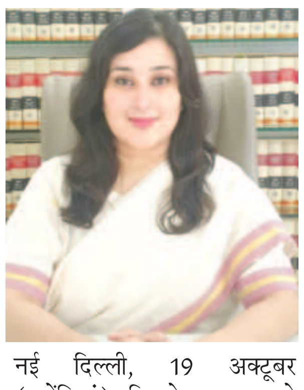

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले कुछ समय से सनातन धर्म और परंपरा को लेकर सियासी दलों के बीच जारी आरोप-प्रत्यारोप के बीच दिल्ली भारतीय जनता पार्टी की सचिव बांसुरी स्वराज ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया है कि देश में जब तक बच्चों के अभिभावक उन्हें भारतीय मूल्यों का संस्कार देते रहेंगे, भारत से सनातन को मिटाने का कोई साहस नहीं कर सकता है।

क्या है बांसुरी स्वराज के पोस्ट एक्स में

दरअसल, सनातन को लेकर जारी बहस के बीच दिल्ली बीजेपी की नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज ने अपने एक पोस्ट एक्स में लिखा है कि, 'विपक्ष सनातन को उखाड़ने की बात करता है और कभी-कभी सनातन की तुलना किसी बीमारी से करता है, लेकिन जब तक देश के माता-पिता अपने बच्चों को रामलीलाओं में लाते रहेंगे, उन्हें सनातन मूल्य देते रहेंगे, तब तक कोई भारत से 'सनातन' को उखाड़ फेंकने का साहस नहीं कर सकता है।

सीएम को फंसाना बीजेपी का सियासी एजेंडा नहीं

बांसुरी स्वराज ने 17 अक्टूबर को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में अदालत में ईडी के रुख को लेकर बीजेपी पर आप के आरोपों को लेकर कहा था कि कथित शराब घोटाला मामले में आप को आरोपी बनाना बीजेपी का सियासी एजेंडा नहीं है। बीजेपी हमेशा से कहती आई है कि आप में ऊपर से नीचे तक के नेता भ्रष्टाचार में डूबे हैं। भ्रष्टाचार से हासिल धन का इस्तेमाल पार्टी ने अपनी गतिविधियों के लिए उन्होंने किया। उन्होंने कहा था कि ईडी द्वारा सीएम अरविंद केजरीवाल को शराब घोटाला मामले में आरोपी बनाना या न बनाना, जांच एजेंसी का काम है। उससे बीजेपी का कोई लेना देना नहीं है। यह सब आप के 'कर्म' का फल है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली की जनता ने एक ऐसी सरकार चुनी जो 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' के नाम पर अस्तित्व में आई थी।

दिल्ली के गांधी नगर बाजार में इमारत में लगी आग

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्वी दिल्ली के गांधी नगर बाजार में बृहस्पतिवार सुबह एक इमारत में आग लग गई। अग्निशमन अधिकारियों ने बताया कि आग बड़े पैमाने पर नहीं फैल पाई। उन्होंने बताया कि सुबह नौ बजे आग लगने की सूचना मिली। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि आग इमारत के भूमिगत तल में लगी। यहां कुछ मशीनें रखी हुई थीं। अधिकारी ने बताया कि चार दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और और 30 मिनट में आग पर काबू ला लिया।

गोवा में नाबालिग बेटी का यौन शोषण करने के आरोप में शख्स गिरफ्तार

पणजी, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोवा में पुलिस ने कहा है कि उसने 36 साल के एक व्यक्ति को अपनी 14 साल की बेटी का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पणजी पुलिस ने बताया कि आरोपी मूल रूप से नेपाल का रहने वाला है और तटीय राज्य में एक स्टोर पर काम कर रहा था। पुलिस ने कहा, घटना चार दिन पहले हुई, जब पीड़िता की मां घर पर नहीं थी। हमने मामले की जांच के बाद आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

'महात्मा गांधी थोड़े जटिल शख्सियत वाले व्यक्ति थे'

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने क्यों कही ये बात?

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के योगदान को लिखित रूप से अच्छे से उल्लेखित किया गया है। वह थोड़े जटिल व्यक्तित्व वाले शख्स थे। ये बातें कही हैं केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी ने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जंग के लिए भारत की तरफ से मदद देने की बात की। हरदीप पुरी ने दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के कई किस्सों और उनकी बातों का जिक्र किया। प्रसार भारती बोर्ड के सदस्य और वरिष्ठ पत्रकार अशोक टंडन ने 'द रिवर्स स्विंग-कोलोनियलिज्म टू कॉपरेशन' नाम से एक किताब लिखी है। इस किताब के विमोचन समारोह में

केंद्रीय मंत्री पुरी शामिल हुए और यहां लोगों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि किस तरह उन्होंने अंग्रेजों की मदद करने की बात कही। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि किस तरह राष्ट्रपिता की इंग्लैंड में हुई उनकी पढ़ाई-लिखाई का असर उनके स्वभाव पर पड़ा और वह किस तरह के बैरिस्टर थे।

'हम सभी राष्ट्रपिता के अनुयायी'

केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा, 'किताब में एक चैप्टर महात्मा गांधी पर है। हम सभी राष्ट्रपिता के अनुयायी हैं। भारत निर्माण में, अभिजात्य राष्ट्रीय आंदोलन और आम जनता के बीच सेतु बनाने में उनकी भूमिका का दस्तावेजी रूप में अच्छी तरह उल्लेख है।' उन्होंने कहा, 'महात्मा गांधी अपने आप में थोड़े जटिल शख्सियत थे। ब्रिटेन में रहते हुए उन्होंने दरअसल प्रथम विश्व युद्ध में जंग के प्रयासों के लिए भारत की मदद भेजने को कहा था। दस्तावेजों में यह भलीभांति अंकित है।'

'अंग्रेजी शैली के बैरिस्टर थे गांधी'

हरदीप पुरी ने कहा कि ब्रिटेन में गांधी के शुरुआती जीवन, उनकी शिक्षा ने उन्हें एक 'अंग्रेजी शैली के बैरिस्टर' के रूप में तैयार करने का काम किया। उन्होंने कहा, 'जब वह दक्षिण अफ्रीका जाते हैं तो ये वो गांधी थे जिन्हें हम जानते हैं, जिन्होंने हमारे राष्ट्रीय आंदोलन के आकार लेने में योगदान दिया।' पुस्तक की विषय-वस्तु का उल्लेख करते हुए पुरी ने कहा कि इसमें एक अध्याय इस बारे में है कि भारत ने किस तरह ब्रिटेन को पीछे छोड़कर विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का स्थान हासिल किया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हममें से ज्यादातर लोग इसे लेकर खुश होते हैं। उन्होंने कहा कि जब हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे और जापान और जर्मनी से आगे निकल जाएंगे, तो मुझे नहीं लगता कि हमें उतना अच्छा लगेगा। उन्होंने इसके पीछे ब्रिटेन के साथ ऐतिहासिक संबंध होने की वजह बताई।

पुणे: मशहूर ज्वैलर्स के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुणे जिले के कई इलाकों में स्थित ज्वेलर्स के यहां गुरुवार को सुबह से ही आयकर विभाग की टीम ने छापेमारी शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक आयकर विभाग ने छापेमारी का अधिकृत ब्योरा नहीं दिया है। बताया जा रहा है कि 40 वाहनों में अधिकारियों की टीम आज सुबह से पुणे के हडपसर, मगरपट्टा और बानेर आदि इलाकों के ज्वैलर्स के घर और उनके कार्यालयों पर पहुंची है। इसके बाद आयकर विभाग की टीम ने मौके पर सभी कर्मचारियों और ज्वेलर्स के मोबाइल फोन जब्त कर लिये हैं। यह तलाशी टैक्स चोरी के मामले में की जा रही है। आयकर टीम यहां कागज-पत्र की जांच कर रही है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने

सीबीआई जांच को रद्द करने की मांग वाली डिप्टी सीएम शिवकुमार की याचिका की खारिज

बेंगलुरू, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को झटका देते हुए उच्च न्यायालय ने गुरुवार को उनके खिलाफ सीबीआई कार्यवाही को रद्द करने की मांग वाली उनकी याचिका खारिज कर दी। अदालत ने उनके खिलाफ सीबीआई जांच पर जारी स्थगन आदेश भी हटा दिया। न्यायमूर्ति के नटराजन की अध्यक्षता वाली कर्नाटक उच्च न्यायालय की पीठ ने सीबीआई को तीन महीने में जांच पूरी करने का निर्देश दिया। इस घटनाक्रम को शिवकुमार के लिए एक गंभीर झटका माना जा रहा है, जो राज्य में विपक्षी दलों भाजपा और जद (एस) पर आक्रामक रूप से हमला कर रहे हैं। सीबीआई ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13 (2) और 13 (1) ई के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया था। इसमें आरोप लगाया गया है कि शिवकुमार ने 2018 और 2023 के बीच अपनी आय से अधिक संपत्ति अर्जित की थी। शिवकुमार ने मामले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की थी। उच्च न्यायालय ने पहले मामले पर स्थगन जारी किया था और स्थगन आदेश को कई बार बढ़ाया था। सूत्रों के मुताबिक, अब सीबीआई शिवकुमार की जमानत रद्द करने की मांग को लेकर कोर्ट का रुख करेगी।

इंश्योरेंस कंपनी के पूर्व कर्मचारी ने बना लिया साइबर ठगी गिरोह, लोन के नाम पर लगा रहे थे चूना, 14 गिरफ्तार

नोएडा, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जिसमें ठग खुद को प्रमुख बैंकों का प्रतिनिधि बताते थे और फिर लोन दिलाने में मदद करने के बहाने लोगों के साथ ठगी करते थे। इस गिरोह में शामिल 14 लोगों को नोएडा पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने बताया कि उसने गिरोह के कब्जे से 11 लाख रुपये भी जब्त किए हैं। यह गिरोह नोएडा के औद्योगिक सेक्टर 6 में अपने दफ्तर को संचालित कर रहा था। साइबर हेल्प लाइन की एक टीम और स्थानीय फेज-1 पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने मंगलवार को धोखाधड़ी के गिरोह का भंडाफोड़ किया।

यथार्थ ग्रुप के हॉस्पिटल्स पर आईटी रेड सुबह 7 बजे से कई ठिकानों पर छापेमारी

नोएडा, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। टैक्स की हेरा-फेरी के मामले में शिकायत के बाद नोएडा के यर्थाथ ग्रुप पर इनकम टैक्स के अधिकारियों ने रेड डाली है। उनको लगातार टैक्स में हेर-फेर और अनएकाउंटेंड ट्रांजेक्शन की शिकायत मिल रही थी। रेड दिल्ली यूनिट की टीम कर रही है। उत्तर प्रदेश के नोएडा में गुरुवार सुबह साढ़े सात बजे यर्थाथ ग्रुप के नोएडा, ग्रेटर नोएडा के अलावा कई अन्य ठिकानों पर एक साथ रेड शुरू की गई। इसमें नोएडा यूनिट की भी मदद ली जा रही है। बता दें कि नोएडा का ये दूसरा सबसे बड़ा अस्पताल का ग्रुप है। इससे पहले मेट्रो और नियो अस्पताल पर भी इनकम टैक्स की रेड हो चुकी है। नोएडा में सेक्टर-110 के अलावा ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट में यर्थाथ अस्पताल है। इसके अलावा इनके रीजनल ऑफिस और एडमिन से जुड़े लोगों के यहां भी रेड की जा रही है।

अडाणी मामले को लेकर कांग्रेस ने सेबी की कार्य प्रणाली पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) को अडाणी समूह के मामले में दृढ़ता के साथ अपना कर्तव्य निभाना चाहिए और समय पर जांच पूरी करनी चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक बार फिर यह कहा कि इस मामले की सच्चाई संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की जांच से ही सामने आ सकती है। अमेरिकी कंपनी 'हिंडनबर्ग रिसर्च' द्वारा अडाणी समूह के

खिलाफ 'अनियमितताओं' और स्टॉक मूल्य में हेरफेर का आरोप लगाए जाने के बाद से कांग्रेस इस कारोबारी समूह पर निरंतर हमले कर रही है और आरोपों की जेपीसी से जांच कराए जाने की मांग कर रही है। अडाणी समूह ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में लगाए गए सभी आरोपों से इनकार किया है। उसका कहना है कि उसकी ओर से कोई गलत काम नहीं किया गया है। रमेश ने मीडिया में आई खबर का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, "हाल में संगठित 'अपराध और भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट' (ओसीसीआरपी) को इस बात के पक्के सबूत मिले कि अडाणी के सहयोगी विदेशी 'टैक्स हेवन' में मुखौटा कंपनियों को नियंत्रित कर रहे थे। इन सभी की अडाणी समूह की कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी थी।" उन्होंने दावा किया, "ये सब सेबी के नियमों का खुलेआम उल्लंघन करते हुए किया गया था। 'फाइनेंशियल टाइम्स' और 'गार्डियन' (ब्रिटिश समाचार पत्र) जैसे विश्व के प्रमुख समाचार पत्रों ने इस ख़बर को विस्तार से कवर किया है।" रमेश ने कहा, "हम सेबी से आग्रह करते हैं कि वह दृढ़ता से अपना कर्तव्य निभाए और समय पर अपनी जांच पूरी करे।"

कर्ज में डूबे परिवार के तीन लोगों ने की सुसाइड, बैंक ने दी थी संपत्ति कुर्क की चेतावनी

पलक्कड़, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल के पलक्कड़ जिले के कुझलमन्नम इलाके में एक परिवार के तीन सदस्यों ने मौत को गले लगा लिया। तीनों ने अपने घर में फंदे से लटक कर अपनी जान दे दी। आत्महत्या करने वालों में सुंदरन की 42 वर्षीय बेटी सिनिला, उसका 19 वर्षीय बेटा रोहित और उसकी बहन का 24 वर्षीय बेटा सुबिन है। पुलिस ने जानकारी दी कि तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। वहीं, इस मामले की जांच शुरू हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स से सामने आई जानकारी के मुताबिक, परिवार स्वास्थ्य समस्याओं और वित्तीय संकट के कारण परेशान था। जानकारी ये भी मिली है कि सिनिला के भाई बिनिल ने अपने पैतृक घर के दस्तावेज गिरवी रखकर कुझलमंदम सहकारी बैंक से पैसे उधार लिए थे। सिनिला के भाई बिनिल ने अपने पैतृक घर के दस्तावेज गिरवी रखकर कुझलमंदम सहकारी बैंक से पैसे उधार लिए थे।

सुविचार

किसी से भी झूठ बोले लेकिन, स्वयं से कभी भी झूठ ना बोले !

तेलंगाना से केसीआर और केंद्र से बीजेपी सरकार को हटाना है : राहुल

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आगामी विधानसभा चुनाव के चलते तीन दिन के तेलंगाना दौरे पर हैं। आज उनके दौरे का दूसरा दिन है। सुबह 11 बजे राहुल ने विजयभेरी यात्रा में हिस्सा लिया। यह यात्रा जयशंकर चौक से पन्नूर विलेज तक निकाली गई।

यात्रा के समापन के बाद राहुल ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार आते ही हम जातिगत आधारित गणना करवाएंगे। दुकानदारों की जेब से जीएसटी निकलती है और अडानी जी की जेब में चली जाती है। ऐसा हिंदुस्तान हमें नहीं चाहिए। इसलिए जातिगत जनगणना जरूरी है, उससे पता लगेगा कि किसकी कितनी आबादी है और किसके पास हिंदुस्तान का कितना धन है। राहुल ने आगे कहा, जातिगत जनगणना से पता चलेगा कि देश में कितने दलित, ओबीसी, आदिवासी और सामान्य वर्ग के लोग हैं और किसकी कितनी भागीदारी है। ये देश के एक्स-रे जैसा है और इससे यह भी मालूम होगा कि देश का धन कैसे बांटा जा रहा है। इसके बाद उन्होंने दूसरी जनसभा पेद्दापल्ली इलाके में की। यहां उन्होंने कहा कि मैं भाजपा के सामने खड़ा हूं। इसलिए मेरी सांसदी और घर छीन लिया गया। राहुल ने आगे कहा कि तेलंगाना से केसीआर और केंद्र से बीजेपी की सरकार को हटाना है।

राहुल ने कहा कि देश में बीजेपी विपक्ष के नेताओं के पीछे सीबीआई, ईडी, आईटी लगाती है। बीजेपी विपक्ष को डराने के लिए उन पर केस डालती है। लेकिन तेलंगाना के मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई जांच क्यों नहीं होती? ऐसा इसलिए है क्योंकि बीजेपी और बीआरएस एक हैं, बीजेपी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री मिले हुए हैं। देश में कोई भी नरेंद्र मोदी से, बीजेपी-आरएसएस और नफरत से लड़ रहा है तो उसका नाम राहुल गांधी है। ये पूरा देश जानता है, क्योंकि ये विचारधारा की लड़ाई है। तेलंगाना की महिलाओं को महालक्ष्मी योजना के तहत 2,500 रुपये मिलेगा, 500 में गैस सिलेंडर मिलेगा और बस में फ्री यात्रा मिलेगी। हम यहां आपसे झूठा वादा नहीं करने आएं हैं, जैसे केसीआर ने आपसे जमीन देने का झूठा वादा किया था।

मेरे ऊपर 24 केस हैं। मेरी लोकसभा सदस्यता छीन ली गई। मेरा घर छीन लिया गया, क्योंकि मैं भाजपा के सामने खड़ा रहता हूं। अब देखिए केसीआर पर न सीबीआई, न ईडी और न ही इनकम टैक्स की इन्क्वारी की जा जाती। जबकि वो लाखो-करोड़ का घोटाला कर रहे हैं। लोकसभा में बीआरएस पार्टी भाजपा की मदद करती है। चाहे जीएसटी हो या फिर किसान बिल। इसलिए तेलंगाना से बीआरएस को हराना है और दिल्ली से भाजपा को हटाना है।

बाइक रैली में कोंडा सुरेखा घायल

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री कोंडा सुरेखा को आज उस समय गंभीर चोटें आईं जब वह स्कूटी चलाते समय नियंत्रण खो बैठीं। उसके चेहरे के दाहिनी ओर चोट के निशान देखे गए। यह ज्ञात तथ्य है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी पार्टी के विधानसभा चुनाव अभियान के हिस्से के रूप में जयशंकर भूपालपल्ले जिले में विजयभेरी यात्रा में भाग ले रहे हैं।

पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा बाइक रैली निकाली गयी। रैली में कोंडा सुरेखा ने अपनी स्कूटी खुद चलाई। वह नियंत्रण खो बैठी और सड़क पर गिर गयी।

घटना में उसका हाथ भी जख्मी हो गया। उसे हनुमाकोंडा के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। डॉक्टरों ने उसे इलाज मुहैया कराया। डॉक्टरों ने कहा कि कोंडा सुरेखा की स्वास्थ्य स्थिति अच्छी और स्थिर है। उन्हें कुछ देर आराम करने की सलाह दी गई. डॉक्टरों ने सुरेखा के चेहरे के दाहिनी ओर पट्टी लगाई। उसके दाहिने पैर पर भी पट्टी बंधी हुई है।

कांग्रेस नेता ने तेलंगाना में जाति आधारित जनगणना का वादा किया

भूपालपल्ली, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राहुल गांधी ने गुरुवार को वादा किया कि तेलंगाना में सत्ता में आने के बाद कांग्रेस पार्टी राज्य में जाति आधारित जनगणना कराएगी। गुरुवार को भूपालपल्ली जिले में विजयभेरी यात्रा के दौरान नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने जाति आधारित जनगणना को देश का सबसे बड़ा मुद्दा बताया और इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की चुप्पी पर सवाल उठाया। तेलंगाना में दूसरे दिन प्रचार कर रहे राहुल गांधी ने कहा कि जाति आधारित जनगणना एक एक्स-रे की तरह होगी जो यह निर्धारित करेगी कि देश में पिछड़े वर्गों की आबादी केवल पांच प्रतिशत है या नहीं। भारत के बजट के सिर्फ पांच प्रतिशत हिस्से पर ओबीसी का कब्जा है। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या देश में ओबीसी आबादी केवल पांच प्रतिशत है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पहले ही छत्तीसगढ़, राजस्थान और कर्नाटक में जाति आधारित जनगणना का आदेश दे चुकी है। अगर हमारी पार्टी तेलंगाना में सत्ता में आती है, तो सबसे पहले हम यहां तेलंगाना का एक्स-रे करेंगे।

किशन रेड्डी की चुनौती राहुल गांधी को

कहा, कौन किसकी बी टीम, आइए करते हैं खुली चर्चा

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना के भुपालपल्ली में बीआरएस सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने इस दौरान जातीय सर्वे की मांग दोहराते हुए भाजपा और बीआरएस सरकार पर इस मामले में चुप्पी साधने का आरोप लगाया। अब राहुल पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि राहुल को समझना चाहिए कौन किसकी बी टीम है।

रेड्डी ने कहा कि बीआरएस कांग्रेस की बी टीम है और कांग्रेस बीआरएस की बी टीम है और मजलिस पार्टी इन दोनों की सी टीम है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की याददाश्त बहुत कमजोर है। हम इस बारे में कुछ नहीं कर सकते, हम केवल सुझाव दे सकते हैं कि उचित इलाज कराया जाए। भाजपा अध्यक्ष ने आगे कहा कि अगर राहुल गांधी इस पर बहस करना चाहते हैं कि बी टीम किसके लिए है, तो मैं इस पर खुली चर्चा के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि दिल्ली प्रेस क्लब हो या हैदराबाद प्रेस क्लब बस समय तय कर लीजिए।

जी. किशन रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस एक-दूसरे की बी टीम हैं और ये दोनों मिलकर मजलिस पार्टी की सी टीम हैं।

दुब्बाका में कई कांग्रेस व भाजपा नेता बीआरएस में शामिल

मेदक, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दुब्बाका निर्वाचन क्षेत्र से मेडक सांसद कोथा प्रभाकर रेड्डी की उपस्थिति में कई कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कैडर और नेता भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल हुए। जब मेदक सांसद कोत्ता प्रभाकर रेड्डी, दुब्बका निर्वाचन क्षेत्र के लिए पार्टी के उम्मीदवार, अपने चुनाव अभियान के तहत निर्वाचन क्षेत्र का दौरा कर रहे थे, दोनों पार्टियों के कई नेता बीआरएस में शामिल हुए। प्रभाकर रेड्डी ने गुरुवार को चेगुटना मंडल के रेड्डीपल्ली गांव में भाजपा और कांग्रेस के 300 कार्यकर्ताओं को बीआरएस स्कार्फ सौंपकर पार्टी में उनका स्वागत किया। इससे पहले इसी मंडल के रुक्मपुर में दोनों राष्ट्रीय दलों के 400 लोग शामिल हो चुके हैं। दौलताबाद मंडल में दोनों विपक्षी दलों के 300 से अधिक कार्यकर्ता बीआरएस में शामिल हुए। भाजपा के वरिष्ठ नेता मूर्ति करुणकर रेड्डी अपने अनुयायियों के साथ दुब्बाका नगर पालिका के चेरवापुर में बीआरएस में शामिल हो गए हैं। दुब्बाका निर्वाचन क्षेत्र के लिए बीआरएस उम्मीदवार प्रभाकर रेड्डी ने शामिल होने के कार्यक्रम के बाद दौलताबाद में एक विशाल बाइक रैली में भाग लिया था।

पिता ने डेढ़ साल की बेटी से की रेप की कोशिश

बरेली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में रिश्तों को शर्मसार करने वाली वारदात सामने आई है। जहां एक पिता ने ही अपनी महज डेढ़ साल की बच्ची के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म करने की कोशिश की है। इस पूरे घटनाक्रम की शिकायत मां ने ही पुलिस से की है। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी पति समेत अन्य 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं मासूम को मेडिकल जांच के लिए भेजा है। जांच के बाद केस में और धाराएं बढ़ाई जा सकती हैं।

चुनाव से पहले सब कुछ हो रहा सेट

बिहार के 37 जिलों में 20 सूत्री समिति का गठन, तेजस्वी को पटना की जिम्मेदारी

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। नीतीश सरकार ने चुनाव से पहले जिला स्तरीय 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति का गठन कर दिया है। 20 सूत्रीय जिला स्तरीय समिति में जिला प्रभारी मंत्री को अध्यक्ष बनाया गया है। मुंगेर को छोड़ अन्य सभी 37 जिलों में कमेटी बनी दी गई है। जिला स्तरीय कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष और सदस्यों से संबंधित अधिसूचना कैबिनेट सचिवालय की ओर से जारी की गई है। इसी महीने संभावना जताई जा रही है कि प्रखंड स्तरीय 20 सूत्री कमेटी का गठन भी महागठबंधन सरकार कर देगी।

इन जिलों की जिम्मेदारी संभालेंगे ये नेता

20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति में डिप्टी सीएम तेजस्वी को पटना जिले का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। भागलपुर जिला का अध्यक्ष पर्यटन मंत्री कुमार सर्वजीत को बनाया गया है। एससी-एसटी मंत्री रत्नेश सादा को जहानाबाद का अध्यक्ष बनाया गया है। पीएचडी मंत्री ललित यादव को पश्चिमी चंपारण का अध्यक्ष बनाया गया है। सीतामढ़ी जिले का अध्यक्ष भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी को बनाया गया। सुपौल जिला के अध्यक्ष जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा होंगे। उर्जा मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव वैशाली के अध्यक्ष होंगे। लखीसराय की अध्यक्ष परिवहन मंत्री शीला मंडल होंगी। वहीं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो। जमा खान किशनगंज जिला के अध्यक्ष बनाए गए हैं। पूर्णिया जिला के अध्यक्ष वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी बने हैं। नवादा के अध्यक्ष उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ बने हैं। मुजफ्फरपुर की बात करें तो कला संस्कृति मंत्री जितेंद्र राय को अध्यक्ष बनाया गया है। सीएम नीतीश के गृह जिला नालंदा में 20 सूत्रीय कमेटी के अध्यक्ष वित्त मंत्री विजय चौधरी बने हैं। रोहतास के अध्यक्ष लघु जल संसाधन मंत्री जयंत राज बने हैं।

10 साल बाद 20 सूत्री कमेटी का गठन

दरअसल, जिला स्तर पर 20 सूत्री कमेटी के लोग एक-एक योजनाओं की मॉनिटरिंग करते हैं। जनता की जरूरतों के हिसाब से योजनाओं का चयन भी करवाते हैं। बिहार सरकार की योजनाओं की निगरानी और क्रियान्वयन में सहयोग के लिए 20 सूत्री समितियां बनाई गई हैं। 20 सूत्री कमेटी का गठन 10 साल के बाद हुआ है। साल 2013 में महागठबंधन की सरकार में बीस सूत्री कमेटी का गठन किया गया था।

ड्रग माफिया से दोस्ती निभाने यूपी पुलिस अधिकारी ने दी दूसरे को धमकी, कहा- देख लूंगा

कानपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस का एक और कारनामा सामने आया है जिसमें पुलिस विभाग की फिर से भद्द पिट गई है। अब कानपुर के पुलिस कमिश्नरेट के दो थानेदारों के बीच एक तस्कर को बचाने के लिए इस कदर विवाद हुआ कि एक थानेदार ने दूसरे थानेदार को जेल भेजने की भी धमकी दे डाली। कानपुर में 2 दिन पहले काकादेव थाना क्षेत्र से थाना नवाबगंज इलाके की पुलिस ने कुछ नशे का कारोबार करने वाले युवकों को गिरफ्तार कर लिया था जिसके बाद यह पूरा विवाद शुरु हुआ। नशे के कारोबारी की गिरफ्तारी की बात जब थाना काकादेव पुलिस को लगी तो काकादेव पुलिस ने अपने चहेते को बचाने के लिए उसके अपहरण का मामला दर्ज कर लिया। काकादेव पुलिस ने नवाबगंज थाने के प्रभारी को फोन करके गिरफ्तार करने की जानकारी पूछी गई। नवाबगंज थाने के प्रभारी रोहित ने जानकारी दे भी दी लेकिन, काकादेव थानेदार ने नवाबगंज थानेदार को बात ही बात में विवाद के बाद देख लेने और जेल भेज देने की धमकी दे दी। आपको बता दें कि काकादेव थाना क्षेत्र में नशे का कारोबार करने वाले दो युवकों को दो दिन पहले उठाया गया था। जिसके बाद उन्हें एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल भेज दिया गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस पूरे मामले में एक अन्य शख्स भी शामिल है। नवाबगंज पुलिस ने उसकी के बताए अनुसार नशे के व्यापारियों को पकड़ा था,

गाड़ी रोकी और फिर

बीच सड़क पर ही हुई जज को जान से मारने की कोशिश, मचा हड़कंप

लखनऊ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक जज को ही जान से मारने की कोशिश की गई है। जज ने अपनी हत्या के प्रयास को लेकर आरोपी के खिलाफ पुलिस में तहरीर भी दी है। आरोप है कि आरोपी शख्स ने पहले जबरन जज की गाड़ी को रोका। फिर जज को गाड़ी से उतारा और उनके साथ मारपीट की। इस दौरान आरोपी ने जज का गला दबाकर उनकी जान लेने की भी कोशिश की। इस दौरान जज के सहयोगियों ने उनकी जान बचाई। फिलहाल मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। लखनऊ की हजरतगंज पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, घटना 17 अक्टूबर की है।

जज को ही की मारने की कोशिश

मिली जानकारी के मुताबिक, एडीजे आशुतोष सिंह ने लखनऊ पुलिस को तहरीर दी है। एडीजे आशुतोष सिंह के अनुसार, वह अपने प्राइवेट वाहन से हजरतगंज इलाके के डालीबाग जा रहे थे। तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने गाड़ी को टक्कर मारकर गाड़ी को रोका। जब वह गाड़ी से बाहर आए तब आरोपी ने उनका गला दबाया और उनको मारा। इस दौरान जज के सहयोगी ने किसी तरह बीच-बचाव किया और जज की जान बचाई। बताया जा रहा है कि जज की गाड़ी और आरोपी की गाड़ी के बीच टक्कर हो गई थी। इस बात को लेकर आरोपी शख्स ने अपना आपा खो दिया और जज को जान से मारने की कोशिश करने लगा।

पुलिस अधिकारी ने क्या बताया

इस पूरे मामले पर (डीसीपी लखनऊ) अपर्णा कौशिक ने बताया, आशुतोष सिंह लखनऊ में एडीजे के पद पर कार्यरत हैं। उनके द्वारा तहरीर दी गई है। बताया गया है कि वह शाम के समय अपने वाहन से कही बाहर जा रहे थे। तभी एक गाड़ी के साथ उनकी गाड़ी की टक्कर हो गई। इसी बात को लेकर दूसरे शख्स ने उनके साथ मारपीट की और अभद्र व्यवहार किया। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जिस गाड़ी के साथ टक्कर हुई थी और जिस शख्स पर आरोप है, दोनों को ट्रेस किया जा रहा है। पुलिस वहां मौजूद सीसीटीवी फुटेज की भी जांच कर रही है। मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी।"

31 साल में 1 हजार से ज्यादा जूलरी की दुकानों में की चोरी, महिला गैंग लीडर समेत 3 गिरफ्तार

गाजियाबाद: 31 सालों से अधिक समय से चोरी की वारदात करने वाले गैंग के तीन बदमाशों को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो पति-पत्नी हैं। उनके पास से सोने-चांदी की जूलरी बरामद की गई है। एडीसीपी क्राइम सच्चिदानंद ने बताया कि गैंग को खातून नाम की महिला लीड कर रही है। उसके साथ उसके पति कौशर और रिश्तेदार नौशाद को गिरफ्तार किया गया है। तीनों गाजियाबाद के ही रहने वाले हैं। इन लोगों ने हाल ही में नंदग्राम थाना क्षेत्र में एक जूलरी शॉप में वारदात की थी। पूछताछ में सामने आया कि गैंग के सभी सदस्य परिवार के सदस्य ही हैं। जूलरी चोरी करने के बाद वह उसे दिल्ली के सीलमपुर में रहने वाले सतीश और कैला भट्टा आस मोहम्मद को 60 फीसदी दाम में पर बेचते हैं।

फार्रुखाबाद में सपा नेताओं की बेशकीमती अवैध जमीनों पर चला योगी का बुलडोजर

अखिलेश सरकार में खड़ा किया था साम्राज्य

फार्रुखाबाद, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। योगी सरकार में अवैध जमीनों पर से कब्जा हटाने के लिए लंबे समय से भूमाफियाओं के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। अवैध तरीके से कब्जाई गई जमीनों, अवैध इमारतों पर योगी सरकार का पीला पंजा यानी बुलडोजर प्रदेश भर में जोरदार एक्शन में है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश के फरुखाबाद में समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता की अवैध प्लॉटिंग पर प्रशासन ने बुलडोजर चलवा कर इस बेशकीमती जमीन को कब्जा मुक्त करा दिया। फार्रुखाबाद जिले में समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता योगेंद्र यादव उर्फ चन्नू और उनके भाई जग्गू यादव द्वारा की गई अवैध प्लाटिंग पर कल प्रशासन का बुलडोजर चला। फरुखाबाद के चन्नु यादव

और जग्गू यादव ने समाजवादी पार्टी की अखिलेश सरकार में काफी बड़ा साम्राज्य खड़ा कर लिया और सपा सरकार में इन दोनों भाइयों की तूती बोलती थी। लेकिन सत्ता पलटने के बाद अब बुलडोजर द्वारा की गई अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई ने एक बार फिर योगी सरकार पर आम आदमी का भरोसा और अधिक मजबूत कर दिया है। बता दें कि पहले भी इस जमीन के ध्वस्तीकरण के आदेश होने के बाद अवैध प्लाटिंग को गिरा दिया गया था लेकिन भू माफियाओं द्वारा फिर से अतिक्रमण कर इस कीमती जमीन पर प्लाटिंग कर दी गई और जगह जगह निहास नींव भरकर प्लॉट काट दिए गए। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार का भू-माफिया के खिलाफ अभियान जारी है और इसी क्रम में यहां भी योगी के बुलडोजर ने एक झटके में कब्जा हटा दिया। लिहजा प्रशासन के संज्ञान में ये मामला बेहद गंभीर दिखा तो आला अधिकारियों के आदेश पर उक्त सपा नेता चन्नू यादव, जग्गू यादव और बलवंत सिंह आदि के द्वारा भरी गई अवैध जमीन पर नीव और निर्माण कार्य को बुलडोजर द्वारा पूरी तरह ढहा दिया गया। ये पूरी कार्रवाई भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में हुई।

कृषि रोडमैप पर सुशील कुमार मोदी ने उठाए सवाल, बीजेपी नेता ने नीतीश सरकार को घेरा

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जहां एक ओर बिहार के चतुर्थ रोडमैप (2023-2028) का लोकार्पण किया वहीं, दूसरी ओर बीजेपी के नेता अब कृषि रोडमैप पर सवाल खड़े कर रहे हैं। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने सवाल करते हुए बुधवार को कहा कि नीतीश कुमार को श्वेत पत्र जारी कर बताना चाहिए कि तीन कृषि रोडमैप लागू होने के बाद भी बिहार के किसान आय के मामले में 28वें स्थान पर क्यों है? बीजेपी सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि तीन कृषि रोडमैप पर लगभग तीन लाख करोड़ खर्च करने के बाद भी खाद्यान्न उत्पादन दोगुना करने जैसे कई लक्ष्य पूरे क्यों नहीं हुए? हर भारतीय की थाली में एक बिहारी व्यंजन पहुंचाने का जो सपना दिखाया गया था, उसका क्या हुआ? बिहार के किसानों की आय से बीजेपी नेता ने पंजाब की तुलना की। कहा कि पंजाब के किसानों की औसत आय 26,700 रुपये है, जबकि बिहार के किसानों की औसत प्रति व्यक्ति आय मात्र 7,542 रुपये है। आय के मामले में बिहार के किसान देश में 28वें स्थान पर है। तीसरे कृषि रोडमैप पर पांच साल में 1.54 लाख करोड़ खर्च करने का लक्ष्य था और जब सरकार एक लाख करोड़ भी खर्च नहीं कर पाई, तब चौथे कृषि रोडमैप पर 1.62 लाख करोड़ खर्च करने के लक्ष्य का कोई औचित्य नहीं था। सुशील मोदी ने सवाल उठाया कि कि तीसरे कृषि रोडमैप में जैविक कॉरिडोर का निर्माण, हर खेत तक बिजली पहुंचाने, बंद नलकूप चालू कराने और अलग कृषि फीडर लगा कर आठ लाख नए सिंचाई कनेक्शन देने जैसे लक्ष्य पूरे क्यों नहीं हुए? उन्होंने कहा कि तीन कृषि रोडमैप लागू करने में नीतीश सरकार की विफलता के कारण सभी पैक्सों का कम्प्यूटरीकरण नहीं हुआ। किसानों को 1,600-1,700 रुपये प्रति क्विंटल के दाम पर धान बेचना पड़ रहा है और अधिकतर चावल मिलें बंद हो गईं।

वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण त्यागी को बड़ी राहत

दुराचार की धारा जोड़ने की मांग करने वाली याचिका खारिज

लखनऊ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन सैयद वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण त्यागी को बड़ी राहत देते हुए, वर्ष 2021 में सहादतगंज थाने में उनके खिलाफ दर्ज एक मामले में दुराचार व लूटपाट की धारा जोड़ने की मांग वाली वादिनी की ओर से दाखिल याचिका को खारिज कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने विवेचना के उपरांत सिर्फ मारपीट, गालीगलौज व जान से मारने की धमकी के आरोपों में चार्जशीट दाखिल की है।

न्यायालय ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद दिया आदेश

यह आदेश न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने मामले की वादिनी की ओर से दाखिल याचिका पर पारित किया। याचिका में मांग की गई थी कि मामले के तथ्यों व साक्ष्यों को देखते हुए, निचली अदालत को आदेश दिया जाए कि वह अभियुक्त वसीम रिजवी को दुराचार व लूटपाट के मामले में भी समन करे। याचिका का राज्य सरकार के अधिवक्ता राव नरेंद्र सिंह ने विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि याची ने सम्बंधित अदालत में बिना कोई प्रार्थना पत्र दिए, सीधा हाईकोर्ट में वर्तमान याचिका दाखिल की है, जो पोषणीय नहीं है। न्यायालय ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के पश्चात पारित अपने आदेश में कहा कि निचली अदालत द्वारा आरोप पत्र पर लिया गया संज्ञान विधि सम्मत है। वहीं याचिका में लखनऊ के पुलिस कमिश्नर, ज्वाइंट कमिश्नर, डीसीपी पश्चिमी, एसीपी बाजार खाला, एसएचओ सहादतगंज व विवेचनाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश डीजीपी को दिए जाने की भी मांग की गई थी। न्यायालय ने वादिनी के इस मांग को अस्पष्ट करार देते हुए, याचिका को खारिज करदिया। उल्लेखनीय है कि मामले में वादिनी ने 15 जुलाई 2021 को सहादतगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि चार साल पहले वसीम रिजवी पीड़िता के पति की गैर मौजूदगी में कमरे में घुस गए और उसके साथ दुराचार किया एवं वादिनी की अश्लील फोटो भी खींची। यह भी आरोप था कि फोटो को वायरल करने के नाम पर वसीम रिजवी ने कई बार उसके साथ दुराचार किया। हालांकि विवेचना में दुराचार के आरोपों की पुष्टि नहीं हो सकी।

यमुना की गंदगी में पनपा गोल्डीकाइरोनोमस कीड़ा, ताजमहल की खूबसूरती के लिए बना मुसीबत

आगरा, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया में अपने अद्भुत सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध ताजमहल पर गोल्डीकाइरोनोमस कीट द्वारा छोड़े गए दाग एक बार फिर नजर आ रहे हैं। मुख्य मकबरे में अंदर की दीवारों की पच्चीकारी बदरंग हो चुकी है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) द्वारा इसे साफ नहीं कराया जा रहा है। इससे स्मारक की छवि देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के सामने खराब हो रही है। ताजमहल की उत्तरी दिशा में यमुना प्रवाहित हो रही है। ताजमहल की उत्तरी दीवार पर चमेली फर्श के ऊपर कीड़े द्वारा छोड़ी गई गंदगी के दाग वर्ष 2015 में सबसे पहले नजर आए थे। इसके बाद एएसआइ की रसायन शाखा ने सेंट जोंस कालेज के विशेषज्ञों के साथ मिलकर कीड़े पर शोध किया था। कीड़े की पहचान गोल्डीकाइरोनोमस के रूप में हुई थी। वर्ष 2020 के कोरोना काल को छोड़ दें तो तब से प्रतिवर्ष कीड़े द्वारा की जाने वाली गंदगी का सामना ताजमहल को करना पड़ रहा है। पिछले दिनों स्मारक की उत्तरी दीवार और वहां हो रही पच्चीकारी पर कीड़े द्वारा छोड़ी गई गंदगी के दागों को देखा गया था। रसायन शाखा ने इन्हें धोकर साफ करवा दिया था। मुख्य मकबरे के अंदर दीवार पर हो रही पच्चीकारी अब भी बदरंग नजर आ रही है। पच्चीकारी में बने गुलदस्तों व फूलों के ऊपर गंदगी के दाग साफ नजर आ रहे हैं। एएसआइ की रसायन शाखा के निदेशक डा। एमके भटनागर ने बताया कि कीड़े द्वारा छोड़ी गई गंदगी से ताजमहल को किसी तरह का नुकसान नहीं होता है। इसे धोकर साफ किया जाता है। इस प्रक्रिया को अब नियमित कराया जाएगा।

यमुना की दशा में सुधार आवश्यक

कीड़े के लिए मुख्य रूप से यमुना की दुर्दशा को एएसआइ की रसायन शाखा ने अपनी जांच में जिम्मेदार माना था। यमुना की गंदगी में पला और बढ़ा गोल्डीकाइरोनोमस ताजमहल की ओर आकर्षित होकर उसकी दीवारों पर बैठता है। मार्च-अप्रैल और सितंबर-अक्टूबर का समय कीड़े के पनपने लिए सर्वाधिक उपयुक्त होता है।

यूपी में तापमान में गिरावट

लखनऊ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।पिछले दिनों पाकिस्तान और अफगानिस्तान की ओर से आए पश्चिमी विक्षोभ के चलते कई इलाकों में आंधी और तेज हवाओं के साथ बारिश देखने को मिली, जिसके चलते तापमान में भी गिरावट आई है। लोगों को इन दिनों प्रदेश में हल्की ठंड का एहसास हो रहा है, हालांकि अब वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर खत्म हो गया है और प्रदेश में फिर से शुष्क मौसम का दौर लौट आया है। ज्यादातर इलाकों में मौसम साफ रहा, धूप निकली हालांकि एक या दो स्थानों पर हल्की से भी हल्की बारिश और आकाशीय चमक हुई है। आज गुरुवार की बात करें तो प्रदेश में मौसम शुष्क ही बना रहेगा। उत्तराखंड और हिमाचल के पहाड़ों पर हुई बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश की वजह से तीन दिनों तक काफी मौसम ठंडा रहा था, कई जगहों पर लोगों ने अपने गरम कपड़े तक निकाल लिए थे और गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दी थी, लेकिन अब मौसम ने फिर से करवट ली है। मौसम विभाग के मुताबिक आज गुरुवार को यूपी के सभी जनपदों में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है। 19 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश का मौसम शुष्क रहेगा। कहीं किसी तरह का कोई चेतावनी नहीं जारी की गई है। पिछले 24 घंटों में सर्वाधिक तापमान 32.4 प्रयागराज में रिकॉर्ड किया गया और सर्वाधिक न्यूनतम तापमान नजीबाबाद में 14.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। वहीं राजधानी लखनऊ की बात करें तो यहां अधिकतम तापमान 27.7 और न्यूनतम तापमान 19.0 डिग्री सेल्सियस रहा।

कब से पड़ेगी सर्दी?

अगले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान 3-5 डिग्री सेल्सियस बढ़ने की संभावना है वहीं अगले 4-5 दिनों में न्यूनतम तापमान में धीरे धीरे 2-3 डिग्री सेल्सियस गिरावट होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक एक हफ्ते के बाद सर्दी का असर दिखना शुरू हो जाएगा, और मौसम ठंडा होने लगेगा।

हिंदू बच्चे का अपहरण कर धर्म परिवर्तन कराने की घटना का सहारनपुर कनेक्शन सामने आया

सहारनपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। 2008 के इस मामले में अब एनसीपीसीआर की टीम सहारनपुर पहुंची है। टीम यहां एक मदरसे में पहुंची थी लेकिन मदरसा संचालक को इसकी भनक लग गई और वो टीम के पहुंचने से पहले मदरसे का ताला लगाकर भाग गया। टीम इस मामले में जांच कर रही है। इस घटना के संज्ञान में आने के बाद एनसीपीसीआर की अपर सचिव ने सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली के मदरसों में पढ़ रहे बच्चों के सत्यापन कराने के आदेश जारी किए हैं। चंडीगढ़ से 2008 में लापता हुए इस बच्चे का पता आठ साल बाद चल सका था। बच्चे का परिवार लगातार पुलिस थानों का चक्कर लगा रहा था। बाद में 2016 में यह बच्चा चरथावल के एक मदरसे में मिला था। बच्चे के पिता ने बेटे के अपहरण कर धर्म परिवर्तन कराने की तहरीर पुलिस को दो थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिय था। बच्चे के पिता वीरेंद्र मूल रूप से हरदोई के रहने वाले हैं। वीरेंद्र चंडीगढ़ में मजदूरी का काम करते थे और यहीं से उनका बेटा लापता हो गया था। एनसीपीसीआर यानी राष्ट्रीय बाल अधिकार सरंक्षण आयोग की टीम सहारनपुर के रामपुर मनिहारान कस्बे के पास स्थित मदरसा उस्मानिया इस्लामिया पहुंची थी। टीम के पहुंचने से पहले ही मदरसा संचालक फरार हो गया। बाद में टीम ने कैमरे के सामने ताला तोड़कर अंदर रखे रिकार्ड कब्जे में लिए हैं।

हनुमानगढ़ी के सहायक पुजारी की गला काटकर हत्या

अयोध्या, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अयोध्या में हनुमानगढ़ी के सहायक पुजारी की हत्या कर दी गई। मंदिर के आश्रम में एक कमरे में पुजारी की लाश मिली। धारदार हथियार से गला काटकर उनकी हत्या की गई। कमरे में चारों तरफ खून बिखरा हुआ था। जिस कमरे में वारदात हुई वहां से महज 40-50 फीट की दूरी पर पुलिस तैनात थी। लेकिन, पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। मृतक पुजारी की शिनाख्त राम सहारे दास के तौर पर हुई। वह हनुमानगढ़ी की बसंतिया पट्टी के साकेतवासी संत दुर्बल दास के शिष्य थे। हनुमानगढ़ी के आश्रम के जिस कमरे में पुजारी की लाश मिली, वहां वह अपने 2 चेलों के साथ रहते थे।

आजम खान की सजा पर शिवपाल यादव का छलका दर्द, शायरी के जरिए कह गए बड़ी बात

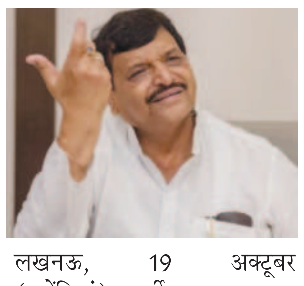

लखनऊ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने आजम खान, पत्नी तंजीम फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की सजा सुनाई है। अदालत के फैसले से समाजवादी पार्टी को गहरा झटका लगा है। आजम खान सपा के कद्दावर मुस्लिम नेता हैं। अखिलेश यादव के बाद अब चाचा शिवपाल सिंह यादव का दर्द छलका है। उन्होंने शायरी में आजम परिवार की सजा का शोक मनाया। बता दें कि फैसला सुनाए जाने के बाद अखिलेश यादव ने कहा था कि आजम खान को मुसलमान होने की सजा मिली है।

उनके खिलाफ साजिश और षड्यंत्र रचा गया। पिछले महीने आजम खान के घर आयकर विभाग की कार्रवाई पर भी सपा ने एकजुटता का परिचय दिया था। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने शायरी के जरिए दर्द बयान किया। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट लिखा, आफताब छुप गया तो क्या गम, सुबह नव जरूर आएगी। शर्त बस यही कि वक्त का थोड़ा इंतजार कीजिए। वहीं शिक्षक सम्मान कार्यक्रम में उन्नाव दौरे पर आए सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने आयकर विभाग की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि बीजेपी सरकार में बदले बदले की भावना से कार्रवाई हो रही है। आजम खान देश के बड़े और वरिष्ठ नेता हैं। उनके परिवार को जान बूझकर प्रताड़ित किया जा रहा है।

तेलंगाना में सीएम पद के लिए ओबीसी चेहरे पर दांव खेल सकती है बीजेपी

जानिए इसके पीछे की बड़ी वजह

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना में होने वाले विधानसभा चुनाव में किसी ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) नेता को पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश कर सकती है। हालांकि पार्टी की केंद्रीय स्क्रीनिंग कमेटी पहली सूची को अंतिम रूप देने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस बात की जानकारी पार्टी नेताओं और मामले से जुड़े लोगों ने दी।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी पार्टी के संसदीय बोर्ड के सदस्य और सांसद के लक्ष्मण के साथ केंद्रीय स्क्रीनिंग कमेटी से मंजूरी लेने के लिए उम्मीदवारों के लगभग 40 नामों की सूची के साथ बुधवार शाम नई दिल्ली के लिए रवाना हुए थे।

इस पूरे घटनाक्रम से परिचित एक वरिष्ठ बीजेपी नेता ने कहा, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बंदी संजय को भी समिति की बैठक में शामिल होने के लिए केंद्रीय नेतृत्व से फोन आया था। पूरी संभावना है कि उम्मीदवारों की सूची एक या दो दिन में जारी कर दी जाएगी।

बीजेपी केंद्रीय नेतृत्व कर रहा ओबीसी चेहरे पर विचार :

भाजपा नेता के मुताबिक, बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व आगामी चुनाव में कांग्रेस पार्टी पर बढ़त हासिल करने के लिए किसी ओबीसी नेता को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा, राज्य के नेताओं को आज ऐसा संकेत मिला है, लेकिन यह तुरंत पता नहीं चला है कि बीजेपी हाईकमान किसी नाम की घोषणा करेगी या सिर्फ यह कहेगी कि अगर पार्टी सत्ता में आती है तो किसी ओबीसी नेता को सीएम बनाया जाएगा।

ओबीसी नेताओं में ये नाम प्रमुख :

तेलंगाना भाजपा के ओबीसी नेताओं में प्रमुख रूप से सांसद के लक्ष्मण, जो भाजपा राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रमुख भी हैं। पूर्व राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय और हुजूराबाद विधायक इटाला राजेंद्र का नाम शामिल है।

35 प्रतिशत उम्मीदवार ओबीसी होंगे :

एक बीजेपी नेता ने कहा, पार्टी का मानना है कि किसी ओबीसी नेता को पार्टी के सीएम उम्मीदवार के रूप में घोषित करने से पार्टी को भारी लाभ मिलेगा, क्योंकि इन वर्गों से कोई भी संयुक्त आंध्र प्रदेश या तेलंगाना का मुख्यमंत्री नहीं बना है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने पहले ही घोषणा कर दी है कि 35 प्रतिशत उम्मीदवार ओबीसी से होंगे। इस बीच, किशन रेड्डी और लक्ष्मण सहित राज्य के भाजपा नेताओं ने बुधवार को हैदराबाद में जन सेना पार्टी प्रमुख और लोकप्रिय अभिनेता पवन कल्याण से बातचीत की और तेलंगाना में भाजपा के लिए उनकी पार्टी का समर्थन मांगा।

30 नवंबर को होगा चुनाव :

दोनों पार्टियों का फिलहाल आंध्र प्रदेश में गठबंधन है। जन सेना ने पहले ही तेलंगाना में 32 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पवन कल्याण के हवाले से जन सेना पार्टी के एक बयान में कहा गया, हम अपनी पार्टी के भीतर चर्चा करेंगे और भाजपा को समर्थन देने पर निर्णय लेंगे। बता दें, तेलंगाना विधानसभा की 119 सीटों पर आगामी 30 नवंबर को चुनाव होने जा रहे हैं।

मंत्री ने बीआरएस सरकार के खिलाफ झूठ बोलने के लिए राहुल की आलोचना की

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री सिंगीरेड्डी निरंजन रेड्डी ने बीआरएस सरकार के खिलाफ सफेद झूठ बोलने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना की। गुरुवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, मंत्री सिंगीरेड्डी निरंजन रेड्डी ने कहा कि राहुल गांधी का यह कहना हास्यास्पद है कि कालेश्वरम परियोजना में एक लाख करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने राहुल गांधी के उस बयान में भी खामी निकाली, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि बीआरएस सरकार कृषि ऋण माफी के वादे को पूरा करने में विफल रही है और कहा था कि कांग्रेस नेता तेलंगाना के बारे में बुनियादी जानकारी के बिना सफेद झूठ बोल रहे हैं। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार ने हाल ही में तेलंगाना में 23 लाख किसानों को लाभ पहुंचाने वाले 13,000 करोड़ रुपये के फसल ऋण माफ कर दिए हैं। लेकिन, राहुल गांधी झूठ से लोगों को गुमराह कर रहे हैं और बीआरएस सरकार के खिलाफ जहर उगल रहे हैं।

तेलंगाना के प्रति कांग्रेस की कोई प्रतिबद्धता नहीं : केटीआर

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केटी रामाराव ने गुरुवार को तेलंगाना के प्रति प्रतिबद्धता की कमी के लिए कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं की आलोचना की। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेलंगाना में उनकी बस यात्रा विफल रही। 'एक्स' पर तीखे हमले में, रामा राव ने बीआरएस शासन के तहत प्रगतिशील राज्य तेलंगाना और कांग्रेस शासन के तहत कर्नाटक की निराशाजनक स्थितियों के बीच स्पष्ट अंतर बताया। उन्होंने कहा कि जहां तेलंगाना कल्याणकारी पहलों के स्वर्ण युग का पर्याय बन गया है, वहीं कर्नाटक एक अंधेरे शासन का प्रतीक बन गया है।

रामा राव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उनसे राज्य में एक आदिवासी विश्वविद्यालय की स्थापना में देरी पर अपनी चुप्पी और बय्याराम स्टील फैक्ट्री स्थापित करने में विफलता के लिए केंद्र की भाजपा सरकार से सवाल पूछने में विफलता पर स्पष्टीकरण देने की मांग की। उन्होंने जोर देकर कहा कि आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत किए गए वादों पर एनडीए सरकार से सवाल पूछने से परहेज करने वाले राहुल गांधी को तेलंगाना जाने का कोई अधिकार नहीं है। दोनों पार्टियों के प्रदर्शन की तुलना करते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने तेलंगाना में उन वादों को पूरा करने में बीआरएस सरकार की सफलता पर प्रकाश डाला, जो उनके चुनावी घोषणा पत्र में भी शामिल नहीं थे, जबकि कांग्रेस कर्नाटक के लोगों से किए गए अपने चुनावी वादों से कम समय में पीछे हट गई।

सरकार बनने के 100 दिन बाद. उन्होंने कर्नाटक में किसानों को पांच घंटे भी बिजली नहीं दे पाने के लिए कांग्रेस की आलोचना की, जबकि तेलंगाना में सरकार ने किसानों को निर्बाध मुफ्त बिजली की आपूर्ति करके खेती में क्रांति ला दी। आईटी और उद्योग मंत्री ने चुनाव के बाद कर्नाटक के लोगों को धोखा देने और अब तेलंगाना में वोट मांगने के लिए एक नया नाटक करने के लिए कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने उन कांग्रेस नेताओं का उपहास किया जो भ्रष्टाचार की टिप्पणियों के पर्याय थे, लेकिन बीआरएस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे थे और कर्नाटक में कमीशन के लिए ठेकेदारों को परेशान करने वाली कांग्रेस पर सवाल उठाया। उन्होंने दशकों से पोडु भूमि के मुद्दों को संबोधित करने में कांग्रेस की निष्क्रियता की तुलना तेलंगाना सरकार द्वारा 4.5 लाख एकड़ भूमि वितरित करने के लिए उठाए गए सक्रिय कदमों से की, जिससे कई आदिवासियों को लाभ हुआ।

रामाराव ने श्रीकांत अचारी का नाम लेने के लिए कांग्रेस की आलोचना की, जिन्होंने तेलंगाना राज्य के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया, उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना के गठन में पार्टी की दस साल की देरी के परिणामस्वरूप तेलंगाना के कई युवाओं की मौत हुई। उन्होंने कांग्रेस को पूरे इतिहास में तेलंगाना का मुख्य खलनायक करार दिया और कहा कि तेलंगाना के लोग उस पार्टी पर कभी भरोसा नहीं करेंगे जो उनकी समस्याओं का कारण है। उन्होंने कहा कि ए रेवंत रेड्डी को टीपीसीसी प्रमुख बनाए जाने के बाद से तेलंगाना में कांग्रेस की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। उन्होंने रेवंत रेड्डी की तुलना उस गिद्ध से की जो भू-माफिया और एमएलए टिकट बिक्री पर पनपा है।

साहित्यिक रचनाओं के लिए रेलवे अधिकारी की किंग चार्ल्स तृतीय ने की सराहना

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे स्टोर्स सेवा (आईआरएसएस) से संबंधित एस. विजय भास्कर, उपनिदेशक के रूप में कार्यरत हैं। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य सामग्री प्रबंधक को पिछले सप्ताह किंग चार्ल्स तृतीय से उनके साहित्यिक कार्यों के लिए सराहना पत्र मिला।

राजा की ओर से रॉयल कॉरेस्पोंडेंस के प्रमुख ने कहा कि "प्रिय श्री भास्कर, मैं आपको बता सकता हूं कि राजा आपकी कविता, "मानव का कल्याण..." पढकर बहुत प्रभावित हुए, जो आपने महामहिम की स्मृति में लिखी थी और "मैं आपको महामहिम की हार्दिक शुभकामनाएँ भेज रहा हूँ"। विजय भास्कर अपने कॉलेज के दिनों से ही एक स्वतंत्र लेखक के रूप में साहित्यिक कार्यों में योगदान देते रहे हैं। उन्होंने कई लेख लिखे हैं जो दुनिया भर में प्रकाशित हुए। वह प्रबंधन में एम.फिल के साथ एक आपूर्ति श्रृंखला पेशेवर हैं। इसके अलावा उनके पास कई अन्य डिग्रियां भी हैं और वह अपने साहित्य में आध्यात्मिकता के अलावा इतिहास, भारतीय संस्कृति और सभ्यता पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं। इससे पहले उनकी आध्यात्मिक पुस्तक, "आई एम इन लव..." आई थी। भास्कर कहते हैं कि वह अपने साहित्यिक प्रयासों से समाज में घटते नैतिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं।

रेवंत ने सिंगरेणी कर्मचारियों के मुद्दों को सुलझाने का संकल्प लिया

भूपालपल्ली, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को वादा किया कि अगर अगले महीने के विधानसभा चुनाव में सत्ता में आए तो पार्टी राज्य के स्वामित्व वाली सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के कर्मचारियों की सभी समस्याओं का समाधान करेगी। यहां सिंगरेनी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने उनकी समस्याओं के लिए राज्य की सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव तेलंगाना राज्य के गठन के लिए सिंगरेनी कर्मचारियों द्वारा किए गए बलिदान को भूल गए हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि बीआरएस केंद्र द्वारा सिंगरेनी खदानों के निजीकरण के लिए सहमत हो गया है।

बीआरएस ने संसद में खान विधेयक का समर्थन किया, उन्होंने एक अधिकारी को लंबे समय तक अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में जारी रखने के लिए राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा। उन्होंने सिंगरेनी कर्मचारी संघ के चुनाव कराने में देरी पर भी सवाल उठाया और वादा किया कि तेलंगाना में कांग्रेस के सत्ता में आने पर चुनाव कराए जाएंगे। उन्होंने याद दिलाया कि सिंगरेनी के कर्मचारियों ने तेलंगाना आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया था। आपने आंदोलन में भाग लेने के लिए सब कुछ अलग रख दिया था। यदि आपने सामूहिक हड़ताल में भाग नहीं लिया होता, तो तेलंगाना राज्य वास्तविकता नहीं बन पाता। कांग्रेस नेता ने कहा कि सत्ता में होने और कर्मचारियों के पक्ष में होने का दावा करने के बावजूद बीआरएस सिंगरेनी कर्मचारियों की समस्याओं को हल करने में विफल रही। रेवंत रेड्डी ने सिंगरेनी कर्मचारियों से भूपालपल्ली निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार गांद्रा सत्यनारायण का समर्थन करने की अपील की।

एनएमडीसी कर्मचारियों से केंद्रीय सतर्कता आयोग सचिव ने की बातचीत

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय सतर्कता आयोग के सचिव पी. डेनियल ने एनएमडीसी कॉर्पोरेट कार्यालय का दौरा किया और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के कर्मचारियों के साथ बातचीत की।

सचिव का एनएमडीसी में स्वागत करते हुए सीवीओ बी. विश्वनाथ ने कहा कि एनएमडीसी अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रत्यायोजन, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और सतर्कता के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कर अपने व्यवसाय में निरंतर पारदर्शिता में सुधार और जवाबदेही का निर्माण कर रहा है।

अपने प्रेरक सम्बोधन में, सचिव, सीवीसी ने कहा कि आयोग कॉर्पोरेट प्रशासन में सत्यनिष्ठा पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और इसलिए वीएडब्ल्यू 2023 की थीम 'भ्रष्टाचार को ना कहें और राष्ट्र के लिए प्रतिबद्ध हों रखी गई है। दंडात्मक से निवारक और सहभागी सतर्कता तक की यात्रा की व्याख्या करते हुए उन्होंने एनएमडीसी की क्षमता निर्माण पहल और सतर्कता डैशबोर्ड की सराहना की। भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए अभियान चलाते हुए, एनएमडीसी सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 मना रहा है। इसी क्रम में श्री पी डेनियल ने कंपनी के सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) श्री अमिताभ मुखर्जी के साथ एनएमडीसी की अद्यतन संविदा प्रबंधन नियमावली और ईआरपी में सतर्कता डैशबोर्ड के ऑनलाइन सतर्कता अनुमति मॉड्यूल का शुभारंभ किया।

भ्रष्टाचार का विरोध, ईमानदारी और सतर्कता पर कर्मचारियों से बात करते हुए, कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा, "पेशेवर सत्यनिष्ठा से व्यावसायिक दक्षता आती है। मैनुअल, कोड, प्रक्रियाएं संगठन और लोगों में निरंतरता सुनिश्चित करती हैं, और इन मानकों के अनुपालन से स्वाभाविक रूप से दक्षता सुनिश्चित होती है। बारी-बारी से स्थानांतरण और अन्य निवारक सतर्कता प्रणालियों का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि हमें सार्वजनिक धन पर हमें सौंपे गए विश्वास पर खरा उतरना चाहिए और लोक सेवक के रूप में अपने कर्तव्य को पूरा करना चाहिए। इसके बाद एनएमडीसी के कर्मचारियों ने सीवीसी के सचिव के साथ विभिन्न विषयों पर अपने विचार और अनुभव साझा किए। तत्पश्चात एक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया जिसमें हैदराबाद में आयोजित एनएमडीसी वीएडब्ल्यू 2023 प्रतियोगिताओं में विजेता छात्रों को सम्मानित किया गया।

CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION

IN THE COURT OF Shri P.P. Deshmane
4th JT. C.J.S.D. AMRAVATI, Amravati, Amravati.

SUMMONS FOR SETTLEMENT OF ISSUES
(O. 5, R. 1, 5.)
Spl. C.S./200012/2015
Sachinsinh Lalsinh Pawar Vs Shekharsinh Chandansinh Pawar 6
NEXT DATE : 08-11-2023

To,
Sarita Nandkishor Thakur Chavhan
Laxmi Apartment Lane, Thakur Residency, Plot No. 101, 108, Walkar Town Juna Sikandarabad Hydrabad Andhra Pradesh,

Whereas **Sachinsinh Lalsinh Pawar** has instituted a suit against you for you are hereby summoned to appear in this Court in person, or by a pleader duly instructed, and able to answer all material questions relating to the suit, or who shall be accompanied by some persons able to answer all such questions, on the **08-11-2023** at **11:00 o'clock in the forenoon,** to answer the claim; and further you are hereby directed to file on that day a written statement of your defence and to produce on the said day all documents in your possession or power upon which you base your defence or claim for set-off or counter-claim, and where you rely on any other document whether in your possession or power or not, as evidence in support of your defence or claim for set-off or counter-claim, you shall enter such documents in a list to be annexed to the written statement.

Take notice that, in default of your appearance on the day before mentioned, the suit will be heard and determined in your absence.

Given under my hand and the seal of the Court, this **06-10-2023**

4th JT. C.J.S.D. AMRAVATI

श्रृंग ऋषि भवन में सामूहिक विशाल जागरण 23 को, हुई बैठक

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिखवाल प्रगति समाज के तत्वाधान में सिखवाल प्रगति समाज युवा प्रकोष्ठ द्वारा सामाजिक एकता एवं अखंडता के लिए भाग्यनगर हैदराबाद में निवास करने वाले ऋषि श्रृंग वंशज सिखवाल बंधुओं की लगभग 15 माँ कुलदेवियों का नवमी सोमवार 23 अक्टूबर 2023 को रात्री 9:01 बजे से विशाल सामूहिक जागरण तथा 24 अक्टूबर 2023 को दोपहर 2 बजे से महिला भजन, एवं शाम को महाप्रसादी का आयोजन रखा गया हैं। कार्यक्रम में मरुधरा की धरती से सुप्रसिद्ध भजन गायक मानाराम लाम्बिया एवं पार्टी द्वारा सुमधुर ओजस्वी वाणी में माँ की महिमा का मंडन कर भक्तिरस का रसपान कराएँगे। इस संदर्भ में एक बैठक श्रृंग ऋषि भवन पर संपन्न हुई, जिसमें श्रृंग वंदना एवं माँ की स्तुति के पश्चात युवा अध्यक्ष संदीप जायलवाल ने कार्यक्रम की रुपरेखा पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि सिखवाल समाज के सभी कुलदेवियों के सामूहिक विशाल जागरण (माता की चौकी) का आयोजन पहली बार करने का प्रयास किया जा रहा हैं, जिससे सामाजिक एकता एवं अखंडता बनी रहे तथा अनेकता में एकता का एक सन्देश सभी समाजों को दिया जा सकें। सभा में आपसी विचारविमर्श कर कार्यक्रम को सुचारू रूप देने के लिए परामर्शदाताओं एवं संयोजक समिति के गठन का निर्णय लिया गया, परामर्शदाताओं के रूप में नंदकिशोर व्यास "बिलाल", रामनिवास पंडित, भागीरथ तिवारी, रामदेव नागला, भगवान व्यास (निम्बेडा), मांगीलाल नागला, भगवान नाराधनिया तिवाड़ी, ब्रिजेश तड़बा तिवाड़ी, मोतीलाल तिवारी, जगमोहन तिवाड़ी, रामदेव व्यास (बाबरा), नन्दलाल भगवान नागला तिवारी, रामप्रकाश नागला, ओमप्रकाश कोलरिया, सुरेश कुमार व्यास "जानम", रूपचंद जोशी, रूपचंद व्यास, मुरलीधर व्यास (सिकंदराबाद), सुनील व्यास, अनिल जायलवाल टिकमचंद जोशी को जोड़ा गया। इसी क्रम में दो दिवसीय कार्यक्रम पर संयोजक समिति के रूप में संदीप जायलवाल, सुनील तिवारी सिखवाल, विशाल व्यास, गजानंद पंडित, राजेंद्र प्रसाद नागला, उमेश लिलरिया व्यास, मुरलीधर तिवाड़ी, राजेश व्यास अंकल, सुरेश कुमार तिवाड़ी, मनोहर नागला, सुनील पांडिया, गिरिराज उपाध्याय, सूर्यप्रकाश नागला, पुरषोत्तम व्यास, रामेश्वरलाल जोशी, आनंद ओझा, मनोज कुमार नागला तिवारी, महेंदर नागला (मन्नू), घनश्याम तड़बा तिवारी, रमेश चंद कुराडिया, राधेश्याम उपाध्याय कुड़की, गोपाल कृष्ण तिवारी को विभिन्न सेवाओं के लिए समितियों से जोड़ा गया। मुरलीधर तिवाड़ी के धन्यवाद ज्ञापन से बैठक का समापन हुआ।

कड़ी सुरक्षा के साथ ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम स्थापित करें : कलेक्टर

कोत्तागुडेम, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर डॉ. प्रियंका आला ने चुनाव अधिकारियों को विधानसभा चुनावों के लिए ईवीएम को संग्रहीत करने के लिए सभी विधानसभा क्षेत्रों के मुख्यालयों पर स्ट्रांग रूम स्थापित करने का निर्देश दिया है। कलेक्टर ने बताया कि ईवीएम रैंडमाइजेशन का पहला दौर 20 अक्टूबर को पूरा हो जाएगा और 21 अक्टूबर को सभी निर्वाचन क्षेत्रों में ईवीएम भेज दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि स्ट्रॉन्ग रूम में कड़ी सुरक्षा सुनिश्चित करने के अलावा सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाने हैं। डॉ. आला ने रिटर्निंग अधिकारियों, चुनाव आदर्श आचार संहिता के नोडल अधिकारियों और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने उनसे कहा कि वे अपनी सीमा के तहत प्रत्येक मतदान केंद्र का निरीक्षण करें और आवश्यक बुनियादी ढांचे के संदर्भ में कमियों को दूर करें।

सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षित पेयजल और बिजली की आपूर्ति, विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के लिए शौचालय, रैंप और व्हीलचेयर की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। सुविधाओं पर गलत रिपोर्ट न दी जाए, कलेक्टर ने कहा कि उन्हें अपने दौरे के दौरान मतदान केंद्रों पर कमियां मिलीं। चुनाव प्रक्रिया के लिए वाहनों की व्यवस्था और स्थानीय स्तर पर दिव्यांगजनों के परिवहन के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा। डॉ. आला ने सुझाव दिया कि आपातकाल के समय में मतदान केंद्रों तक पहुंचने के लिए प्रभावी संचार योजना के साथ-साथ रूट मैप भी तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि जहां भी मतदान प्रतिशत कम है, वहां उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों पर विशेष ध्यान देते हुए व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी (एसवीईईपी) गतिविधियां संचालित की जानी हैं।

उद्योग विभाग के जीएम श्रीनिवास रिश्वत लेते पकड़े गए

जयशंकर भूपालपल्ली, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उद्योग विभाग के महाप्रबंधक जी. श्रीनिवास को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने गुरुवार को एक वाहन मालिक से 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया।

मुलुगु जिले के मल्लमपल्ली गांव के शिकायतकर्ता जी. लच्छीराम ने पिछले साल 53 लाख रुपये में एक ट्रक खरीदा था और जिला उद्योग विभाग से सब्सिडी के लिए आवेदन किया था। लेकिन जीएम श्रीनिवास ने रुपये की रिश्वत की मांग की. अपने आवेदन पर कार्रवाई करने के लिए लच्छीराम से 1.10 लाख रुपये लच्छीराम ने श्रीनिवास को 50,000 रुपये दिए और शिकायत दर्ज करने के लिए वारंगल में एसीबी कार्यालय से संपर्क किया। गुरुवार को लच्छीराम रिश्वत के बाकी रुपये देने के लिए श्रीनिवास के कार्यालय गया। जब एसीबी अधिकारियों ने उन्हें 60,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। एसीबी, वारंगल, डीएसपी संबैया ने कहा कि श्रीनिवास को हैदराबाद में एसीबी कोर्ट में पेश किया जाएगा।

एसीबी ने जीएचएमसी टाउन प्लानिंग अधिकारियों को धर दबोचा

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने एलबी नगर क्षेत्र में काम कर रहे दो जीएचएमसी अधिकारियों को उस समय पकड़ा जब उन्होंने एक इमारत के निर्माण की अनुमति के लिए एक व्यक्ति से 1.50 लाख रुपये की रिश्वत मांगी और स्वीकार की।

चौधरी उमा देवी, टाउन प्लानिंग सुपरवाइजर, जीएचएमसी सर्कल 3 ए, एलबी नगर और लक्ष्मण यादव, सेक्शन राइटर (आउटसोर्सिंग), टाउन प्लानिंग सेक्शन ने बालापुर के गुर्रमगुडा गांव के एक निवासी से भवन निर्माण की अनुमति देने के लिए कथित तौर पर 1.50 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की।

एसीबी ने उस व्यक्ति के संपर्क करने और जीएचएमसी अधिकारियों के खिलाफ शिकायत करने के बाद मामला दर्ज किया। गुरुवार को एसीबी ने लक्ष्मण को रिश्वत की रकम लेते ही पकड़ लिया। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि लक्ष्मण ने कहा कि उसने यह रकम उमा देवी के निर्देश पर ली थी। उमा देवी और लक्ष्मण यादव को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जा रहा है।

दोहरे हत्याकांड में तीन लोगों को आजीवन कारावास की सजा

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक स्थानीय अदालत ने गुरुवार को पिछले साल इब्राहिमपटनम में सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड में शामिल तीन लोगों को दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई और उन पर जुर्माना लगाया। संपत्ति विवाद को लेकर पिछले साल 1 मार्च को रंगारेड्डी जिले के इब्राहिमपटनम में दो रियाल्टारों - अल्मासगुडा निवासी एन श्रीनिवास रेड्डी (40) और बीएन रेड्डी नगर निवासी कोमाटी रेड्डी राघवेंद्र रेड्डी (40) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

बाद में पुलिस ने चैतन्यपुरी के एक रियल्टार मेरेड्डी मत्तारेड्डी उर्फ अशोक रेड्डी उर्फ सथिरेड्डी (43), आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के एक वेल्डर मोहम्मद खाजा मोइनुद्दीन (34) और मेडक जिले के एक राजमिस्त्री बुरी बिक्षापति (32) और तीन अन्य व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। हत्या में कथित संलिप्तता के लिए सैयद रहीम, समीर अली और राजू खान। हालाँकि मट्टारेड्डी, खाजा और भिक्षापति को दोषी पाया गया और कारावास की सजा सुनाई गई, शेष तीन व्यक्तियों को अदालत ने बरी कर दिया। यह विवाद रंगारेड्डी जिले के इब्राहिमपटनम मंडल के चेरलापटेलगुडा गांव में स्थित लेक विला ऑर्चर्ड्स की भूमि से संबंधित है। पुलिस ने संदिग्धों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और भारतीय शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराएं लगाई थीं। सुनवाई के बाद कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया। तीनों दोषियों को सेंट्रल जेल चेरलापल्ली में स्थानांतरित कर दिया गया।

ट्रांसजेंडर को मेडिकल कॉलेज में मिला रोजगार का ऑफर

खम्मम, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वीपी गौतम ने कहा कि ट्रांसजेंडरों को रोजगार में समान अवसर प्रदान किए जाएंगे और समाज में उचित स्थान दिया जाएगा। जिले के गट्टूसिंगाराम गांव के एक ट्रांसजेंडर, जो वर्तमान में वाईएसआर कॉलोनी, बत्तुला श्रीवानी में रहते हैं, ने हाल ही में यहां सरकारी मेडिकल कॉलेज में रिक्त कार्यालय अधीनस्थ पद के लिए आवेदन किया था।

बाद में ट्रांसजेंडर ने कलेक्टर से संपर्क कर उचित रोजगार देने की अपील की। कलेक्टर ने श्रीवानी की याचिका पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और शैक्षिक योग्यता के आधार पर श्रीवानी को खम्मम मेडिकल कॉलेज में कार्यालय अधीनस्थ के रूप में नियुक्त किया।

श्री दधिमथी माता मंदिर

निमंत्रण

आपको सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि

ग्यारहवां वार्षिकोत्सव समारोह एवं नवरात्रि महोत्सव

का आयोजन किया जा रहा है। आपसे अनुरोध है कि इस अवसर पर आयोजित सभी कार्यक्रमों में आप सपरिवार एवं इष्ट मित्रों सहित पधारकर पुण्य के भागी बने एवं इस भव्य महोत्सव को सफल बनावें।

भजन संध्या

दिनांक 20-11-23 शुक्रवार रात 9.30 बजे से रात 1.00 बजे तक भजन गायक जगदीश व्यास और साथी कलाकार

21-10-23 श्याम 5.30 बजे से हवन रात 8.00 बजे तक

22-10-23 दोपहर 12.00 बजे हमा आरती

22-10-23 दोपहर 1.00 बजे महा प्रशादी शाम 4.00 बजे तक

कार्यक्रम शुभ स्थल :
न्यू शिवालयनगर, सुराराम, जीडीमेट्ला, हैदराबाद.

निवेदक :
समस्त कार्यकारिणी सदस्य

8801027708, 9440537887, 9393091666, 9908593015, 8309021962, 9391417766, 9390986039, 9346240319

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा

GB GOPAL BALDAWA GROUP

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 20 अक्टूबर - 2023

सही है समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार

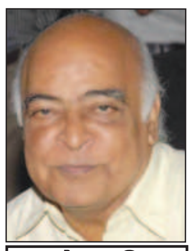

अशोक भाटिया

सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार करते हुए इसे संसद के जिम्मे कर दिया है हालांकि चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने ये जरूर कहा कि अपने साथी को चुनने का अधिकार सबको मिलना चाहिए, इसलिए सरकार समलैंगिक संबंधों को कानूनी दर्जा दे। इस फैसले के दौरान चीफ जस्टिस ने ये भी कहा कि स्पेशल मैरिज एक्ट को सिर्फ इसलिए असंवैधानिक नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि वह समलैंगिक विवाह को मान्यता नहीं देता है लेकिन समलैंगिकों को पार्टनर चुनने का पूरा हक और अधिकार है।सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने इसी साल मई महीने में इस मामले पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इन पांच जजों की पीठ में मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस एस रवींद्र भट्ट, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस हिमा कोहली शामिल हैं। समलैंगिक विवाह यानी सेम सेक्स मैरिज मामले की सुनवाई 18 अप्रैल से शुरू हुई थी और सुनवाई के पहले दिन ही कोर्ट ने ये साफ कर दिया था कि वे इसे पर्सनल लॉ के क्षेत्र में जाए बिना देखेंगे कि क्या साल 1954 के विशेष विवाह कानून के जरिए समलैंगिकों को शादी के अधिकार दिए जा सकते हैं। गौरतलब है कि भारत में भले ही समलैंगिक विवाह को लेकर बहस छिड़ी हो लेकिन अमेरिका सहित दुनिया के 32 देशों में इस तरह की शादी लीगल है।इन देशों में पहला नाम है नीदरलैंड का जहां 2000 में ही सेम सेक्स मैरिज पर कानून लाया गया था। इसके बाद साल 2003 बेल्जियम में, साल 2005 में कनाडा, इसी साल स्पेन, साल 2006 में साउथ अफ्रीका, 2008 में नार्वे, स्वीडन में 2009, अर्जेंटीना में 2010, पुर्तगाल में 2010, आइसलैंड में 2010, डेनमार्क में साल 2012, उरुग्वे में साल 2013, ब्राजील में 2012, न्यूजीलैंड में साल 2013, इंग्लैंड और वेल्स में 2013, फ्रांस में 2013, लक्जमबर्ग में 2014, स्कॉटलैंड में 2014, अमेरिका में 2015, आयरलैंड में 2015, फिनलैंड-2015, ग्रीनलैंड-2015, कोलंबिया-2016, माल्टा-2017, ऑस्ट्रेलिया-2017, जर्मनी-2017, ऑसट्रिया-2019 ताइवान-2019, इक्वाडोर-2019, नार्दन आयरलैंड-2019, कोस्टा रिका में साल 2020 में कानून लाया गया था। भारत में इस बहस की शुरुआत साल 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से हटाने का फैसला से हुई थी । इस फैसले के बाद लोगों ने समलैंगिक विवाह को कानूनी आधार देने की मांग उठानी शुरू कर दी। इस मांग को लेकर देश के अलग-अलग कोर्ट में लगभग 20 याचिकाएं दायर की गईं थी लेकिन हैदराबाद के रहने वाले गे कपल सुप्रिया चक्रवर्ती और अभय डांग की याचिका प्रमुख याचिकाओं में शामिल है।सुप्रिया चक्रवर्ती और अभय डांग दोनों ही पिछले 10 सालों से प्रेम-संबंध में हैं और इस रिश्ते को शादी के बंधन में तब्दील करने के लिए गे मैरिज को कानूनी मान्यता दिलाना चाहते हैं। इसी कपल ने साल साल 2022 में अपनी मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया और याचिका दर्ज करते हुए मांग की कि देश के LGBTQIA+ नागरिकों को भी अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी करने का अधिकार मिलना चाहिए।

दायर याचिका में स्पेशल मैरिज एक्ट और हिंदू मैरिज एक्ट के प्रावधानों को भी चुनौती दी गई है जिस पर केंद्र सरकार ने कहा कि यह मामला संसद के पाले में रहना चाहिए जबकि याचिकाकर्ता का कहना था कि यह मामला मौलिक अधिकार से जुड़ा हुआ है और ऐसे में सुप्रीम कोर्ट को मौलिक अधिकार को बचाना चाहिए। सुप्रिया चक्रवर्ती और अभय डांग के याचिका दायर करने के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को लेकर देश के अलग-अलग कोर्ट से जुड़ी याचिकाओं को एक साथ जोड़ते हुए स्थानांतरित कर लिया और केंद्र सरकार से 15 फरवरी 2023 इन सभी दायर याचिकाओं पर संयुक्त जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि 13 मार्च तक इन सभी याचिकाओं को सूचीबद्ध कर दिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ ने इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए इसे 'मौलिक मुद्दा' बताते हुए इसे पांच जजों की संविधान पीठ को भेजने की सिफारिश की जिसके बाद यह मामले मुख्य न्यायाधीश डॉ डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पांच जजों की संविधान पीठ के पास पहुंचा और इसी पीठ ने सुनवाई करते हुए अब ये ऐतिहासिक फैसला ले लिया है।समलैंगिकों के अधिकारों के लिए काम करने वाली एक संस्था की सह संस्थापक मीनाक्षी कहती हैं, ' एक LGBTQ+ समुदाय के लोगों को अपनी जिंदगी में कई तरह के कड़वे अनुभवों से गुजरना पड़ता है। इसकी शुरुआत उनके अपने घर से ही हो जाती है। उन्हें घर के अंदर ही अपनी पहचान को लेकर हिंसा और दुर्व्यवहार झेलना पड़ता है। 'सेफो फ़ार इक्ववेलिटी' समलैंगिकों के अधिकारों के लिए काम करने वाली एक संस्था की सह संस्थापक मीनाक्षी सान्याल की एक रिपोर्ट में बताया कि भारत में अगर विवाह के अधिकार हैं, तो ये सबके लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं पिछले 20 सालों से एक्टिविस्ट रही हूं और हमने बहुत कुछ अनुभव किया है। अब चाहे किसी का जेंडर और सेक्शुअल ओरिएंटेशन कुछ भी हो, हमें ये अधिकार मिलना चाहिए।''मीनाक्षी आगे कहती हैं, ' एक LGBTQ+ समुदाय के लोगों को अपनी जिंदगी में कई तरह के कड़वे अनुभवों से गुजरना पड़ता है। इसकी शुरुआत उनके अपने घर से ही हो जाती है।

उन्हें घर के अंदर ही अपनी पहचान को लेकर हिंसा और दुर्व्यवहार झेलना पड़ता है। ऐसे में अगर इस समुदाय के लोग विवाह करना चाहते हैं तो उन्हें ये हक मिलना ही चाहिए।' अदालत ने स्पेशल मैरिज एक्ट को खत्म करने पर कहा कि अगर स्पेशल मैरिज एक्ट को खत्म कर दिया जाता है तो यह देश को आजादी से पहले के युग में ले जाएगा। अगर कोर्ट दूसरा दृष्टिकोण अपनाते हुए स्पेशल मैरिज एक्ट में शब्द जोड़ती है तो यह संभवतः विधायिका की भूमिका होगी।सीजेआई ने कहा कि शादी के अधिकार में संशोधन का अधिकार विधायिका के पास है लेकिन एलजीबीटीक्यू प्लस लोगों के पास पार्टनर चुनने और साथ रहने का अधिकार है और सरकार को उन्हें दिए जाने वाले अधिकारों की पहचान करनी ही चाहिए, ताकि ये कपल एक साथ बिना परेशानी के रह सकें।

मानवता की हत्या

इजरायल पर हमास के हमले के बाद जिस तरह से छिडे युद्ध में आम लोगों की मौत हो रही है उसने युद्ध की तस्वीर और जटिल कर दी है। जिस तरह से गाजा पट्टी के अस्पताल में हमले कर लगभग पांच सौ लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया, वह समूची दुनिया के लिए चिंता का विषय बन गया है। विडंबना यह है कि युद्ध में शामिल सभी पक्ष दावा तो यही करते हैं कि वे इंसानियत को बचाने के लिए दुश्मन से लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन इस हकीकत से भला कौन इनकार कर सकता है कि किसी भी पक्ष के हमले में आम लोग मरते हैं और सबसे ज्यादा नुकसान मानवता का ही होता है। मंगलवार को जिस तरह से गाजा पट्टी के एक अस्पताल पर हमला कर उसे तबाह किया गया, उसकी आशंका किसी को नहीं थी। जाहिर है अस्पतालों को युद्ध के सबसे विकट समय में भी सबसे सुरक्षित जगह माना जाता है। बता दें कि गाजा सिटी के अल-अहली अरब बैप्टिस्ट अस्पताल पर राकेट से हुए हमले में कम से कम पांच सौ लोगों के मारे जाने की खबर है। बहरहाल, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह हमला किसने किया, लेकिन जब इस मामले ने तूल पकड़ लिया, तब इजरायल ने इसमें अपना हाथ होने से साफ इनकार कर दिया। उलटे उसने इसके लिए गाजा पट्टी में छिप कर वार कर रहे हमास को जिम्मेदार ठहराया है। इससे पहले हमास और फिलिस्तीनी प्रशासन ने इस हमले का सीधा आरोप इजराइल पर लगाया था। ऐस में सवाल लाजमी है कि गाजा पट्टी में अस्पताल पर हुए हमले में पांच सौ से ज्यादा लोगों को क्यों मार डाला गया? आखिर उनका क्या दोष था? यह सवाल किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को परेशान कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मारे गए लोगों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि इस हमले में शामिल लोगों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। सबसे बडी त्रासदी यह है कि इजराइल और हमास के ताजा टकराव में दोनों पक्षों के हमले में आमतौर पर निर्दोष लोग ही मारे जा रहे हैं। बिडंबना है कि इसके बाद भी कोई भी पक्ष इसकी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार नहीं है। अब तक इस जंग में लगभग पांच हजार लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन गाजा सिटी में अस्पताल पर हुए हमले ने सबको यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर युद्ध में शामिल सभी पक्षों का मकसद क्या है? इस हमले के बाद ये सवाल भी उठने लगे हैं कि क्या इसे युद्ध अपराधों की श्रेणी में रखा जाएगा! देखा जाए तो युद्ध अपराध एक संगीन आरोप है और ऐसे मामलों में अंतरराष्ट्रीय कानून सब पर लागू होता है। हालांकि इसकी जांच करना और वास्तविक अपराधियों को सजा दिलाना जटिल काम है, फिर भी गाजा पट्टी में अस्पताल पर हमले के लिए जिसे भी जिम्मेदार माना जाएगा, उस पर अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत युद्ध अपराध का आरोप लगाया जा सकता है। इजरायल पर हमास के हमले के बाद जारी युद्ध में दोनों पक्षों पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों को ताक पर रखने के आरोप लगे हैं। संयुक्त राष्ट्र भी इसकी जांच कर रहा है। छोटे विवाद से लेकर बड़े स्तर पर जंग की स्थिति में जेनेवा सम्मेलन के तहत न केवल अपने पक्ष के, बल्कि विरोधी सेनाओं के बीमारों, घायलों और कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार और उनके इलाज का नियम बनाया गया है। मगर इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध में आम लोगों पर हमले से लेकर गाजा पट्टी में एक बड़ा इलाका खाली कराने, जीवन से संबंधित जरूरी चीजों को बाधित करने जैसी जो घटनाएं हो रही हैं, वे यही बताती हैं कि सभ्य होने का दावा करती दुनिया में भी युद्ध के दौरान नियम-कायदों का ध्यान रखना शायद अब किसी के लिए जरूरी नहीं रह गया है। इस लापरवाही की कीमत निर्दोष लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है।

दिखावा' तेजी से फैलता एक सामाजिक रोग

डॉ सत्यवान सौरभ

किसी भी चीज का दिखावा करने की आपको कोई जरूरत नहीं है क्योंकि इससे क्षणिक फायदा मिलता है। हमें कुछ भी काम करना है वह दूर दृष्टि को ध्यान में रखते हुए करना है। अपनी क्षमताओं को बढ़ाइए और यह सब पॉसिबल होगा जब आप अच्छी बातों को अपने जीवन में धार लेंगे। यह आप जीवन के किसी भी पड़ाव पर कर सकते हैं तो फिर दिखावे की क्या जरूरत है? इंसान को केवल अपना मानसिक संतुलन बराबर रखते हुए आत्मविश्वास की चरम प्रकाष्ठा पर पहुंचना होगा। इसमें पहुंचने का सबसे आसान तरीका है कि वह अपने को सादा जीवन और उच्च विचार वाली कहावत पर चरितार्थ करें। हमें जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए बहुत कुछ अपने अंदर बदलाव करने होंगे वह सब आसानी से कर सकते हैं सिर्फ सोच को सकारात्मक बना ले। आज का युग आधुनिक युग है, जहां हर क्षेत्र में विकास देखने को मिलता है। पूरी दुनिया पर आधुनिकता का भूत सवार हो चुका है। आधुनिकता का सीधा संबंध विकास से दिखाई देता है। उद्योग से लेकर प्रयोग तक यह संसार बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। पीछे मुड़कर देखना नहीं चाहते हैं हम इस विकास की दौड़ में हम मानवता को भूल चुके हैं। हम एक बार भी पीछे मुड़कर देखना भी नहीं चाहते हैं, जो एक बड़ी भूल साबित हो सकती है। कहते हैं कि इतिहास अपने आप को दोहराता है, जो हमें समय-समय पर देखने को भी मिलता है। इतना होने के बावजूद हम कुछ सीखने के मूड में नहीं हैं। आज के दौर में आनलाइन प्लेटफार्म पर निजी जीवन का अनावश्यक दिखावा इस कदर बढ़ गया है कि हम जो खाएं, पीएं, घूमने जाएं, उसे आनलाइन प्लेटफार्म पर डालना जैसे हमारी ड्यूटी में शामिल हो गया है। नई चीज खरीदते हैं तो उसे फेसबुक पर अपलोड करना नहीं भूलते। परिवार के साथ छुट्टियां बिताने के दौरान खींची निजी तस्वीरों को भी लोग साझा करने से नहीं चूकते। जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ेगी, आपके आचार, विचार और व्यवहार में गंभीरता आएगी।

तब कभी आप सोचेंगे कि अगर मैं 300 रुपए की घड़ी पहनूं या 30000 की, दोनों समय एक जैसा ही बताएंगी। मैं 300 गज के मकान में रहूं या 3000 गज के मकान में, तन्हाई का एहसास एक जैसा ही होगा। सोने के लिए एक बेड ही पर्याप्त होगा। फिर आपको ये भी लगेगा कि यदि मैं बिजनेस क्लास में यात्रा करूं या इक्नामी क्लास में, अपनी मंजिल पर उसी नियत समय पर ही पहुँचूँगा। या फिर रेलवे के स्लीपर क्लास में यात्रा करो या एसी में, ट्रेन एक ही समय में दोनों को पहुंचाएगी। इसलिए अपनी आवश्यकताओं पर ध्यान देना चाहिए न कि व्यर्थ के दिखावे पर फोकस करना चाहिए। आजकल केवल रहन-सहन में ही नहीं, बल्कि रिश्तों के मामले में भी लोग नकली व्यवहार करने लगे हैं। यहां तक कि प्यार जैसी कोमल और सच्ची भावना में भी अब दिखावे की मिलावट हो रही है। आज की युवा पीढ़ी में रिश्तों के प्रति पहले जैसी ईमानदारी नज़र नहीं आती। लोग मन ही मन दूसरों के बारे में बुरा सोचते हैं, पर उनके सामने अच्छा बने रहने का ढोंग करते हैं। झूठ की बुनियाद पर टिके ऐसे रिश्ते नकली और खोखले होते हैं, इसीलिए वे जल्द ही टूट भी जाते हैं। हमें अपने बच्चों को बहुत ज्यादा अमीर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के बजाए बहुत ज्यादा खुश कैसे रहना चाहिए ये सिखाना चाहिए। हमें भौतिक वस्तुओं के महत्व को देखना चाहिए उसकी कीमत को नहीं। दिखावे की जिंदगी से हमें बाहर आना होगा। आने वाली पीढ़ी को बताना होगा कि उनका यह समय पठन-पाठन व ज्ञानअर्जन का है। ऐसे में जरूरी है कि हम फेसबुक, वाट्सएप पर सिर्फ अपने काम की बातों से ही सरोकार रखें। वाट्सएप पर रिश्ते बनते हैं पर बिगड़ते भी हैं। गलतफहमियां होती हैं। अंततः रिश्ते बिखरते देर नहीं लगती। बच्चों को अभिभावक जितना समय देंगे, बच्चे उतने ही संस्कारवान बनेंगे। एकल परिवार की विभीषिका झेलने पर मजबूर बच्चे एकाकीपन का समाधान मोबाइल पर ढूंढने लगते हैं। संवादहीनता से बचाव, बच्चों की बातों को सुनना व उनकी दिनचर्या का भाग होना ही उन्हें आपके प्रति आकर्षित करेगा। हमें यह जानना होगा कि अगर समाज में दिखावे की प्रवृत्ति बढ़ रही है तो इसकी वजह क्या है? आज लोगों को पहले की तुलना में पैसे कमाने के ज्यादा विकल्प मिल रहे हैं। पहले लोग अपनी सीमित आमदनी में भी संतुष्ट रहना जानते थे। अब वे सोचते हैं कि हमारे पास और क्या होना चाहिए, जिससे समाज में हमारा स्टेटस ऊंचा नज़र आए। काफी हद तक ईएमआइ की सुविधाओं ने भी लोगों में दिखावे की इस आदत को बढ़ावा दिया है। दूसरे के पास कोई भी नई या महंगी चीज देखकर लोगों के मन में लालच की भावना जाग जाती है।

फेसबुक और ट्विटर जैसी सोशल साइट्स की वजह से भी युवाओं में दिखावे की प्रवृत्ति बढ़ रही है। रिलेशनशिप को भी सोशल साइट्स पर दूसरों को दिखाने के लिए ही अपडेट किया जा रहा है। हम अपनी सभी गतिविधियों को वहां साझा करके चर्चा में बने रहना चाहते हैं। अब लोग रिश्तों के मामले में भी दिखावा करने लगे हैं। जीवन में अब पहले जैसी सहजता नहीं रही। इसी समाज का हिस्सा होने के कारण जाने-अनजाने हम सब इससे प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए हमें सचेत ढंग से ऐसी आदत से बचने की कोशिश करनी चाहिए।

निठारी काण्डः सीबीआई पर फिर उठे सवाल

रजनीश कपूर

जब भी कभी कोई न सुलझने वाला अपराध होता है तो मामला देश की सर्वोच्च जाँच एजेंसी, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया जाता है। इसी उम्मीद से कि यह एजेंसी देश की सबसे काबिल और श्रेष्ठ जाँच एजेंसी है। परंतु क्या सीबीआई में कार्य करने वाले अधिकारी हर अपराध की तह तक आसानी से पहुँच पाते हैं? क्या इन जाँच अधिकारियों को अपराध के सभी प्रमाण व अन्य जानकारियाँ आसानी से मिल जाती है? क्या अपराध के सीन पर सबसे पहले पहुँची स्थानीय पुलिस अपना काम पूरी तत्पर्ता से करती है और क्राइम सीन पर किसी भी तरह के सुबूत को मिटाती नहीं है? क्या दोषी को सज़ा दिलवाने के लिए पुलिस और सीबीआई एक ठोस केस बना पाते हैं जो अदालत में टिका रहे और आरोपी को सज़ा मिल जाए? अफ़सोस की बात है कि ऐसे सवालों का जवाब प्रायः हमें 'नहीं' में मिलता है। ऐसे अनेकों उदाहरण मिल जाएँगे जहां अपराध के कई चर्चित मामलों सीबीआई को कोर्ट के आगे शर्मिंदा होना पड़ा और सुबूतों की कमी के कारण आरोपी आसानी से छूट गए। पिछले दिनों इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 2006 के चर्चित निठारी हत्या कांड के दोनों आरोपियों को बरी कर दिया। जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा और जस्टिस एसएएच रिजवी की खंडपीठ ने कहा कि, “निठारी हत्याकांड की जांच करने में अभियोजन पक्ष की विफलता, जांच एजेंसियों द्वारा जनता के भरोसे के साथ विश्वासघात से कम नहीं है।” परंतु इस निर्मम हत्या कांड में जिन बच्चों ने अपनी जान गँवाई उनके माता-पिता के मन में यह सवाल उठना वाजिब है कि अगर निठारी कांड के आरोपी मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली बेक़सूर हैं तो इतनी सारी हत्याएँ किसने की? वहीं दूसरी तरफ़ यह भी सवाल उठ रहे हैं कि यदि ये दोनों आरोपी निर्दोष थे तो निचली अदालत ने इन्हें किस आधार पर फाँसी की सज़ा सुनाई? क्या निचली अदालत से कोई त्रुटि हुई या हाई कोर्ट में जाँच एजेंसियों ने सभी तथ्यों को मज़बूती से पेश नहीं किया? ग़ौरतलब है कि 2006 के इस हत्या कांड की जाँच को सीबीआई ने 11 जनवरी 2007 को अपने हाथ में लिया था। 26 जुलाई 2007 को सीबीआई ने अदालत में चार्जशीट पेश की। इस मामले की सुनवाई सीबीआई कोर्ट में 305 दिन तक चली। सुनवाई के दौरान कुल 38 गवाह पेश किए गए। शायद निचली अदालत को इस मामले में पर्याप्त सुबूत और गवाह मिले होंगे तभी इन आरोपियों को फाँसी की सज़ा सुनाई गई। परंतु जैसा अधिकतर मामलों में होता आया है, जैसे ही यह मामला हाई कोर्ट पहुँचा, सीबीआई की जाँच संतोषजनक नहीं पाई गई। पाठकों को याद होगा कि जाँच के दौरान दोनों आरोपियों ने अपने-अपने जुर्म क़ुबूले भी थे। तमाम सबूतों के आधार पर आरोपियों को फाँसी कि सज़ा सुनाई गई थी। परंतु हाई कोर्ट ने इन सब तथ्यों को काफ़ी नहीं माना और आरोपियों की रिहाई के आदेश दे दिये। हाई कोर्ट के फ़ैसले के विरुद्ध सीबीआई सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा कब खटखटाएगी यह तो आने वाला समय ही बताएगा। परंतु यदि हाई कोर्ट ने सीबीआई की जाँच में कमियाँ पाईं हैं तो इसका मतलब स्पष्ट है कि सीबीआई जैसी श्रेष्ठ जाँच एजेंसी ने अपना काम पूरी तत्पर्ता से नहीं किया। यदि किया होता तो आज ऐसी नौबत नहीं आती। क्या सीबीआई ने जानबूझकर अपनी जाँच में कुछ ऐसी कमियाँ छोड़ी जिससे कि आरोपियों की रिहाई का रास्ता साफ़ हो सके? यदि कोई ऐसा सोचे कि क्या निचली अदालत ने जनता व मीडिया के दबाव में आरोपियों को सज़ा सुनाई, तो यह सही नहीं होगा।

यदि आरोपी मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली निर्दोष थे तो उनके नोएडा स्थित मकान में इस अपराध के कई अहम सुबूत कैसे मिले? जब दोनों आरोपी अपने कुबूलिया बयान में इस निर्मम हत्या कांड को अंजाम देने की बात स्वीकार चुके हैं तो फिर निचली अदालत का फ़ैसला ग़लत कैसे हुआ? यह सवाल उठता है कि क्या सीबीआई को इस जाँच में ढुलमुल रवैया अपनाने को 'ऊपर से आदेश' मिले थे? मामला किसी बड़े घोटाले की जाँच का हो, निठारी, आरुषि या मधुमिता शुक्ला जैसे चर्चित हत्या कांड की जाँच का हो, इन मामलों की जाँच कर रही सीबीआई का ढीला और सुस्त रवैया ही अपराधियों को रिहा होने का मौक़ा देता है। अगर सही वक्त पर पुलिस, सीबीआई व अन्य एजेंसियों द्वारा कड़ी कार्यवाही की जाती है तो ऐसा नहीं होता। जब भी कभी ऐसे अपराधों के हर पहलू की सही जाँच होती है तो पीड़ितों के परिजनों और जनता के बीच यह संदेश जाता है कि जाँच एजेंसियाँ अपना काम स्वायत्तता और निष्पक्ष रूप से कर रहीं हैं। देश की शीर्ष जाँच एजेंसियों का सिद्धांत यह होना चाहिये कि जघन्य अपराधों के किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। फिर वो चाहे किसी भी विचारधारा या राजनैतिक पार्टी का समर्थक ही क्यों न हो। परंतु हमारे देश में ऐसा कब और कैसे होगा यह तो देखने वाली बात है।

रावण बोला अबकी दशहरे पर नहीं मरूंगा

प्रभुनाथ शुक्ल

सोटागुरु का खैनी बनाने का अंदाज ही जुदा है। उनकी अदा पर लाखों फ़िदा हैं। सोटागुरु के खैनी बनाने का अंदाज उस समय बेइंतहा हो जाता है जब सिर पर पगड़ी बधी हो और मूछे नागिन डांस करती हों। उनकी खैनीवाली अदा के लाखों दीवाने हैं। सोटागुरु कहते हैं 'अस्सी चुटकी नब्बे ताल, तब देखो खैनी की चाल।' चौपाल पर सोटागुरु का खैनीडांस जब होता है तो कितने युवा मस्ती में खुद को खो बैठते हैं। वह जमींन पर होते हुए भी क्रूज की सैर कर आते हैं। सोटागुरु को देश दुनिया की अच्छी जानकारी है। बस, उन्हें कोई छेड़ दे तो बात बन जाए। खबरीलाल ने सोटागुरु को एक गंभीर खबर सुना कर आखिर छेड़ ही दिया। खबर सुनते ही सोटागुरु के चेहरे पर हवाईयां उड़ने लगीं। वह धर्मसंकट में पड़ गए। उनके माथे पर चिंता की लकीरें साफ दिखने लगीं। उन्होंने स्पष्टीकरण मांगते हुए इस खबर की अंतिम पुष्टि की इच्छा से पूछा। खबरीलाल क्या तुम सच कहत हौ। जी बिल्कुल! सोटागुरु, पक्की खबर है। अबकी दशहरे पर रावण ने हड़ताल कर दिया है। उसने प्रभु श्रीराम को व्हाट्सेप, मैसेंजर, इंस्टाग्राम, फेसबुक और मेल के जरिए संदेश भेज दिया है कि अबकी दशहरे पर वह नहीं मरेगा। रावण ने लंका में इंटरनेशनल मीडिया की प्रेस बीफ भी बुलाकर अपनी इच्छा जाहिर कर दी है। दुनिया भर में यह खबर जंगल की आग की तरह फैल गयी है। इस पर इहलोक और परलोक में डिबेट छिड़ गयीं है। रामजी को भेजे संदेश में रावण ने साफ कहा है कि त्रेता से लेकर हम मरते-मरते कलयुग तक आ पहुंचे। पांच हजार साल से कलयुग में भी मरते आ रहे हैं। लेकिन हमने अब मुफ्त में मरने का इरादा छोड़ दिया है। रावण ने कहा है-कितनी बार मैं मरूंगा? युगों-युगों तक मरने का ठेका क्या हमी ने ले रखा है। पूरे देवलोक में इस खबर से खलबली मच गयीं है। जबकि इससे भी बड़ी आश्चर्य की बात तो यह है कि रामजी ने रावण की हड़ताल को जायज बताया है।उन्होंने कहा है कि रावण की हड़ताल बिल्कुल जायज और लोकतांत्रिक है। प्रभु की इस लोकतांत्रिक इच्छा से विष्णुलोक में खलबली मच गयीं है। जबकि रावण की लंका में इसे श्रीराम का समदर्शी न्याय बताते हुए मुक्त कंठ से प्रशंसा हो रही है।खबरीलाल ने सोटागुरु को बताया कि देवलोक की मीडिया इस खबर को युगान्तकारी बताते हुए ब्रेकिंग चला रहीं है। सभी चैनल इस पर डिबेट कर रहे हैं। देव और दैत्यलोक के विश्लेषक अपने-अपने तरीके से इस पर डिबेट कर रहे है कि भविष्य में इसका क्या असर होगा। मीडिया में रामजी ने रावण के हड़ताल का समर्थन क्यों किया इसकी वजह तलाशी जा रहीं है। देवलोक चाहता है कि प्रभु श्रीराम इसका स्पष्टीकरण दें। जबकि रावण की लंका में इस पर खूब जश्न मनाया जा रहा है, लेकिन विभीषण परेशान हैं। आखिर यह सब हुआ कैसे। सोटागुरु ने कहा निशानेबाज तुमने यह खबर सुना कर त्यौहार का मजा किरकिरा कर दिया। हमने सोचा था कि दशहरा करीब है और कोरोना चरसी नींद में है। अबकी सबकुछ अच्छे से मनेगा। लेकिन रावण ने तो होलियाना मूड में भांग पीकर फैसला सुना दिया। त्यौहारी और चुनावी मौसम में सोचा था कुछ खैरात का सरकारी गिफत मिल जाएगा। लेकिन भिया, रावण को क्या बोले वह तो रावण ठहरा। सोटागुरु, रावण कह रहा था कि डीजल, पेट्रोल और राई का तेल महंगा हो गया है।

चुनावी मंथन

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आज के समय में न चुनाव होने में देर लगती है और न परिणाम आने में। देर-अंधेर सब तो गरीबों के भाग्य में होता है। हारने के बाद हार का ठीकरा सामने आता है। हार जितनी बड़ी होती है ठीकरा भी उतना बड़ा होता है। परंपरा ये है कि जितनी जल्दी हो किसी के सिर पर ठीकरे को फोड़ देना जरूरी है। आदर्श राजनीति में चाकू पीठ में ही घोंपा जाता है, उसी तरह ठीकरा सिर के अलावा और कहीं नहीं फोड़ा जा सकता है। ठीकरा कोई तिजोरी में रखने की चीज नहीं है, न ही पार्टी कार्यालय में मोमेंटो यानी स्मृति चिन्ह की तरह सजाया जा सकता है। लेकिन दिक्कत यह है कि ठीकरा चाहे जहां फोड़ा भी नहीं जा सकता है। उसके लिए बाकायदा एक सिर लगता है, यानी एक बाजिब सिर। ये नहीं कि किसी रास्ते चलते को पकड़ लिया और उसके सिर पर फोड़ दिया दन्न से। पुराने जमाने में अध्यक्ष के सर को यह सम्मान दिया जाता था, जिस पर नारियल से ले कर ठीकरा तक, सब कुछ फोड़ा जा सकता था। लेकिन हाल के बरसों में कुछ गलतफहमियों ने जड़े जमा लीं। अध्यक्ष के गले में पड़ने वाली मालाओं का ध्यान रहा, ठीकरों को भूल गए। अगर दूरदृष्टि से जोखिम का ध्यान रखा होता तो न सही अध्यक्ष, कम से कम उपाध्यक्ष तो किसी शोषित-पीड़ित बेनाम कार्यकर्ता को बनाया होता तो आज आराम से काम आ गया होता। जिसने दस साल से अपने सिर पर सब कुछ लिया, अगर उसी को जरा सा श्रेय देते तो वह ठीकरे भी अपने सिर पर फुड़वा लेता। अब क्या हो सकता है, गलती हो गई। ठीकरे हर राज्य से थोक में चले आ रहे हैं। पार्टी कार्यालय का पिछवाड़ा गोदाम की तरह ठीकरों से भर गया है। जो अपनी गरदन तक भेजने का दावा कर रहे थे अब ठीकरे भेज रहे हैं। इधर जिन्होंने सारी शक्तियां एक जगह केन्द्रित करके रखी हुई थी उन्हें समझ में नहीं आ रहा है कि ठीकरों का विकेन्द्रीकरण कैसे हो! लेकिन अब कुछ हो नहीं सकता। ठीकरे मुंडेर पर उगे पीपल की तरह रोज बढ़ते जा रहे हैं। समस्या ये है कि यदि समय रहते इन्हें किसी सिर पर नहीं फोड़ा गया तो ये ईंट ईंट बिखेर देंगे।पार्टी के कुछ उपेक्षित जनों ने विज्ञापननुमा बयान दिये हैं कि वे ठीकरे फुड़वाने के लिए अपना सिर प्रस्तुत करते हैं। लेकिन ठीकरों की तुलना में उनके सिर बहुत छोटे हैं। अगर फोड़ने की कोशिश की गई तो सिर के मुआवजे उपर से गले पड़ जाएगें। फिर इसमें त्याग और बलिदान की बू आ रही है। वे जानते हैं कि इस वक्त कोई ठीकरे फुड़वा लेगा तो कल उसके गले में उन्हें खुद माला डालना पड़ेगी, इज्जत का एक आसन देना पड़ेगा, बावजूद इसके क्या गैरंटी कि कल वंश परंपरा के दावों को भी वह स्वीकार कर लेगा।कहने को पार्टी में जगह जगह हार के कारणों पर चिंतन बैठक चल रही है। किन्तु वास्तव में उनकी चिंता उपयुक्त सिर की तलाश है। बच्चों को जोखिम में नहीं डाल सकते, उन्होंने तो अभी अभी सिर उठाना सीखा है। अभी तो उन्हें ठीकरों का मतलब भी मालूम नहीं है। यह भी नहीं पता कि वे फूटते कैसे हैं। पता चलेगा तो शायद वे राजनीति से दूर ही रहना चाहें। अगर कहीं ऐसा हो गया तो भी दिक्कत होगी।

पार्टी जिन्हें अपना चाणक्य कहती आई है, उन्हें बुलाया गया। पूछा कि – “आप ही रास्ता बताइये .... कि ठीकरे भी फूट जाएं और शीर्षस्थ सिर भी बच जाएं।“बहुत विचार के बाद वे बोले – “हमें इतिहास में से कोई सिर ढूंढ़ना चाहिए। हमारा इतिहास महत्वपूर्ण सिरों से भरा पड़ा है। ठीकरों की तुलना में ये सिर बड़े भी हैं। समय समय पर हमने उन्हें श्रेय दिया है, उनके माथे पर पगड़ी बांधी है, गले में माला पहनाई है। आज समय आया है कि वे बुरे वक्त में पार्टी के काम आएं। “

आलमपुर भूदेवी मंदिर की सुंदरता मन मोह लेती है

जब भारत की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत की खोज की बात आती है, तो तेलंगाना का आलमपुर एक ऐसा स्थान है जो सबसे अलग दिखता है। तुंगभद्रा नदी के तट पर बसा यह अनोखा शहर कई प्राचीन मंदिरों का घर है, जिनमें आलमपुर भूदेवी मंदिर प्रमुख है। आइए आलमपुर भूदेवी मंदिर की भव्यता और भारत के आध्यात्मिक परिदृश्य में इसके महत्व को उजागर करने के लिए एक यात्रा शुरू करें।

आलमपुर की खोज

आलमपुर एक ऐतिहासिक शहर है जो छठी शताब्दी का है और अपने वास्तुशिल्प चमत्कारों और धार्मिक पवित्रता के लिए प्रसिद्ध है। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद से लगभग 200 किलोमीटर दूर स्थित आलमपुर को इसके धार्मिक महत्व के कारण अक्सर 'दक्षिण काशी' कहा जाता है। यह शहर अपने खूबसूरत मंदिरों के लिए जाना जाता है जो भारतीय कला और वास्तुकला की भव्यता को दर्शाते हैं।

आलमपुर भूदेवी मंदिर
एक दिव्य निवास

आलमपुर भूदेवी मंदिर, देवी भूदेवी को समर्पित, आलमपुर में सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों में से एक है। यह चालुक्य वास्तुकला का एक प्रमुख उदाहरण है, जो जटिल नक्काशी और उत्कृष्ट शिल्प कौशल की विशेषता है। यह मंदिर एक दिव्य निवास है जो तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को समान रूप से सांत्वना प्रदान करता है।

देवी भूदेवीः पृथ्वी देवी

देवी भूदेवी को पृथ्वी की देवी माना जाता है और उर्वरता और प्रचुरता प्रदान करने वाली के रूप में पूजनीय हैं। भक्त कृषि समृद्धि और कल्याण के लिए आशीर्वाद लेने के लिए आलमपुर भूदेवी मंदिर जाते हैं।

स्थापत्य भव्यता

यह मंदिर चालुक्य वास्तुकला का एक बेहतरीन नमूना है, जिसमें द्रविड़ और नागर शैलियों का अनूठा मिश्रण है। मंदिर की दीवारों पर जटिल नक्काशी पौराणिक कथाओं और इतिहास की कहानियां बताती है, जो इसे कला प्रेमियों और इतिहास प्रेमियों के लिए एक दृश्य उपहार बनाती है।

आलमपुर भूदेवी मंदिर का महत्व
कृषि समृद्धि

तेलंगाना और पड़ोसी राज्यों से किसान और कृषक समुदाय भरपूर फसल और कृषि समृद्धि के लिए देवी का आशीर्वाद लेने के लिए आलमपुर भूदेवी मंदिर में आते हैं। इसे खेती के मौसम की शुभ शुरुआत माना जाता है।

आध्यात्मिक कायाकल्प

मंदिर का शांत वातावरण आगंतुकों को आध्यात्मिक ताजगी प्रदान करता है। यह प्रकृति की गोद में आराम करने, ध्यान करने और परमात्मा से जुड़ने का स्थान है।

ऐतिहासिक धरोहर

अपने आध्यात्मिक महत्व के अलावा, यह मंदिर एक ऐतिहासिक स्मारक के रूप में भी खड़ा है जो चालुक्य राजवंश के गौरवशाली अतीत और उनकी वास्तुकला कौशल को दर्शाता है।

आलमपुर की खोजः मंदिर से परे

जबकि आलमपुर भूदेवी मंदिर निस्संदेह आलमपुर का मुख्य आकर्षण है, इस आकर्षक शहर में देखने के लिए और भी बहुत कुछ है।

आलमपुर में अन्य मंदिर

जोगुलम्बा मंदिर, नवब्रह्म मंदिर और संगमेश्वर मंदिर जैसे कई अन्य प्राचीन मंदिरों की उपस्थिति के कारण आलमपुर को अक्सर ₹मंदिरों का शहर₹ कहा जाता है। इनमें से प्रत्येक मंदिर का अपना अनूठा महत्व और स्थापत्य सौंदर्य है।

तुंगभद्रा नदी

आलमपुर से बहती तुंगभद्रा नदी एक मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करती है। पर्यटक नदी के किनारे इत्मीनान से सैर कर सकते हैं और आसपास की शांति का आनंद ले सकते हैं।

हेरिटेज वॉक

आलमपुर अपने समृद्ध इतिहास और वास्तुकला की खोज में रुचि रखने वालों के लिए हेरिटेज वॉक की सुविधा प्रदान करता है। ये निर्देशित पर्यटन शहर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

आलमपुर कैसे पहुँचें?

आलमपुर सड़क मार्ग से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है और हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य प्रमुख शहरों से पहुंचा जा सकता है। निकटतम रेलवे स्टेशन कुरनूल है, जो लगभग 27 किलोमीटर दूर है। निकटतम हवाई अड्डा हैदराबाद में राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है।

अपनी यात्रा की योजना बनाएं

यदि आप आलमपुर भूदेवी मंदिर की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो सलाह दी जाती है कि आप मंदिर के खुलने के समय और आपकी यात्रा के दौरान होने वाले किसी विशेष कार्यक्रम या त्यौहार की जांच कर लें। आलमपुर भूदेवी मंदिर, अपने ऐतिहासिक महत्व और स्थापत्य प्रतिभा के साथ, न केवल एक पूजा स्थल है, बल्कि भारत की समृद्ध विरासत का प्रतीक भी है। यह उस आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संपदा के प्रमाण के रूप में खड़ा है जिसे भारत ने सदियों से पोषित किया है। इसलिए, यदि आप इतिहास, आध्यात्मिकता और प्राकृतिक सुंदरता के अनूठे मिश्रण की तलाश में हैं, तो तेलंगाना में आलमपुर अवश्य जाना चाहिए।

तुलजा भवानी मंदिर उस्मानाबाद

महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में स्थित है तुलजापुर। एक ऐसा स्थान जहाँ छत्रपति शिवाजी की कुलदेवी माँ तुलजा भवानी स्थापित हैं, जो आज भी महाराष्ट्र व अन्य राज्यों के कई निवासियों की कुलदेवी के रूप में प्रचलित हैं।

मंदिर की स्थिति- यह मंदिर महाराष्ट्र के प्राचीन दंडकारण्य वनक्षेत्र में स्थित यमुनांचल पर्वत पर स्थित है। ऐसी जनश्रुति है कि इसमें स्थित तुलजा भवानी माता की मूर्ति स्वयंभू है। इस मूर्ति की एक और खास बात यह है कि यह मंदिर में स्थायी रूप से स्थापित न होकर 'चलायमान' है। साल में तीन बार इस प्रतिमा के साथ प्रभु महादेव, श्रीयंत्र तथा खंडरदेव की भी प्रदक्षिणापथ पर परिक्रमा करवाई जाती है।

तुलजा भवानी का मंदिर स्थापत्य- इस मंदिर का स्थापत्य मूल रूप से हेमदपंथी शैली से प्रभावित है। इसमें प्रवेश करते ही दो विशालकाय महाद्वार नजर आते हैं। इनके बाद सबसे पहले कल्लोल तीर्थ स्थित है, जिसमें 108 तीर्थों के पवित्र जल का सम्मिश्रण है। इसमें उतरने के पश्चात थोड़ी ही दूरी पर गोमुख तीर्थ स्थित है, जहाँ जल तीव्र प्रवाह के साथ बहता है। तत्पश्चात सिद्धिविनायक भगवान का मंदिर स्थापित है। मान्यता के अनुसार तीर्थों में स्नान के पश्चात सर्वप्रथम सिद्धिविनायक का दर्शन करना चाहिए। तत्पश्चात एक सुसज्जित द्वार में प्रवेश करने के पश्चात मुख्य कक्ष (गर्भ गृह) में माता की स्वयंभू प्रतिमा स्थापित है। गर्भगृह के पास ही एक चाँदी का पलंग स्थित है, जो माता की निद्रा के लिए हैं। इस पलंग के उलटी तरफ शिवलिंग स्थापित है, जिसे दूर से देखने पर ऐसा प्रतीत होता है कि माँ भवानी व शिव शंकर आमने-सामने बैठे हैं।

यहाँ पर स्थित चाँदी के छल्ले वाले स्तंभों के विषय में माना जाता है कि यदि आपके शरीर के किसी भी भाग में दर्द है, तो सात दिन लगातार इस छल्ले को छूने से वह दर्द समाप्त हो जाता है।

मान्यता- इस मंदिर से जुड़ी एक जनश्रुति यह भी है कि यहाँ पर एक ऐसा चमत्कारिक (चिंतामणि नामक) पत्थर विद्यमान है, जिसके विषय में यह माना जाता है कि यह आपके सभी प्रश्नों का उत्तर सांकेतिक रूप में 'हाँ' या 'नहीं' में देता है। यदि आपके प्रश्न का उत्तर 'हाँ' है तो यह आपके दाहिनी ओर मुड़ जाता है और अगर 'नहीं' है तो यह बायीं दिशा में मुड़ जाता है। माना जाता है कि छत्रपति शिवाजी किसी भी युद्ध से पहले चिंतामणि के पास अपने प्रश्नों के समाधान करने आते थे।

माता की मूर्ति-शालीग्राम पत्थर से निर्मित यह मूर्ति वस्तुतः स्वयंभू मूर्ति मानी जाती है। इस मूर्ति के आठ हाथ हैं, जिनमें से एक हाथ से उन्होंने दैत्य के बाल पकड़े हैं तथा दूसरे हाथों से वे दैत्य पर त्रिशूल से वार कर रही हैं।

ऐसा प्रतीत होता है कि माता महिषासुर राक्षस का वध कर रही हैं। माता की दाहिनी ओर उनका वाहन सिंह स्थापित है। इस प्रतिमा के समीप ऋषि मार्कंडेय की प्रतिमा स्थापित है, जो पुराण पढ़ने की मुद्रा में है। माता के आठों हाथों में चक्र, गदा, त्रिशूल, अंकुश, धनुष व पाश आदि शस्त्र सुसज्जित हैं।

प्रतिमा का इतिहास- इतिहास में इस प्रतिमा का वर्णन मार्कंडेय पुराण के 'दुर्गा सप्तशती' नामक अध्याय में उल्लिखित है। इस ग्रंथ की रचना स्वयं संत मार्कंडेय ने की थी। इस अध्याय में कर्म, भक्ति व ध्यान के संदर्भ में ज्ञान है। इस प्रतिमा की ऐतिहासिकता का दूसरा स्रोत भगवद् गीता भी है।

तुलजा भवानी की कथा

कृतयुग में करदम नामक एक ब्राह्मण साधु थे, जिनकी अनुभूति नामक अत्यंत सुंदर व सुशील पत्नी थी। जब करदम की मृत्यु हुई तब अनुभूति ने सती होने का प्रण किया, पर गर्भवती होने के कारण उन्हें यह विचार त्यागना पड़ा तथा मंदाकिनी नदी के किनारे तपस्या प्रारंभ कर दी। इस दौरान कूकर नामक राजा अनुभूति को ध्यान मग्न देखकर उनकी सुंदरता पर आसक्त हो गया तथा अनुभूति के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। इस दौरान अनुभूति ने माता से याचना की और माँ अवतरित हुईं। माँ के साथ युद्ध के दौरान कूकर एक महिष रूपी राक्षस में परिवर्तित हो गया और महिषासुर कहलाया। माँ ने महिषासुर का वध किया और यह पर्व 'विजयादशमी' कहलाया। इसलिए माँ को 'त्वरिता' नाम से भी जाना जाता है, जिसे मराठी में तुलजा भी कहते हैं।

तुलजा भवानी की पूजा

इस मंदिर की ख्याति मराठा राज्य में फैली और यह प्रतिदिन भोसले प्रशासकों की कुलदेवी के रूप में पूजी जाने लगीं। छत्रपति शिवाजी अपने प्रत्येक युद्ध के पहले माता से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए यहाँ आते थे।

पहुँचने के मार्ग- तुलजापुर तक आने के लिए सभी प्रकार के यातायात के साधन उपलब्ध हैं।

सड़क मार्ग- दक्षिण से आनेवाले यात्री नालदुर्ग तक आसानी से सड़क मार्ग द्वारा आ सकते हैं। उत्तरी व पश्चिमी राज्यों से आने वाले तीर्थयात्री सोलापुर के रास्ते तुलजापुर आ सकते हैं। जबकि पूर्वी राज्यों से आने वाले यात्री नागपुर, नांदेड़ या लातूर के रास्ते यहाँ आ सकते हैं।

रेलमार्ग- तीर्थयात्री सोलापुर तक रेल से आ सकते हैं जो कि तुलजापुर से केवल 44 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

वायुमार्ग- तुलजापुर तक आने के लिए यहाँ से सबसे करीबी हवाई अड्डा नांदेड़ व हैदराबाद हैं, जहाँ से बस या निजी वाहन द्वारा इस स्थान तक पहुँचा जा सकता है।

क्यों पड़ा था छिन्नमस्तिका देवी मंदिर का ये नाम

भारत के झारखंड के मध्य में एक पवित्र मंदिर स्थित है जो दूर-दूर से भक्तों और आध्यात्मिक जिज्ञासुओं को आकर्षित करता है। यह मनमोहक स्थान छिन्नमस्तिका देवी का घर है, जो एक शक्तिशाली और रहस्यमय देवी है, जो हिंदू पौराणिक कथाओं में एक अद्वितीय स्थान रखती है। इस लेख में, हम छिन्नमस्तिका देवी की मनोरम दुनिया में उतरते हैं, उनकी किंवदंतियों, महत्व और उनके भक्तों पर उनके गहरे प्रभाव की खोज करते हैं।

छिन्नमस्तिका देवी की पौराणिक कथा

प्रत्येक दिव्य इकाई की एक कहानी है, और छिन्नमस्तिका देवी कोई अपवाद नहीं हैं। उनकी कथा रहस्य और प्रतीकवाद की एक ऐसी टेपेस्ट्री है जिसने पीढ़ियों को आकर्षित किया है।

स्वयं का सिर काटने वाली देवी

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, छिन्नमस्तिका देवी को एक ऐसी देवी के रूप में दर्शाया गया है जो अपना सिर काट देती है, अपने कटे हुए सिर को एक हाथ में रखती है जबकि उसकी दो सहेलियां उसकी गर्दन से बहते खून को पीती हैं। यह आकर्षक छवि अहंकार के त्याग और स्वयं के उत्थान का प्रतीक है, जो आध्यात्मिकता के प्रमुख पहलू हैं।

अहंकार का हत्यारा

छिन्नमस्तिका देवी को अक्सर साहस और निडरता के अवतार के रूप में देखा जाता है। स्वयं का सिर काटने का उसका कार्य किसी के अहंकार और इच्छाओं से ऊपर उठने की क्षमता को दर्शाता है, जो आत्मज्ञान और आत्म-प्राप्ति के मार्ग पर एक महत्वपूर्ण कदम है।

छिन्नमस्तिका देवी का महत्व

छिन्नमस्तिका देवी परिवर्तन की देवी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। उनके उपासकों का मानना है कि उनका आशीर्वाद प्राप्त करके, वे गहन व्यक्तिगत परिवर्तनों से गुजर सकते हैं, अपने पुराने स्वभाव को त्याग सकते हैं और मजबूत, अधिक प्रबुद्ध व्यक्ति के रूप में उभर सकते हैं।

कमज़ोरों का रक्षक

झारखंड में, जहां उनकी विशेष रूप से पूजा की जाती है, छिन्नमस्तिका देवी को कमजोर और हाशिए पर रहने वाले लोगों के संरक्षक के रूप में देखा जाता है। कई लोग जरूरत के समय सुरक्षा और मार्गदर्शन के लिए उनकी ओर रुख करते हैं।

रहस्यमय मंदिर

झारखंड में छिन्नमस्ता मंदिर इस देवी की भक्ति का केंद्र है। यहां, तीर्थयात्री और आगंतुक छिन्नमस्तिका देवी की विस्मयकारी छवि देख सकते हैं और विभिन्न अनुष्ठानों और समारोहों में भाग ले सकते हैं।

वार्षिक छिन्नमस्ता महोत्सव

मंदिर के कैलेंडर का एक मुख्य आकर्षण वार्षिक छिन्नमस्ता उत्सव है। यह भव्य उत्सव हजारों भक्तों को आकर्षित करता है जो देवी का सम्मान करने और उनका आशीर्वाद लेने आते हैं। यह त्यौहार रंगों, संगीत और भक्ति का दंगल है।

आधुनिक समय में छिन्नमस्तिका देवी

एक कालातीत प्रासंगिकता

सदियां बीत जाने के बावजूद छिन्नमस्तिका देवी का आकर्षण कम नहीं हुआ है। तेजी से भागती दुनिया में, निस्वार्थता और परिवर्तन का उनका संदेश कई लोगों को प्रभावित करता है, जिससे उनकी पूजा स्थायी और प्रासंगिक हो जाती है।

सशक्तिकरण का प्रतीक

छिन्नमस्तिका देवी उन महिलाओं के बीच भी एक विशेष स्थान रखती हैं जो उन्हें सशक्तिकरण के प्रतीक के रूप में देखती हैं। उनकी निडर छवि उन्हें सामाजिक बाधाओं से मुक्त होने और अपने सच्चे स्वरूप को अपनाने के लिए प्रेरित करती है। भारत के झारखंड की स्वयंभू देवी छिन्नमस्तिका देवी, आध्यात्मिक ज्ञान और परिवर्तन चाहने वालों के दिल और दिमाग को मोहित करती रहती हैं। उनकी कथा, मंदिर और त्योहार मानव यात्रा में भक्ति और निस्वार्थता की स्थायी शक्ति के प्रमाण के रूप में खड़े हैं।

मां दुर्गा का छठवां रूप
मां कात्यायनी

मां दुर्गा का छठवां रूप मां कात्यायनी है जो ज्वलंत स्वरूप को प्रदर्शित करती हैं। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर मां कात्यायनी की पूजा विधि अनुसार की जाती है। कहा जाता है कि मां कात्यायनी की पूजा करने से शक्ति प्राप्त होती है। इतना ही नहीं मां कात्यायनी अपने भक्तों को सुख और समृद्धि का भी वरदान देती हैं। मां कात्यायनी की तेजोमय छवि की पूजा आराधना करने से सफलता और प्रसिद्धि भी मिलती है।

मां कात्यायनी बीज मंत्रः

क्लीं श्री त्रिनेत्रायै नमः

मां कात्यायनी के मंत्रः

1. ॐ देवी कात्यायन्यै नमः।।

2. एत्तते वदनम साओमय्म लोचन त्रय भूषितम।

पातु नः सर्वभितिभ्य, कात्यायनी नमोस्तुते।।

मां कात्यायनी की कथा -

बहुत समय पहले महर्षि कात्यायन मां दुर्गा की तपस्या करते थे। उनकी तपस्या और श्रद्धा देखकर मां दुर्गा ने उन्हें यह वरदान दिया था कि वह उनकी पुत्री के रूप में उनके घर में जन्म लेंगी। मां दुर्गा ने जो वरदान दिया था वह पूरा हुआ और महर्षि कात्यायन के आश्रम में मां दुर्गा का जन्म हुआ।

त्रिदेवों के तेज से देवी दुर्गा की उत्पत्ति हुई थी। अश्विन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर मां दुर्गा ने ऋषि कात्यायन के घर में जन्म लिया था। जब देवी दुर्गा का जन्म हुआ था तब ऋषि ने मां दुर्गा की तीन दिनों तक पूजा की थी। इसी बीच महिषासुर राक्षस लोगों को अत्यधिक परेशान कर रहा था जिसका संहार मां कात्यायनी ने किया था।

मां कात्यायनी का भोगः

मां कात्यायनी को लाल रंग बेहद प्रिय है और उन्हें प्रसन्न करने के लिए लाल गुलाब अवश्य चढ़ाना चाहिए। इसके साथ भोग लगाने के लिए मां कात्यायनी को शहद अर्पित करना चाहिए।

'हर किसी को रद्द करना संभव नहीं', कियारा आडवाणी ने 'कबीर सिंह' में अपने किरदार को लेकर की बात

कियारा आडवाणी बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने 'शेरशाह', 'सत्यप्रेम की कथा' और 'जुग-जग जीयो' जैसी शानदार फिल्मों में अपने शानदार अभिनय की प्रदर्शन किया है। हाल ही में एक साक्षात्कार में, कियारा ने उन किरदारों को लेकर बात की जो बातचीत को बढ़ावा दे सकते हैं और विचार को प्रेरित कर सकते हैं। उन्होंने फिल्म 'कबीर सिंह' में अपने प्रीती के किरदार की आलोचना को लेकर भी बातचीत की। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि हर किसी को रद्द करना संभव नहीं है।

कियारा ने 'कबीर सिंह' में अपने किरदार पर की बात

कियारा आडवाणी ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान फिल्म कबीर सिंह में अपने किरदार प्रीति सिक्का की आलोचना को लेकर बात की। फिल्म में कियारा ने शाहिद कपूर की प्रेमिका का किरदार निभाया था। कियारा ने कहा कि उन्होंने कभी भी ऐसा कोई किरदार नहीं निभाया है जो उन्हें पसंद न हो। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अगर उन्हें उनका किरदार पसंद नहीं आया, तो वह वो किरदार नहीं निभाएंगी।

कबीर सिंह पर क्या बोलीं अभिनेत्री

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर तरह के लोग हैं। हम सभी को रद्द नहीं कर सकते।' कियारा ने स्वीकार किया कि जहां कुछ लोगों को कबीर सिंह आपत्तिजनक लगा, वहीं इसने अस्वस्थ रिश्तों के बारे में चर्चा को जन्म दिया। उन्होंने इस तरह की बातचीत से विकास और सीखने के महत्व पर जोर दिया।

अपने किरदारों पर क्या बोलीं कियारा

कियारा ने अपने किरदारों पर बात करते हुए कहा, 'मैंने ऐसी फिल्में बनाना शुरू कर दिया है, जहां एक कलाकार के रूप में भूमिका रोमांचक और संतुष्टिदायक होती है, लेकिन साथ ही, यह एक ऐसी फिल्म है, जिसे आप अपने पूरे परिवार के साथ देख सकते हैं, और यह भी आपको एक विचार में छोड़ देती है।' उनकी फिल्म 'जुग-जग जियो' तलाक के मुद्दे को संबोधित करती है। इस फिल्म में कियारा के साथ वरुण धवन नजर आए थे।

इंडस्ट्री में 27 साल पूरे कर गदगद हुई रानी, पहली फिल्म समेत पिता की प्रतिक्रिया को किया याद

हिंदी सिनेमा में अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने आज 27 साल का सफर पूरा कर लिया है। इन 27 सालों में अभिनेत्री ने अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों के दिल में जगह बनाई है। रानी ने करियर की शुरुआत साल 1997 की फिल्म राजा की आएगी बारात से की, जिसमें उनके अभिनय को दर्शकों के जरिए खूब सराहा गया था। अभिनेत्री ने 27 साल पूरे होने पर खुशी व्यक्त की है और पहली फिल्म से जुड़े कुछ किस्से भी साझा करती नजर आई हैं।

मीडिया से बातचीत में रानी मुखर्जी ने अपने इस शानदार सफर की खुशी जाहिर की और कहा, 'ऐसा नहीं लगता कि 27 साल बीत गए हैं। इस वक्त जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो ऐसा लगता है जैसे मैंने कुछ साल पहले ही डेब्यू किया हो।' उन्होंने अपनी पहली फिल्म को लेकर कहा, 'राजा की आएगी बारात, मेरी पहली फिल्म और उस फिल्म से मैंने जो सीखा, उसके बारे में सोचना कुछ ऐसा है जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगी।'

रानी मुखर्जी ने अपनी बात को जारी रखते हुए आगे कहा, 'मैं उस समय अंजान थी मुझे तब एहसास नहीं हुआ कि वह सिनेमा की जादुई दुनिया थी, जिसमें मैं जा रही थी। मैं यह नहीं करना चाहती थी लेकिन मुझसे करने के लिए कहा गया था, इसलिए मैं इसमें शामिल हो गई, और मुझे ज्यादा समझ नहीं आया।'

अभिनेत्री ने अपने करियर को लेकर बताया कि उनके दिमाग में इंटीरियर डिजाइनर जैसे कुछ पेशे चुनने का विचार था। हालांकि, अगर वह एक अभिनेत्री नहीं होतीं, तो उन्हें दर्शकों से इस तरह का प्यार नहीं मिलता, जो उन्हें पिछले 27 सालों में हासिल हुआ है। उन्होंने कहा, 'मैंने अपने परिवार से परे, व्यवस्थित रूप से एक परिवार बनाया है, जो मुझे लगता है कि मेरे लिए बहुत कीमती है। हमारे प्रशंसकों को आम तौर पर इस का एहसास नहीं होता है, लेकिन जब हम अपने प्रति उनके प्यार को देखते हैं तो हमें जो उत्साह मिलता है, वह हमें और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है।'

रानी ने साल 1996 के उस यादगार दिन को भी याद किया, जब वह पहली फिल्म 'राजा की आएगी बारात' में काम कर रही थीं। उस समय का किस्सा साझा करते हुए बताया कि उनका परिवार बहुत कुछ झेल रहा था। अभिनेत्री ने अपने पिता की दिल की सर्जरी के बारे में बात करते हुए कहा, 'यह मुझे इस तथ्य पर भी ले जाता है कि मेरे पिता की उस समय एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिल की सर्जरी हो रही थी और मुझे याद है कि वह मेरी पहली फिल्म देखने के लिए थिएटर गए थे। अस्पताल से वापस आते समय उन्हें छुट्टी मिल गई। मुझे याद है कि जब दर्शकों ने मेरे संवादों पर तालियां और सीटियां बजाईं तो मुझे जो प्यार मिला, उसे देखकर वह खुशी में एक बच्चे की तरह रो पड़े थे। वह याद कुछ ऐसी है जो मुझे कभी नहीं छोड़ेगी। उनका उत्साह, उनका गौरव और मेरे प्रति उनका प्यार मेरी मौखिक व्याख्या से परे है। आखिरकार, उनकी बेटी एक फिल्म स्टार बन गई, कुछ ऐसा जिसकी उन्होंने मेरे लिए कभी कल्पना भी नहीं की होगी।'

आमिर खान के साथ फिर नजर आएंगी फातिमा सना शेख कॉमेडी ड्रामा फिल्म में दिखेगी रील बाप-बेटी की जोड़ी

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान फिल्म 'सितारे जमीन पर' के साथ बॉलीवुड में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने खुलासा किया था कि वह अपनी आगामी फिल्म में अभिनय के साथ-साथ निर्माण के लिए भी तैयारी कर रहे हैं। इस फिल्म के अलावा आमिर के पाइपलाइन में कई सारी फिल्में हैं। एक निर्माता के तौर पर आमिर ने एक नया प्रोजेक्ट लॉक कर लिया है। कथित तौर पर, वह अपनी फिल्म 'दंगल' की को-स्टार फातिमा सना शेख के साथ फिर से वापस आ रहे हैं।

आमिर की फिल्म में नजर आएंगी फातिमा

आमिर खान और फातिमा सना शेख ने वर्ष 2016 में फिल्म 'दंगल' में स्क्रीन साझा की थी। जो उस वर्ष की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी। अब एक रिपोर्ट के अनुसार, आमिर खान ने फातिमा सना शेख को अपने अगले प्रोडक्शन प्रोजेक्ट के लिए साइन किया है। फिलहाल फिल्म का टाइटल फाइनल नहीं हुआ है। फातिमा के साथ फिल्म में कई कलाकार नजर आएंगे।

अद्वैत चंदन करेंगे फिल्म का निर्देशन

इसके साथ ही इस फिल्म को निर्देशित करने के लिए सीक्रेट सुपरस्टार के निर्देशक अद्वैत चंदन को भी साथ लाया गया है। वहीं आमिर खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो आखिरी बार वह फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में करीना कपूर खान के साथ नजर आए थे। 'लाल सिंह चड्ढा' को बॉक्स ऑफिस पर निराशाजनक प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा था। इस फिल्म के बाद वह अब 'सितारे जमीन पर' से अपना कमबैक करेंगे।

'सितारे जमीन पर' स्पेनिश हिट फिल्म कैम्पियोन्स का हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में आमिर के साथ अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख नजर आएंगी। दोनों स्टार पहली बार साथ में स्क्रीन साझा करते हुए दिखाई देंगे। यह आमिर की सुपरहिट फिल्म 'तारे जमीन पर' का रीमेक होगी। दर्शकों को इस फिल्म का बड़ी बेसब्री से इंतजार है।

करण संग विवाद की खबरों के बीच विवेक अग्निहोत्री ने उठाया बड़ा कदम

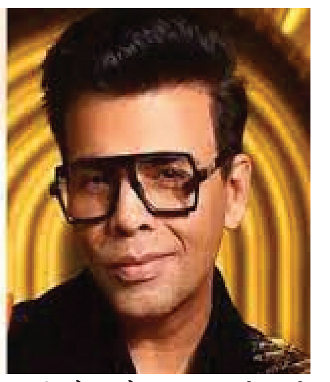

बॉलीवुड के चुनिंदा सितारों को हाल ही में नेशनल अवॉर्ड से नवाजा गया है, जिसकी हर तरफ चर्चा हो रही है। इस समारोह में राष्ट्रपति द्वारा आलिया भट्ट, अल्लू अर्जुन, कृति सेनन, करण जौहर और विवेक अग्निहोत्री को नेशनल अवॉर्ड दिया गया। वहीं, अब विवेक अग्निहोत्री ने अवॉर्ड समारोह की ग्रुप तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिसमें उन्होंने करण जौहर को क्रॉप कर दिया है। तस्वीर देखकर दोनों के बीच मनमुटाव की खबरों को और ज्यादा तूल मिल गया है।

समारोह के बाद सभी सेलेब्स ने भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। निर्देशक द्वारा साझा की गई तस्वीर में अन्य सितारों के अलावा आर माधवन, वहीदा रहमान, एसएस राजामौली, अल्लू अर्जुन, कृति सेनन और श्रेया घोषाल शामिल हैं। हालांकि, विवेक ने इस तस्वीर से करण जौहर को हटा दिया है। निर्देशक ने यह कदम उठाकर करण संग विवाद की अफवाहों को हवा दे दी है।

विवेक ने क्रॉप की गई ग्रुप फोटो के अलावा, वहीदा रहमान, श्रेया घोषाल, आलिया भट्ट और कृति सेनन के साथ अपनी पत्नी पल्लवी जोशी की तस्वीरें साझा की हैं। निर्देशक ने तस्वीरों को साझा कर कैप्शन में लिखा, 'इतना टैलेंट। नारी शक्ति। राष्ट्रीय पुरस्कार।' निर्देशक की इस पोस्ट पर सोशल मीडिया यूजर्स जमकर अपनी प्रतिक्रिया साझा कर रहे हैं। एक नेटीजन ने पूछा, 'अरे करण कहां हैं?' वहीं, दूसरे ने पूछा, 'करण भी तो थे ना?' इस तरह की ढेरों कमेंट्स देखने को मिल रहे हैं।

बता दें कि मंगलवार को, विवेक अग्निहोत्री अपनी पत्नी और अभिनेत्री पल्लवी जोशी के साथ 'द कश्मीर फाइल्स' के लिए राष्ट्रीय एकता पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म का नरगिस दत्त पुरस्कार प्राप्त करने के लिए समारोह में शामिल हुए। वहीं, करण जौहर अपनी लोकप्रिय फिल्म शेरशाह के लिए विशेष जूरी पुरस्कार स्वीकार करने के लिए उपस्थित थे। विवेक अग्निहोत्री के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी फिल्म द वैक्सीन वॉर मिली-जुली प्रतिक्रियाओं के साथ रिलीज हुई थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन खराब रहा।

शाहरुख की इस जबरदस्त एक्शन थ्रिलर से डेब्यू करेंगी सुहाना खान, ग्रैंड स्केल पर होने जा रहा प्रॉडक्शन

शाहरुख खान अपनी अगली फिल्म में बेटी सुहाना खान के साथ नजर आनेवाले हैं। ये फिल्म कोी ऐसे-वैसी नहीं बल्कि ग्रैंड स्केल पर तैयार होने जा रही है। खबर है कि इन दिनों अपने एक्शन से सबको दीवाना बना चुके शाहरुख खान बहुत जल्द सुजॉय घोष निर्देशित नई एक्शन थ्रिलर फिल्म में अपनी लाडली के साथ दिखेंगे। अब शाहरुख के फैन्स के लिए ये किसी ट्रीट से कम नहीं जहां वे पहले बार बाप और बेटी के बीच की बॉन्डिंग को बड़े पर्द पर देख सकेंगे।

कहा जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग नवंबर 2024 में शुरू हो सकती है। वहीं कहा ये जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग मार्च 2025 में खत्म होगी। बताया जा रहा है कि ये फिल्म सुहाना खान की बड़े पर्दे पर डेब्यू फिल्म होगी और डोमेस्टिक और इंटरनैशनल लोकेशन पर ग्रैंड स्केल पर इसका प्रॉडक्शन होना है। इसी के साथ बताया ये भी गया है कि इस फिल्म का प्रॉडक्शन सिद्धार्थ आनंद ही करेंगे जो एक्शन में माहिर हैं और जिन्होंने शाहरुख खान की पिछली फिल्म 'पठान' का निर्देशन किया है।

वहीं सुजॉय घोष के साथ इस एक्शन थ्रिलर फिल्म को लेकर काफी पहले सबकुछ फाइनल हो चुका है और अब कहा जा रहा है कि इसकी शूटिंग अगले साल नवंबर में शुरू होगी। कहा जा रहा है कि शाहरुख खान ने तय कर रखा है कि वह अपनी इस फिल्म की शूटिंग मार्च 2025 तक खत्म कर लेंगे। सुजॉय घोष की इस अगली फिल्म से सुहाना डेब्यू करने जा रही हैं। उम्मीद है कि नवंबर 2025 तक ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी।

वहीं बता दें कि जोया अख्तर निर्देशित फिल्म 'द आर्चीज' नेटफ्लिक्स पर 7 दिसंबर को रिलीज हो रही है जिसमें सुहाना खान के साथ खुशी कपूर और अगस्त्य नंदा भी डेब्यू कर रहे हैं। रीमा कागती द्वारा प्रोड्यूस ये फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी।

'फैन', 'जब हैरी मेट सेजल', 'ज़ीरो' जैसी कई फिल्में लगातार फ्लॉप होने के बाद शाहरुख खान ने 4 साल का लंबा ब्रेक लिया और साल 2023 में फिल्म 'पठान' लेकर आए। इसी साल सितम्बर में उनकी 'जवान' भी रिलीज हुई और इसी के साथ उनकी अगली फिल्म 'डंकी' भी रिलीज के लिए तैयार हैं। राजकुमार हीरानी निर्देशित इस फिल्म से लोगों को खूब उम्मीदें हैं। सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं सुहाना। 4.3 मिलियन है फैन फॉलोइंग।

साउथ एक्टर सूर्या व एक्ट्रेस ज्योतिका की लव स्टोरी फिल्मों जैसी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस ज्योतिका अपनी दमदार एक्टिंग से इंडस्ट्री में सबको दिवाना बना चुकी है. एक्ट्रेस ने अपनी करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में अदाकारी पेश करके खुद को लोहा मनवा चुकी हैं. वहीं, ज्योतिका ने अपने 45वें बर्थडे पर अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ी कई दिलचस्प बातों का खुलासा किया. एक्ट्रेस को अक्सर सुपरस्टार सूर्या संग शादीशुदा जीवन के बारे में बात करते हुए देखा जाता हैं तो उनके जन्मदिन के मौके पर ज्योतिका के फैंस को कुछ खास बात की जानकारी देंगे. उनके चाहने वालों को इस बात की जानकारी जरूर है कि दोनों स्टार्स कि लव मैरिज है. लेकिन ये बात शायद ही पता होगा कि आखिरकार एक्ट्रेस ज्योतिका ने तमिल एक्टर सूर्या से शादी क्यों की? जिसका खुलासा एक्ट्रेस ने खुद एक इंटरव्यू के दौरान किया था.

ज्योतिका को कैसे हुआ सूर्या से प्यार?

एक्ट्रेस ज्योतिका ने एक इंटरव्यू में अपनी शादी से जुड़ी कुछ बातों का खुलासा की. उन्होंने इंटरव्यू के दौरान ये खुलासा किया की उनके और उनके हस्बैंड सूर्या के बीच में प्यार की शुरुआत कहां से हुई. एक्ट्रेस बताती हैं कि हमदोनों पहली बार फिल्म 'पूवेल्लम केट्टुप्पार' में पहली बार मिले थे और उनके नेचर ने मुझे अट्रैक्ट किया. एक्ट्रेस सूर्या से शादी करने के फैसले के बारे में बताती हैं,'जिस कारण से मैंने फैसला किया कि मैं सूर्या को अपने लिए चाहती हूं, वो सम्मान था जो उसने मुझे दिया था. पहली मुलाकात पर उन्होंने बहुत कैजुअली मुझसे बात किया था जो मुझे काफी पसंद आया. इसके बाद हमदोनों ने सात फिल्मों में एक साथ काम किया.

ज्योतिका-सूर्या की ऐसे हुई शादी

एक्ट्रेस अपने हस्बैंड के बारे में आगे बताती हैं कि जब कोई डायरेक्टर उन्हें एक्ट्रेस के साथ रोमांटिक सीन शूट करने के लिए कहते थे तो वो डायरेक्टर के बताए हुए हद में रहकर एक्टिंग करते थे. कभी मौके का अनुचित लाभ नहीं उठते थे. सूर्या दूसरी महिलाओं का भी बेहद सम्मान करते हैं और इसी सम्मान ने मुझे अट्रैक्ट किया. जिसके बाद ज्योतिका बताती हैं कि मैंने लगभग 10 वर्षों तक सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक का समय शूटिंग पर बिताया और मैंने तब तक अपनी जरूरत का पैसा कमा लिया था. इसी बीच सूर्या ने मुझे प्रपोज जिया और घर वाले को भी इस बात से कोई एतराज नहीं था. फिर मैंने बिना सोचे समझे अगले महीने अपनी शादी रचा ली.

हस्बैंड की तारीफ में कही ये बात

इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने बातचीत करते हुए अपने हस्बैंड सूर्या की तारीफ की. उन्होंने तारीफ करते हुए उनके बारे में बताया कि वो एक पिता के रूप में बहुत ईमानदार हैं और ना सिर्फ पिता के रूप में बल्कि पति के रूप में भी वैसे ही हैं. सूर्या जिस तरीके से रहते हैं उसे देखकर आसपास रहने वाली पत्नियां अपने हस्बैंड को कहती हैं ,'देखो, वो कभी भी अच्छे दिनों को नहीं भूलता हैं'.

'गाजा में जो हो रहा, उसकी निंदा के लिए पर्याप्त शब्द नहीं

इंसान के तौर पर शर्म आती है मुझे', जानें प्रियंका गांधी ने और क्या कहा

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल और हमास के बीच चल रही जंग क्रूर होती जा रही है। हालही में खबर सामने आई कि गाजा के अल अहली अस्पताल पर एक हमला हुआ, जिसमें करीब 500 लोगों की मौत की खबर है। हमास ने इस हमले के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है, वहीं इजरायल का कहना है कि ये हमला उसने नहीं किया है। इसी मुद्दे पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने **एक्स पर पोस्ट किया है।**

प्रियंका ने कहा, 'अस्पतालों पर बमबारी, बच्चों की हत्या, नागरिकों के भोजन, पानी और दवाइयों की आपूर्ति में रुकावट। गाजा में जो भयावहता हो रही है, उसकी निंदा करने के लिए पर्याप्त शब्द नहीं हैं। एक महिला, एक मां, एक इंसान के तौर पर मुझे शर्म आती है कि दुनिया इन अपराधों को इतनी बेदर्दी से करने की इजाजत दे रही है।' गाजा के अस्पताल पर तथाकथित इजरायली हमले में 500 से अधिक लोगों के मारे जाने की घटना के बाद से इस्लामिक देशों में उबाल आ गया है। बुधवार को अरब से लेकर अफ्रीका तक और मिडिल-ईस्ट से लेकर यूरोप तक इजरायल के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों में कई जगहों पर जानलेवा और खूनी झड़पें हुई। बता दें कि यह विरोध प्रदर्शन दुनिया के विभिन्न देशों में गाजा के एक अस्पताल में हुए विस्फोट में सैकड़ों लोगों के मारे जाने की खबर के कुछ ही घंटों के भीतर शुरू हो गया। प्रदर्शनकारियों ने वेस्ट बैंक में फिलस्तीनी सुरक्षा बलों और पड़ोसी देश जॉर्डन में पुलिस पर पथराव किया।

सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले में आदित्य ठाकरे ने किया हाई कोर्ट का रुख, सीबीआई जांच की मांग की

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत और उनकी पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में सीबीआई जांच की मांग करने वाली जनहित याचिका पर कोई भी आदेश पारित करने से पहले उनका पक्ष सुने जाने की मांग करते हुए शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया है। वकील राहुल अरोटे के माध्यम से 13 अक्टूबर को दायर अपने आवेदन में आदित्य ठाकरे ने कहा कि जनहित याचिका सुनवाई योग्य नहीं है क्योंकि मामले की जांच पहले से ही राज्य मशीनरी द्वारा की जा रही है। 20 अक्टूबर को इस मामले की सुनवाई हो सकती है।

आदिय ठाकरे का आवेदन

इस साल सितंबर में 'सुप्रीम कोर्ट एंड हाई कोर्ट लिटिगेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष राशिद खान पठान के माध्यम से दायर जनहित याचिका में सुशांत सिंह राजपूत और दिशा सालियान की रहस्यमय मौतों के संबंध में आदित्य ठाकरे की तत्काल गिरफ्तारी और हिरासत में पूछताछ की मांग की गई थी। जनहित याचिका पर हाई कोर्ट में अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। इसी मामले में ठाकरे के वकील अरोटे ने कहा, 'हमने एक हस्तक्षेप आवेदन दायर किया, जिसमें कहा गया है कि कोई भी आदेश पारित करने से पहले हमें सुना जाना चाहिए। हमने कहा है कि जनहित याचिका सुनवाई योग्य नहीं है क्योंकि सुशांत सिंह राजपूत मामले की जांच पहले से ही सीबीआई द्वारा की जा रही है।' अरोटे ने कहा, 'किसी जनहित याचिका में कोई भी आदेश कैसे पारित किया जा सकता है, जब एक राज्य मशीनरी पहले से ही जांच में लगी हुई है।' जनहित याचिका में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे की जांच करने और एक व्यापक जांच रिपोर्ट पेश करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

सुशांत सिंह राजपूत की मौत का मामला

सुशांत सिंह राजपूत 14 जून 2020 को मुंबई के बांद्रा में अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। इसमें मुंबई पुलिस ने एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट (एडीआर) मामला दर्ज किया और जांच शुरू की थी। अभिनेता के पिता ने जुलाई में बिहार पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि सुशांत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती और उसके परिवार के सदस्यों ने उन्हें आत्महत्या के लिए उकसाया था। मामला बाद में सीबीआई को स्थानांतरित कर दिया गया। फिलहाल सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। वहीं प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) रिया और उसके परिवार के खिलाफ मनी लॉनड्रिंग के आरोपों की जांच कर रही है, जबकि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) उन दावों पर गौर कर रहा है कि रिया ड्रग्स का सेवन करती थीं और सुशांत को भी वही देती थी।

दिशा सालियान की मौत का मामला

सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की 8 जून, 2020 को मलाड में एक आवासीय इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने के बाद मौत हो गई। नगर पुलिस ने एडीआर मामला दर्ज किया था।

पत्नी को खाना बनाना नहीं आना तलाक का आधार नहीं, केरल हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

तिरुवनन्तपुरम, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने तलाक के मामले में एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि पत्नी का खाना बनाना नहीं आना क्रूरता नहीं है। यानी इस आधार पर तलाक की मांग नहीं की जा सकती। अदालत ने ये भी कहा कि पत्नी अपने टूटे हुए वैवाहिक रिश्ते को जोड़ने और उसकी समस्याओं का पता लगाने के बाद उसे सामान्य जीवन में वापस लाने की कोशिश कर रही थी। डिवीजन बेंच ने पत्नी द्वारा प्राप्त वैवाहिक अधिकारों की बहाली के फैसले के खिलाफ पति की अपील पर उपरोक्त टिप्पणियां कीं। उन्होंने तलाक की उनकी याचिका खारिज करने के आदेश को भी चुनौती दी पति ने आरोप लगाया कि शादी व्यावहारिक और भावनात्मक रूप से खत्म हो चुकी है और वे पिछले 10 वर्षों से अलग रह रहे हैं और पुनर्मिलन की कोई गुंजाइश नहीं है। कानूनी तौर पर, एक पक्ष एकतरफा विवाह से बाहर निकलने का फैसला नहीं कर सकता है, जब कानून के तहत तलाक को उचित ठहराने के लिए पर्याप्त आधार नहीं हैं। पति ने आरोप में ये भी कहा कि पत्नी ने उसके रिश्तेदारों की उपस्थिति में उसका अपमान किया और उसके साथ दुर्व्यवहार किया। यहां तक कि उसकी पत्नी ने उस कंपनी के प्रबंध पर्यवेक्षक से शिकायत की जहां वह काम कर रहा था। और तो और वो चाहती थी कि उसकी नौकरी चली जाए। आगे ये भी आरोप लगाया गया कि पत्नी को खाना बनाने नहीं आता था। उसने वनिता सेल और मजिस्ट्रेट कोर्ट में भी शिकायत दर्ज कराई। पत्नी ने सभी आरोपों से इनकार किया। पत्नी ने कोर्ट को बताया कि वो 2013 से अपने पति से अलग रह रही थी, क्योंकि उसके पति ने उसे अपने वैवाहिक घर में रहने की अनुमति नहीं दी थी। अदालत ने कहा कि पत्नी के खिलाफ कथित क्रूरता का मुख्य आधार यह था कि उसने अपीलकर्ता के नियोक्ता को उसकी नौकरी समाप्त करने के लिए एक मेल भेजा था।

यौन इच्छाओं पर काबू रखें लड़कियां', कलकत्ता हाईकोर्ट ने क्यों कहा ऐसा?

कोलकाता, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि किशोर लड़कियों को 'दो मिनट के आनंद' के बजाय अपनी 'यौन इच्छाओं पर नियंत्रण' रखना चाहिए और किशोर लड़कों को 'युवा लड़कियों और महिलाओं और उनकी गरिमा और शारीरिक स्वायत्तता' का सम्मान करना चाहिए। 'प्रोभात पुरकैत बनाम पश्चिम बंगाल राज्य' केस में न्यायमूर्ति चित्त रंजन दाश और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी सेन की खंडपीठ ने एक युवक को बरी करते हुए यह टिप्पणी की, जिसे एक नाबालिग लड़की से बलात्कार के लिए दोषी ठहराया गया था, जिसके साथ उसका 'अफेयर' था। 'बार एंड बेंच' की रिपोर्ट के मुताबिक न्यायालय ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) पर चिंता व्यक्त की, जिसमें किशोरों के बीच सहमति से किए गए यौन कृत्यों को यौन शोषण के साथ जोड़ा गया है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने 16 साल से अधिक उम्र के किशोरों के बीच सहमति से किए गए यौन कृत्यों को अपराध की श्रेणी से हटाने का सुझाव दिया।

न्यायालय ने कम उम्र में यौन संबंधों से उत्पन्न होने वाली कानूनी जटिलताओं से बचने के लिए किशोरों के लिए व्यापक अधिकार आधारित यौन शिक्षा का भी आह्वान किया। अपने विस्तृत फैसले में कोर्ट ने यौन इच्छाएं जागृत होने के कारणों और उस पर लगाम लगाने के महत्व को समझाया।

कोर्ट ने अपने फैसले में बताया यौन इच्छाओं के जागृत होने का कारण

कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, 'प्रमुख एंड्रोजेनिक स्टेरॉयड टेस्टोस्टेरोन है, जो मुख्य रूप से पुरुषों में वृषण और महिलाओं में अंडाशय से और पुरुषों और महिलाओं दोनों में अधिवृक्क ग्रंथियों से थोड़ी मात्रा में स्रावित होता है। हाइपोथैलेमस और पिट्यूटरी ग्लैंड्स टेस्टोस्टेरोन की मात्रा को नियंत्रित करते हैं, जो मुख्य रूप से (पुरुषों में) सेक्स या कामेच्छा के लिए जिम्मेदार होता है। इसका अस्तित्व शरीर में है, इसलिए जब संबंधित ग्रंथि उत्तेजना से सक्रिय हो जाती है, तो यौन इच्छा जागृत होती है। लेकिन संबंधित जिम्मेदार ग्रंथि का सक्रिय होना स्वचालित नहीं है। क्योंकि इसे हमारी दृष्टि, श्रवण, कामुक सामग्री पढ़ने और विपरीत लिंग के साथ बातचीत से उत्तेजना की आवश्यकता होती है। यौन इच्छा हमारी अपनी क्रियाओं से जागृत होता है।' कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले में आगे कहा गया, 'किशोरों में सेक्स सामान्य है लेकिन यौन इच्छा या ऐसी इच्छा की उत्तेजना व्यक्ति, शायद पुरुष या महिला, के कुछ कार्यों पर निर्भर होती है। इसलिए, यौन इच्छा बिल्कुल भी सामान्य और आदर्श नहीं है। अगर हम कुछ क्रियाएं बंद कर देते हैं, तो यौन इच्छा की उत्तेजना सामान्य नहीं रह जाती, जैसा कि हमारी चर्चा में वकालत की गई है।' इसलिए, पीठ ने इस मुद्दे पर 'कर्तव्य/दायित्व आधारित दृष्टिकोण' का प्रस्ताव रखा और किशोर महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए कुछ कर्तव्यों का सुझाव दिया।

किशोर महिलाओं के लिए, न्यायालय ने सुझाव दिया:

यह प्रत्येक महिला किशोरी का कर्तव्य/दायित्व है: 1। वे अपने शरीर की अखंडता के अधिकार की रक्षा करें। 2। अपनी गरिमा और आत्म-सम्मान की रक्षा करें। 3। लैंगिक बाधाओं को पार कर अपने आत्म के समग्र विकास के लिए प्रयास करें। 4। यौन आग्रह/आवेग पर नियंत्रण रखें, क्योंकि समाज की नजरों में वे तब हार जाती हैं, जब मुश्किल से दो मिनट के यौन सुख का आनंद लेने के लिए तैयार हो जाती हैं। 5। अपने शरीर की स्वायत्तता और उसकी निजता के अधिकार की रक्षा करें।

किशोर पुरुषों के लिए, कलकत्ता हाई कोर्ट ने कहा:

किसी युवा लड़की या महिला के उपरोक्त कर्तव्यों का सम्मान करना एक किशोर पुरुष का कर्तव्य है और उसे अपने दिमाग को एक महिला, उसकी आत्म-मूल्य, उसकी गरिमा और गोपनीयता और उसके शरीर की स्वायत्तता के अधिकार का सम्मान करने के लिए प्रशिक्षित करना चाहिए।

यौन शिक्षा, माता-पिता का मार्गदर्शन

न्यायालय ने कामुकता से जुड़े मुद्दों के बारे में किशोरों को मार्गदर्शन और शिक्षित करने के महत्व पर भी जोर दिया। इस उद्देश्य के लिए, पीठ ने कहा कि यह काम घर से शुरू होना चाहिए और माता-पिता पहले शिक्षक होने चाहिए। पीठ ने टिप्पणी की, 'इसलिए हमें लगता है कि बच्चों, विशेषकर लड़कियों को बुरे स्पर्श, बुरे संकेत, बुरी प्रगति और बुरी संगति को पहचानने के लिए माता-पिता का मार्गदर्शन और शिक्षा आवश्यक है। विशेष रूप से उन्हें यह बताने की जरूरत है कि कानून द्वारा मान्य उम्र से पहले यौन संबंध बनाने से उनके स्वास्थ्य और प्रजनन प्रणाली पर क्या विपरीत प्रभाव पड़ सकते हैं।'

पटियाला में रिटायर्ड बैंक मैनेजर की चाकू मारकर हत्या, सुबह सैर करने निकले थे

पटियाला, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पटियाला में गुरुवार सुबह सैर करने के लिए निकले एक रिटायर्ड बैंक मैनेजर को अज्ञात लोगों ने चाकू मार दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मौके पर अपनी टीम के साथ जांच को पहुंचे डीएसपी सिटी वन संजीव सिंगला ने बताया कि सुबह करीब साढ़े पांच बजे सैर करने आए लोगों ने देखा कि पासी रोड पर एक बुजुर्ग का शव पड़ा है। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस की ओर से की गई जांच में मृतक की पहचान बलबीर सिंह (67) निवासी संत नगर पटियाला के तौर पर हुई है। वह बैंक ऑफ बड़ौदा से रिटायर हुए हैं। रोजाना की तरह गुरुवार को भी वह पासी रोड के पास सैर करने के लिए आए, लेकिन इसी बीच किसी ने उनकी चाकू मार कर हत्या कर दी। डीएसपी ने कहा कि मामले में जल्द ही जांच करके आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में अलिखेश यादव का दांव

मां और बेटी को दिया टिकट; दिलचस्प होगा मुकाबला

टीकमगढ़, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में इस साल 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। जिसको लेकर सभी पार्टियों ने तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। बता दें कि समाजवादी पार्टी ने पृथ्वीपुर और निवाड़ी विधानसभा सीटों से मां-बेटी को चुनावी मैदान में उतारा है। ये दोनों प्रत्याशी गरोठा के पूर्व विधायक दीपनारायण यादव की पत्नी मीरा यादव और पुत्री शिवांगी यादव हैं।

सपा ने मां-बेटी को बनाया प्रत्याशी

मिली जानकारी के अनुसार, दोनों ही प्रत्याशी मूलरूप से उत्तरप्रदेश से हैं। समाजवादी पार्टी ने निवाड़ी विधानसभा सीट से मीरा यादव और पृथ्वीपुर सीट से उनकी बेटी शिवांगी यादव को प्रत्याशी बनाया है। निवाड़ी जिले की दो विधानसभा सीटों पर उत्तर प्रदेश की राजनीति चमक रही है, जहां पर समाजवादी पार्टी ने तो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के निवासी का टिकट ही घोषित कर दिया है। निवाड़ी से समाजवादी पार्टी द्वारा गरोठा के पूर्व विधायक दीपनारायण यादव की पत्नी मीरा यादव को आगामी विधानसभा चुनाव में उतारा है। जो 2008 में निवाड़ी से समाजवादी पार्टी से विधायक रहीं, 2008 के चुनाव में 15,174 वोटों से विजयी हुईं थीं। इसके बाद अब फिर से सपा पार्टी ने मीरा यादव का टिकट घोषित कर दिया है। जबकि कांग्रेस-भाजपा ने प्रत्याशी घोषित नहीं किए। शिवांगी यादव को पहली बार चुनाव मैदान में उतारा है। ऐसे में यहां का चुनाव अब रोचक होने वाला है।

निवाड़ी में यूपी के राजनेताओं की एंट्री

वैसे तो बुंदेलखंड क्षेत्र में मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के कई जिले आते हैं। जहां बुंदेली भाषा बोलना और बुंदेली संस्कृति को सहेजा जाता है। लेकिन अब बुंदेलखंड के निवाड़ी में उत्तर प्रदेश के राजनेताओं की एंट्री हुई है, जिसमें उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे हुए क्षेत्रों में सपा प्रत्याशी उतार रही है।

वहीं यादव बाहुल्य क्षेत्रों पर समाजवादी पार्टी ने नजर रख रखी है। सीमा से लगे हुए निवाड़ी जिले में दो विधानसभा सीटों पर इसका असर देखने को भी मिल रहा है। इस बार फिर साइकिल (सपा पार्टी) कांग्रेस और भाजपा के वोट में सेंध लगाने की तैयारी कर चुकी है। निवाड़ी में उत्तर प्रदेश के प्रत्याशी और दावेदारों के पहुंचने के बाद स्थानीय पदाधिकारियों और लोगों में रोष भी देखने को मिल रहा है।

पैगंबर और कलाम पाक पर दिया था विवादित बयान, यति नरसिंहानंद पर एफआईआर दर्ज

मुंब्रा, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। ठाणे के मुंब्रा पुलिस स्टेशन में यति नरसिंहानंद सरस्वती के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दरअसल, यति नरसिंहानंद सरस्वती ने पैगंबर मोहम्मद साहब और कलाम पाक पर विवादित टिप्पणी की थी, जिसके खिलाफ मुंब्रा पुलिस स्टेशन में शहर के उल्मा इकराम और कुछ राजनीतिक पार्टी से जुड़े लोग पहुंचे और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। बता दें कि यति नरसिंहानंद गिरि महाराज शिवशक्ति धाम डासना के पीठाधीश्वर व श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर हैं। जब इस मामले पर शिकायत आई तो मुम्ब्रा पुलिस स्टेशन के सीनियर पीआई एन।बी।कोल्हटकर ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से बात करने के बाद मोहम्मद साद कासमी की शिकायत पर यति नरसिंहानंद सरस्वती के खिलाफ 153-ए, 295-ए, 505-2, आईटी एक्ट 67 के तहत मामला

दर्ज कर लिया। यति नरसिंहानंद द्वारा पहली बार पैगंबर साहब की गुस्ताखी में अभद्र टिप्पणी नहीं की गई है, बल्कि इसके अलावा भी कई मर्तबा यदि नरसिंहानंद द्वारा अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया है।

शिकायतकर्ता ने क्या कहा?

इस मामले में शिकायतकर्ता मोहम्मद साद कासमी ने बताया कि यति नरसिंहानंद उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद का रहने वाला है। कुछ दिन से सोशल मीडिया पर उनके विवादित बयान पैगंबर साहब को लेकर बड़ी तेजी से वायरल हो रहा है।

'हिमंता भी कांग्रेसी और मैं भी, उनका और मेरा डीएनए एक जैसा'

असम के मुख्यमंत्री के बयान पर सुप्रिया सुले का पलटवार

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई इजरायल और हमास के युद्ध को लेकर एनसीपी प्रमुख शरद पवार के बयान पर आलोचनाओं का दौर जारी है। इस बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पवार शायद सुप्रिया सुले को हमास की तरफ से लड़ने के लिए भेजेंगे। सरमा के बयान को लेकर अब एनसीपी नेता सुप्रिया सुले ने उन्हें कांग्रेसी डीएनए का बता डाला है।

बयान पर कोई आश्चर्य नहीं

मीडिया से बात करते हुए सुप्रिया सुले ने कहा कि वो सरमा के बयान को लेकर आश्चर्यचकित हैं, क्योंकि हिमंत बिस्वा सरमा और उनका डीएनए एक जैसा है। उन्होंने कहा कि सरमा मूल रूप से कांग्रेसी हैं। इस बीच बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी महिलाओं का हमेशा से अपमान करती आई है। इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि सरमा बीजेपी में जाने

के बाद बदल गए हैं।

हिमंता में कांग्रेस का डीएनए

सुप्रिया सुले ने तीखा तंज कसते हुए कहा कि वो हमेशा से हिमंता बिस्वा सरमा पर गर्व करती थीं। उनका मानना था कि कांग्रेस डीएनए का कोई आदमी किसी प्रदेश का मुख्यमंत्री है, यह उनके लिए गर्व की बात थी। इस बीच उन्होंने भाजपा से शरद पवार के बायन को एक बार फिर गौर से सुनने की नसीहत भी दी है। दरअसल, शरद पवार ने मुंबई में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्रियों ने फलिस्तीन की मदद की थी। पहली बार हमारे देश के प्रधानमंत्री ने इजरायल को मदद करने में अपनी भूमिका निभाई है। पवार के इस बयान के बाद से राजनीतिक अंचलों में हलचल मची हुई है।

शरद पवार के बयान से हलचल

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने राकांपा अध्यक्ष के बयान की निंदा करते हुए कहा कि उनके जैसे वरिष्ठ नेताओं को यह समझना चाहिए कि राष्ट्रहित और राष्ट्रीय सुरक्षा से बढ़कर कुछ नहीं है। इसे कभी भी राजनीतिक विचारों से प्रभावित नहीं होनी चाहिए। वहीं, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी शरद पवार के बयान की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह की मानसिकता ठीक नहीं है, इसे रोकना होगा।

नफरत फैलाना एकमात्र योजना

हिमंत बिस्वा सरमा के बयान पर शरद पवार गुट के नेता जितेंद्र अवहाद ने पलटवार करते हुए कहा कि हिमंत बिस्वा सरमा जैसे लोगों को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरमा के मन में नफरत है, वो नहीं जानते कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति क्या है। अवहाद ने कहा कि फलस्तीन मुसलमानों से जुड़ा हुआ है और मुस्लिम नफरत को भारत में लाना ही भाजपा की एकमात्र योजना है। इस युद्ध का इस्तेमाल देश में ध्रुवीकरण के लिए किया जा रहा है।

पीएमओ अधिकारी बताकर धमकी देने का मामला

सीबीआई ने मयंक तिवारी के परिसरों की तलाशी ली

अहमदाबाद, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का एक अधिकारी बताकर विवाद सुलझाने के लिए दबाव बनाने का एक मामला सामने आया है। सीबीआई ने इस मामले में अब जांच शुरू की है। इस जांच को लेकर सीबीआई ने मयंक तिवारी के अहमदाबाद स्थित परिसरों की तलाशी ली। सीबीआई के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने इंदौर के एक अस्पताल पर बकाया 16 करोड़ न देने के लिए प्रमोटर्स पर दबाव बनाया था। सीबीआई की टीम ने अपनी तलाशी के दौरान कई अहम दस्तावेज को अपने कब्जे में लिया है। हालांकि इस मामले में मयंक तिवारी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। सीबीआई की अभी तक की जांच में पता चला है कि तिवारी ने कथित तौर पर अपने मोबाइल फोन से कॉल और मैसेज के जरिये एक निजी अस्पताल के प्रोमोटर्स से इंदौर में अस्पताल के साथ विवाद को सुलझाने के लिए कहा। बता दें कि इंदौर के अस्पताल को कथित तौर पर 16 करोड़ रुपये का भुगतान दूसरे अस्पताल को करना था। अधिकारियों ने बताया कि इंदौर के अस्पताल ने कथित तौर पर समझौते की शर्तों का उल्लंघन करना शुरू कर दिया, जिसके बाद ही विवाद हुआ और सामने वाली पार्टी जिसने पैसे दिए थे वो अपना पैसा वापस चाहते थे। मामला उच्च न्यायालय में गया। अदालत ने इस विवाद को निपटाने के लिए मध्यस्थ नियुक्त किया। मध्यस्थ ने इंटरिम इनजक्शन में इंदौर अस्पताल को चार सप्ताह के भीतर 16.43 करोड़ रुपये जमा करने को कहा। इस मामले में जब पीएमओ के नाम का इस्तेमाल किया गया तो इसकी सूचना सीबीआई को दी गई।

वीडियो कॉल पर थे पति-पत्नी, आपस में हुई कहासुनी देखते ही देखते फंदे से लटक गया ट्रक चालक

जम्मू, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू के नरवाल ट्रांसपोर्ट यार्ड में ट्रक के भीतर चालक फंदे पर लटकता हुआ मिला। मृतक राजिंदर पासवान बिहार के हमीरपुर का रहने वाला था। फंदे पर लटकने से पहले वह अपनी पत्नी के साथ व्हाट्सएप पर वीडियो काल कर रहा था। कॉल के दौरान कहासुनी होने पर उसने अपनी जान दे दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए जीएमसी के शवगृह में रखा गया है। मृतक का परिवार अभी जम्मू नहीं पहुंचा है। जानकारी के अनुसार राजिंदर ने मंगलवार देर रात अपनी पत्नी को व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल की। कॉल के वक्त वह ट्रक की पिछली तरफ था। ट्रक के खाली हिस्से के ऊपर एक लोहे की राड थी और इसमें सामान बांधने के लिए हुक लगी हुई थी। राजिंदर ने अपनी पत्नी को वीडियो कॉल की और किसी बात को लेकर उससे बहस करने लगा। बहस करते करते ही उसने कपड़े को हुक से बांधा और गले में डाल दिया। देखते ही देखते वह फंदे पर लटक गया। उस वक्त पत्नी को समझ नहीं आया कि वह किसको सूचित करे। कुछ देर बाद उसने राजिंदर के जानकार एक ट्रक चालक को कॉल की और जानकारी दी। इसके पहले कि वह मौके पर पहुंचता। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वहीं, चालक ने अपने कुछ अन्य जानकारों को बताया। हालांकि राजिंदर को जीएमसी ले जाया गया। यहां जांच में डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मंगलुरु में तेज रफ्तार कार ने लील ली महिला की जिंदगी पांच लोगों को मारी टक्कर, वारदात कैमरे में कैद

मंगलुरु, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंगलुरु में हिट एन रन केस का खौफनाक वीडियो सामने आया है जिसमें तेज रफ्तार कार ने बेरहमी से पांच महिलाओं को कुचल दिया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। बताया जा रहा है कि इस दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई जबकि अन्य चारों लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना के सीसीटीवी वीडियो में देखा जा सकता है कि पांचों महिलाएं एक चौड़े फुटपाथ पर चल रही है कि तभी पीछे से आ रही कार उन्हें जोरदार टक्कर मार देती है। टक्कर इतनी तेज थी कि पांचों महिलाएं उछल कर सड़क पर यहां-वहां गिर जाती है। शाम 4 बजे के आसपास एक निगरानी कैमरे के दृश्य में लोगों को मंगलुरु में मन्नागुड्डा जंक्शन के पास एक चौड़े, कम भीड़ वाले फुटपाथ पर चलते हुए दिखाया गया। पुलिस ने कहा कि कमलेश बलदेव द्वारा संचालित एक सफेद हुंडई ईऑन ने लापरवाही से गाड़ी चलाई और फुटपाथ पर पांच लोगों में दो महिलाओं और तीन लड़कियों को टक्कर मार दी। फुटेज में देखा जा सकता है कि पीछे से आ रही कार ने पहले चार लोगों को टक्कर मारी और फिर एक महिला को कुचल दिया, इससे पहले एक अन्य महिला को टक्कर मार दी, जिसने कार के पास आते ही सुरक्षित भागने की कोशिश की। आरोपी ड्राइवर ने कार से टक्कर मारी और फुटपाथ पर लगे एक खंभे को तोड़ दिया और महिला को कुछ मीटर तक घसीटा और फिर डिवाइडर से टकरा गई।

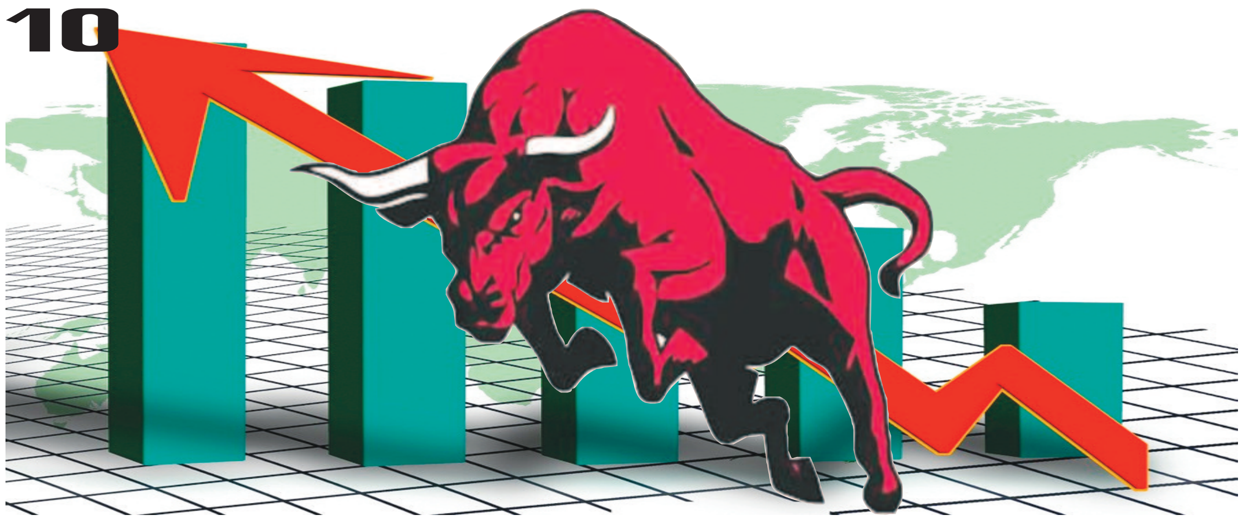

देश का दृष्टिकोण है भारत से यूरोप तक आर्थिक गलियारा

वित्त मंत्री बोलीं- इससे रसद लागत घटेगी

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसिया) ग्लोबल मैरीटाइम इंडियन समिट 2023 के तीसरे संस्करण के आयोजन के मौके पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पीएम मोदी सरकार ने मैरीटाइम क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने का एक सचेत प्रयास किया है। इनमें नीली अर्थव्यवस्था यानी भारत के लिए समुद्री चिंताएं, भारतीय ध्वज के साथ जहाजों को रखना, जनशक्ति को प्रशिक्षित करना आदि शामिल हैं। हमें उन्हें (युवाओं को) इस वैश्विक सागरमाला (परियोजना) का हिस्सा बनने के लिए हर संभव सर्वोत्तम प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता है, जिसका भारत सरकार समर्थन करती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पीएम मोदी कहा है कि भारतीय-मध्य-पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा भारत का दृष्टिकोण है। हम समुद्री और भूमि मार्गों के माध्यम से यूरोप और पश्चिम एशियाई गणराज्यों तक पहुंचने पर विचार कर रहे हैं और इससे रसद लागत में कमी आएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, विश्व बैंक की 2023 की लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स रिपोर्ट कहती है कि भारतीय बंदरगाहों का टर्नअराउंड टाइम अब 0.9 दिन है जो सिंगापुर से बेहतर है जो 1 दिन है, यूएई का 1.1 दिन है, जर्मनी का 1.3 दिन है, अमेरिका का 1.5 दिन है। ऑस्ट्रेलिया के मामले में यह 1.7 दिन है, रूस का 1.8 दिन और दक्षिण अफ्रीका का 2.8 दिन है। विश्व बैंक के लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक में भारत की समग्र रैंक भी 2014 के 54 से बढ़कर 2023 में 38 हो गई है।

प्रयागराज और वाराणसी में सस्ता तो नोएडा में महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल, जानें अपने शहर के रेट्स

नई दिल्ली , 19 अक्टूबर (एजेंसिया) इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल के दाम में तेज गिरावट जारी है। कच्चा तेल 86 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ चुका है। डब्लूटीआई क्रूड ऑयल 0.57 फीसदी गिरकर 86.77 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड ऑयल 0.57 फीसदी गिरकर 90.77 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इसी बीच, देश में ईंधन के दाम भी जारी हो चुके हैं। तेल कंपनियों की ओर से जारी नए रेट के मुताबिक, कई शहरों में पेट्रोल और डीजल के दाम बदल चुके हैं तो वहीं कुछ शहरों में पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर हैं। देश की राजधानी नई दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये लीटर पर बना हुआ है। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये लीटर पर है। चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपये लीटर और डीजल 94.33 रुपये लीटर पर स्थिर है। वहीं कोलकाता में एक लीटर पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये है।

किन शहरों में बदल गए पेट्रोल और डीजल के दाम

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में पेट्रोल की कीमत 47 पैसे बढ़कर 97 रुपये प्रति लीटर और डीजल 43 पैसे बढ़कर 90.14 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। लखनउ में पेट्रोल की कीमत 5 पैसे बढ़कर 96.62 रुपये प्रति लीटर और डीजल 5 पैसे बढ़कर 89.81 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। प्रयागराज में पेट्रोल की कीमत 80 पैसे घटकर 96.66 रुपये प्रति लीटर और डीजल 78 पैसे कम होकर 89.86 रुपये लीटर बिक रहा है।

हमास युद्ध ने भारत में कराया 2 लाख करोड़ का नुकसान

गोल्ड करा रहा छप्परफाड़ कमाई

नई दिल्ली , 19 अक्टूबर (एजेंसिया) इजराइल हमास वॉर की वजह से भारत में निवेशकों को 2 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो गया. वहीं दूसरी ओर गोल्ड निवेशकों की छप्परफाड़ कमाई देखने को मिली. वास्तव में इजराइल हमास वॉर के बढ़ने की वजह से ग्लोबली शेयर मार्केट्स सेंटीमेंट्स खराब हुए. जिसका असर भारत के शेयर बाजार में भी देखने को मिला. बांबे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 550 से ज्यादा अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ. वहीं दूसरी ओर गोल्ड के दाम में सुबह से 800 रुपये से ज्यादा की तेजी देखने को मिल चुकी है. गोल्ड के दाम भारत में 60 हजार रुपये के पार चले गए हैं. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर शेयर बाजार में निवेशकों को 2 लाख करोड़ रुपए का नुकसान कैसे हो गया और **गोल्ड में निवेशकों की छप्परफाड़ कमाई कैसे हो रही है?**

गाजा के हॉस्पिटल में इजराइली हमले की वजह से 500 लोगों की मौत हो गई. जिसकी वजह से मिडिल ईस्ट देशों में काफी टेंशन बढ़ गई हैं. सऊदी अरब समेत तमाम खाड़ी देशों ने इस घटना की निंदा की है. इसी टेंशन की वजह से ग्लोबली शेयर बाजार सेंटीमेंट खराब देखने को मिले. जिसका असर भारत में भी देखने को मिला.

शेयर बाजार में गिरावट

बांबे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 551.07 अंकों की गिरावट के साथ 65,877.02 अंकों पर बंद हुआ. वैसे कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स 65,842.10 अंकों के साथ दिन के लोअर लेवल पर भी गया.वहीं दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक निफ्टी 140.40 अंकों के गिरावट के साथ 19,671.10 अंकों पर बंद हुआ. वैसे कारोबारी सत्र के दौरान निफ्टी 19,659.95 अंकों के साथ दिन के लोअर लेवल पर भी गया. जानकारों की मानें तो जब तक मिडिल ईस्ट के हालात नॉर्मल नहीं होते हैं, तब तक बाजार के सेंटीमेंट खराब देखने को मिल सकते हैं। शेयर बाजार में गिरावट की वजह से बाजार निवेशकों को मोटा नुकसान हुआ है. वास्तव में बीएसई का मार्केट कैप बाजार निवेशकों के फायदे और नुकसान से जुड़ा हुआ है।. एक दिन पहले बीएसई का मार्केट कैप 323.8 लाख करोड़ रुपये का था।

ब्लू जेट हेल्थकेयर ने आईपीओ के लिए 329-346 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा किया तय

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसिया) दवाओं का कच्चा माल बनाने वाली कंपनी ब्लू जेट हेल्थकेयर ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 329-346 रुपये प्रति शेयर कर मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का आईपीओ 25 अक्टूबर को खुलेगा और 27 अक्टूबर को बंद होगा। एंकर निवेशकों के लिए इसे 23 अक्टूबर को खोला जाएगा। ब्लू जेट हेल्थकेयर के अनुसार, यह निर्गम प्रवर्तकों अक्षय बंसारीलाल अरोड़ा तथा शिवेन अक्षय अरोड़ा की तरफ से 2.42 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा। आईपीओ के पूरी तरह ओएफएस पर आधारित होने के कारण निर्गम से होने वाली सारी आय शेयर बेचने वाले शेयरधारकों के पास जाएगी। मुंबई स्थित ब्लू जेट हेल्थकेयर नवोन्मेषी दवा कंपनियों और बहुराष्ट्रीय जेनेरिक दवा कंपनियों के लिए विशिष्ट उत्पाद पेश करती है। पिछले पांच दशकों में कंपनी ने 100 से अधिक उत्पाद विकसित किए हैं।

नोकिया में जाएगी 14000 लोगों की नौकरी

नई दिल्ली , 19 अक्टूबर (एजेंसिया) फिनलैंड के दूरसंचार उपकरण बनाने वाले समूह नोकिया कथित तौर पर 14 हजार लोगों को नौकरी से निकाल सकता है। समूह ने बताया है कि अमेरिका जैसे बाजारों में 5जी उपकरणों की धीमी बिक्री के कारण तीसरी तिमाही में उसकी कुल बिक्री 20% तक कम हो गई है। इस गिरावट के बाद कंपनी अपनी लागत में कटौती के लिए 14000 लोगों को नौकरी से निकालने की योजना पर काम कर रही है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कर्मचारियों की संख्या में कमी कर नोकिया अपनी लागत में 2026 तक 800 मिलियन यूरो से 1.2 बिलियन यूरो तक की कटौती करना चाहती है। कंपनी 2026 तक अपनी ऑपरेटिंग मार्जिन कम से कम 14% रखना चाहती है।कंपनी का लक्ष्य अपने कर्मचारियों की संख्या 72,000-77,000 तक करने का है। फिलहाल नोकिया के पास आज 86,000 कर्मचारी हैं।हाल के दिनों में नोकिया ने उम्मीद से कमजोर कमाई दर्ज की है। तीसरी तिमाही में कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 467 मिलियन डॉलर रहा था। प्रति शेयर समायोजित आय 5 सेंट पर पहुंच गई है जो विश्लेषकों की ओर से अनुमानित 7 सेंट से कम है।नोकिया के सीईओ पेक्का लुंडमार्क ने बयान में कहा, ₹सबसे कठिन व्यावसायिक निर्णय वे हैं जो हमारे लोगों को प्रभावित करते हैं। नोकिया में हमारे बेहद प्रतिभाशाली कर्मचारी हैं और हम इस प्रक्रिया से प्रभावित होने वाले सभी लोगों का समर्थन करेंगे।कंपनी ने कहा कि भारत जैसे बाजारों में 5जी तैनाती की गति में मंदी के कारण तीसरी तिमाही में मोबाइल नेटवर्क की बिक्री पिछले वर्ष की तुलना में 19% गिर गई। लुंडमार्क ने कहा, ₹हम अपने बाजारों के मध्य से दीर्घकालिक आकर्षण में विश्वास करना जारी रखते हैं।नोकिया की ओर से छंटनी की घोषणा उसी दिन की गई जिस दिन कंपनी ने उम्मीद से खराब परिणाम की सूचना दी।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने मोबाइल एप से जुड़े अधिकारियों को किया निलंबित,कस्टमर के खातों से छेड़छाड़ का आरोप

नई दिल्ली , 19 अक्टूबर (एजेंसिया) बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने मोबाइल एप से नए उपभोक्ताओं को जोड़ने पर भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से रोक लगाने के बाद अपने कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। यह अधिकारी बैंक के मोबाइल एप बॉब वर्ल्ड से जुड़े हुए थे और आरोप है कि इन्होंने एप पर लोगों का रजिस्ट्रेशन ज्यादा दिखाने के लिए उपभोक्ताओं के खातों से छेड़छाड़ की। निलंबित किए गए अधिकारियों में सहायक महाप्रबंधक स्तर के कुछ अधिकारी शामिल हैं। हालांकि बैंक ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। रिजर्व बैंक ने 10 अक्तूबर को बैंक ऑफ बड़ौदा को निर्देश दिया था कि तत्काल प्रभाव से बॉब वर्ल्ड से नए उपभोक्ताओं को जोड़ना बंद कर दे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

चंद्र ९, केतु ७, बुध ६, शुक्र ५, सूर्य मंगल ८, १०, राहु गुरु ४, ११ शनि, १२, १, २, ३

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	तुला...	06-05 बजे
चंद्र-	धनु में	वृश्चिक.	08-14 बजे
मंगल	तुला में	धनु.....	10-28 बजे
बुध-	तुला में	मकर..	12-35 बजे
गुरु-	मेष में	कुंभ...	14-25 बजे
शुक्र-	सिंह में	मीन --	16-03 बजे
शनि-	कुंभ में	मेष--	17-39 बजे
राहु-	मेष में	वृष--	19-24 बजे
केतु-	तुला में	मिथुन..	21-24 बजे
		कर्क...	23-36 बजे
		सिंह....	01-49 बजे
		कन्या..	03-55 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124

सूर्योदय - 06-13
सूर्यास्त - 17-47

दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी - 23 -25- तक उपरान्त सप्तमी
मास - आश्विन शुक्ल पक्ष , शुक्रवार 20 October
नक्षत्र - मूल - 20- 40 - तक उपरान्त पूर्वाषाढा
योग - अतिगण्ड - 03 - 01 - तक उपरान्त सुकर्मा
करण- कौलव - 12 -01 - तक उप- तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सरस्वति आह्वान दिवस

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:33 से 12:01 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल.	06:13 - 07:39	शुभ	रोग	17:47 - 19:23	अशुभ
लाभ	07:39 - 09:06	शुभ	काल	19:23 - 20:56	अशुभ
अमृत	09:06 - 10:33	शुभ	लाभ	20:56 - 22:28	शुभ
काल.	10:33 - 12:01	अशुभ	उत्पात	22:28 - 00:01	अशुभ
शुभ.	12:01 - 13:28	शुभ	शुभ	00:01 - 01:34	शुभ
रोग	13:28 - 14:55	अशुभ	अमृत	01:34 - 03:06	शुभ
उत्पात	14:55 - 16:23	अशुभ	चंचल	03:06 - 04:39	शुभ
चंचल	16:23 - 17:47	शुभ	रोग	04:39 - 06:13	अशुभ

6000 फेक इनपुट टैक्स क्रेडिट मामलों में 57000 करोड़ रुपये जीएसटी चोरी का लगा पता, 500 लोगों की हुई गिरफ्तारी

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसिया) जीएसटी चोरी का पता लगाने के लिए डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस बड़ा अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत विभाग ने बड़े पैमाने पर फेक इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम करने के मामलों का पता लगाया है। डीजीजीआई ने बीते साढ़े तीन वर्षों में 57,000 करोड़ रुपये जीएसटी चोरी का पता लगाया है और इस मामले में 500 लोगों की गिरफ्तारी भी की गई है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस जीएसटी चोरी को रोकने के लिए बीते तीन वर्षों से स्पेशल ड्राइव चला रही और अप्रैल 2020 से सितंबर 2023 तक चलाये गए इस विशेष अभियान में 6,000 फेक इनपुट टैक्स क्रेडिट के मामलों का पता लगा है जिसमें 57,000 करोड़ रुपये की जीएसटी की चोरी पकड़ी गई है। मौजूदा वित्त वर्ष 2023-24 में 14000 करोड़ रुपये के कुल 1040 फेक इनपुट टैक्स क्रेडिट के मामलों का पता लगा है जिसमें अब तक 91 लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 1.36 लाख करोड़ रुपये कुल जीएसटी चोरी का पता लगा है जिसमें फेक इनपुट टैक्स क्रेडिट का मामला भी शामिल है। और वोलंट्री बेसिस पर 14,108 करोड़ रुपये लोगों ने जमा करा दिए हैं। जून 2023 में डीजीजीआई ने देशभर में मास्टरमाइंडों सिंडीकेट्स की पहचान कर उन्हें पकड़ने पर जोर दिया था। एडवांस टेक्निकल टूल्स के जरिए डेटा एनालटिक्स का उपयोग कर जीएसटी चोरी करने वालों की गिरफ्तारी की गई है। ये टैक्स सिंडिकेट अक्सर भोले-भाले व्यक्तियों का उपयोग करते हैं और उन्हें नौकरी, कमीशन, बैंक लोन का लालच देकर उनसे उनका केवाईसी डॉक्यूमेंट ले लेते हैं जिसके जरिए बिना उनकी जानकारी और सहमति के बगैर फर्जी, शेल फर्म या कंपनियां खोल लिया जाता है।

जीएसटी की चोरी को रोकने के लिए डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ इंटेलीजेंस ने देशभर में अपने खुफिया नेटवर्क को विकसित करती है और जीएसटी चोरी को रोकने के लिए डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से नए क्षेत्रों में खुफिया जानकारी जुटाती है।

डाबर के हेयर रिलैक्सर प्रोडक्ट्स से कैंसर का दावा:अमेरिकी फेडरल कोर्ट में 5,400 मामले दर्ज, कंपनी का शेयर 1.22% गिरा

नई दिल्ली , 19 अक्टूबर (एजेंसिया) डाबर इंडिया की 3 सहायक कंपनियों नमस्ते लेबोरेटरीज एलएलसी, डर्मोविवा स्किन एसेंशियल्स इंक और डाबर इंटरनेशनल के खिलाफ अमेरिकी फेडरल कोर्ट में 5,400 से ज्यादा केस दर्ज किए गए हैं। डाबर पर आरोप है कि इनके हेयर रिलैक्सर प्रोडक्ट्स से कैंसर जैसी बीमारियां हो रही हैं।इसे लेकर डाबर इंडिया ने कहा कि अमेरिकी फेडरल कोर्ट में केस अभी शुरुआती चरण में हैं और अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। कंपनी ने कहा कि उसके खिलाफ सभी आरोप अप्रमाणित हैं, जो एक बेबुनियाद और अधूरी स्टडी के आधार पर लगाए गए हैं। हेयर, हेल्थ और स्किन केयर प्रोडक्ट बनाती है डाबर नमस्ते लेबोरेटरीज हेयर और स्किन केयर प्रोडक्ट बनाती है। ब्रांड ने ओआरएस हेयरकेयर के तहत रिलैक्सर्स, ऑयल, शैंपू, हेयर क्रीम जैसे प्रोडक्ट अमेरिकी बाजारों में बेचे जाते हैं। डाबर ने साल 2010 में इस कंपनी का अधिग्रहण किया था। डर्मोविवा स्किन एसेंशियल्स खुद को हर्बल एक्सपर्ट बताती है। इसके हेयर रिलेटेड प्रोडक्ट में डैंड्रफ गार्ड, हेयर फॉल कंट्रोल, नाइट रिपेयर, वॉल्यूम एंड थिकनेस जैसे प्रोडक्ट आते हैं। इसके अलावा कई और प्रोडक्ट डर्मोविवा बनाती है। डाबर इंटरनेशनल डाबर इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और इसका मुख्यालय दुबई में है। डाबर 130 साल से ज्यादा पुरानी कंपनी है। 1884 में इसकी शुरुआत कोलकाता से हुई थी। डाबर आमला हेयर ऑयल और वाटिका शैंपू जैसे प्रोडक्ट बनाती है। ये मामला सामने आने के बाद डाबर के शेयर बाजार में गुरुवार को 1.22% की गिरावट देखने को मिली है। इसके चलते से 6.50 रुपए फिसलकर 527.50 रुपए पर बंद हुआ। इसी साल डाबर इंडिया के शहद में कैंसर पैदा करने वाले केमिकल्स की मौजूदगी का दावा किया गया था। कहा जा रहा था कि डाबर के शहद में कार्सिनोजेनिक मैटेरियल लिमिट से ज्यादा है। इसपर, कंपनी ने कहा था कि उनके प्रोडक्ट एफएसएसएआई स्टैंडर्ड के मुताबिक बनते हैं। इससे पहले भारत में भी जॉनसन एंड जॉनसन के टैल्क से कैंसर के खतरे के आरोप लगे थे। इसके बाद जॉनसन के बेबी पाउडर मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस को महाराष्ट्र सरकार ने कैंसिल कर दिया था। इस फैसले को कंपनी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

भारत के 20 अरबपतियों की दौलत से कम है बांग्लादेश की जीडीपी

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसिया) आज भारत और बांग्लादेश के बीच वर्ल्ड कप 2023 का लीग मुकाबला खेला जाएगा। वैसे तो भारतीय टीम हर मुकाबले को काफी सीरियसली ले रही है। वहीं बांग्लादेश की टीम को भी कम नहीं आंका जा रहा है। इसका कारण भी है। एशिया कप के आखिरी लीग मुकाबले में भारत की टीम को बांग्लादेश से हार का सामना भी करना पड़ा था। वहीं साल 2007 का वर्ल्ड कप को कौन भुला सकता है। जब बांग्लादेश से मिली हार के बाद ही भारत को लीग मुकाबलों के बाद ही टूर्नामेंट को बाहर होना पड़ा था। खैर आज बात सिर्फ क्रिकेट की नहीं होगी, बल्कि बांग्लादेश की इकोनॉमी की भी होगी, जोकि बीते कुछ सालों से ग्रोथ रेट के मामले में काफी बेहतर दिखाई दी है। उसके बाद भी आज हम आपको कुछ ऐसे फैक्ट बताने जा रहे हैं, जिसके बाद आपके भी होश फाख्ता हो जाएंगे। जी हां, भारत और बांग्लादेश की जीडीपी का कोई मुकाबला नहीं है, लेकिन आपको इस बात की जानकारी नहीं होगी कि बांग्लादेश की कुल जीडीपी भारत के टॉप 20 अरबपतियों की दौलत से भी कम है। जी हां, ये कोई मजाक नहीं है। आईएमएफ का अक्टूबर में इकोनॉमिक आउटलुक आया है। जिसमें साल 2023 में बांग्लादेश की जीडीपी के बारे में जानकारी दी गई है। वहीं 11 अक्टूबर को फोर्ब्स की लिस्ट आई है। जिसमें भारत के अरबपतियों की दौलत के बारे में जिक्र किया है। तो आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर भारत के टॉप अरबपतियों की दौलत कितनी है और बांग्लादेश की जीडीपी कितनी आंकी गई है। इसी महीने में इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक की रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश की जीडीपी 446.35 अरब डॉलर है। साउथ वेस्ट एशिया के छोटे देशों में शुमार बांग्लादेश की ग्रोथ रेट ने हाल के सालों में काफी इंप्रैस किया है। आईएमएफ की रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश की रियल जीडीपी ग्रोथ 6 फीसदी पर है। जो दुनिया के कई देशों के मुकाबले काफी बेहतर दिखाई दे रही है। खास बात तो ये है ये आंकड़ें तो मौजूदा समय में चीन के नहीं है। ऐसे में बांग्लादेश की जीडीपी आंकड़ा भारत के मुकाबले करीब 8 से 9 गुना कम है। वहीं ग्रोथ रेट के मोर्चे पर भारत को टक्कर देना हुआ दिखार्द दे रहा है।

भारत के टॉप 20 अरबपतियों की दौलत है ज्यादा

वहीं दूसरी ओर भारत के टॉप 20 दौलतमंद अमीरों की नेटवर्थ की कैलुकेशन करे तो बांग्लादेश कही कुल जीडीपी से काफी ज्यादा है। आंकड़ों के अनुसार भारत के टॉप 20 अरबपतियों की कुल दौलत 463.2 अरब डॉलर है। फोर्ब्स की ओर से 11 अक्टूबर को रिपोर्ट आई थी, जिसमें भारत के 100 अमीरों की दौलत के बारे में जानकारी दी। जबकि भारत के कुल 100 अरबपतियों कुल नेटवर्थ 799 अरब डॉलर से ज्यादा हैं। भारत के सभी अरबपतियों की कुल दौलत भारत के टॉप 20 अरबपतियों की दौलत का कैलुकेशन किया

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
उन चीज़ों पर काम करने के लिए फ़ायदेमंद दिन जो आपके स्वास्थ्य में सुधार लाएँगी। आज आपको आर्थिक लाभ मिलने की पूरी संभावना है, लेकिन आपको दान-पुण्य अवश्य करना चाहिए, इससे मानसिक शांति मिलेगी। पारिवारिक रहस्य की खबर आपको आश्चर्यचकित कर सकती है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
अपने स्वास्थ्य में सुधार करें क्योंकि कमजोर शरीर दिमाग को कमजोर कर देता है। आज आपके घर पर कोई अवांछित मेहमान आपको तनावपूर्ण स्थिति में डाल सकता है, जहां आपको काफी पैसे भी खर्च करने पड़ेंगे। अपनी ज़ुबान पर क़ाबू रखें क्योंकि इससे आपके दादा-दादी की भावनाओं को ठेस पहुँच सकती है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
दोस्त सहयोगी रहेंगे और आपको ख़ुश रखेंगे। आज आपको अपनी माता या पिता के स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। हालाँकि इससे आपकी आर्थिक स्थिति ख़राब होगी लेकिन रिश्ते भी मजबूत होंगे। आज आप अकेलापन और अकेलापन महसूस करेंगे- और अकेलेपन की भावना आपको समझदारी भरे फैसले लेने से रोक सकती है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप लंबी बीमारी से उबर जाएंगे। लेकिन किसी स्वार्थी, गुस्सैल इंसान से बचें क्योंकि वह आपको तनाव दे सकता है- जिससे समस्या और बढ़ सकती है। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है। साथ ही आपको अपने व्यवसाय को बेहतर बनाने के लिए धन भी खर्च करना पड़ सकता है

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
व्यस्त कामकाजी कार्यक्रम आपको गुस्सैल बना सकता है। जो लोग अब तक अपना पैसा बेवजह उड़ा रहे थे उन्हें आज से अपने कार्यों पर नियंत्रण रखना चाहिए और बचत करना शुरू कर देना चाहिए। परिवार के सदस्य आपके विचारों का समर्थन करेंगे। आपको अपना व्यवहार सबसे अच्छा रखने की ज़रूरत है।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)
शाम को अपने जीवनसाथी के साथ मूवी-थिएटर या डिनर पर जाना आपको आरामदायक और बढ़िया मूड में रखेगा। आपका कोई पुराना दोस्त आज आपको व्यवसाय में अधिक मुनाफ़ा कमाने के बारे में सलाह दे सकता है। यदि आप उसकी सलाह का पालन करते हैं, तो आप निश्चित रूप से भाग्यशाली हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
केवल आप जानते हैं कि आपके लिए क्या सबसे अच्छा है- इसलिए मजबूत और साहसी बनें तथा त्वरित निर्णय लें और परिणामों के साथ जीने के लिए तैयार रहें। आज आपके पास अच्छी खासी रकम होगी और इसके साथ ही मानसिक शांति भी मिलेगी। अपनी बड़ी पार्टी में सभी को शामिल करें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
भावनात्मक रूप से आप इस बात को लेकर अनिश्चित और अस्थिर दिमाग वाले होंगे कि आप वास्तव में क्या चाहते हैं। आज घर में कोई धार्मिक आयोजन होने की संभावना है। हालाँकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी, लेकिन इस पर आपका काफी पैसा भी खर्च हो सकता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
शारीरिक लाभ, विशेषकर मानसिक मजबूती के लिए ध्यान और योग शुरू करें। आज आपका कोई भाई-बहन आपसे पैसे उधार ले सकता है। हालाँकि आप उनकी इच्छा पूरी करेंगे, लेकिन इससे आपकी आर्थिक तंगी बढ़ सकती है। शाम के समय आपके यहाँ अप्रत्याशित मेहमानों की भीड़ उमड़ पड़ेगी।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
कुछ मानसिक दबावों के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। धन कमाने के नए अवसर लाभप्रद रहेंगे। बच्चे अपनी उपलब्धियों से आपको गौरवान्वित महसूस कराएंगे। आपको अपने रोमांस के सबसे बुरे दौर का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि इससे आप टूट सकते हैं। आपको फ़ायदा होने की संभावना है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
बहुत अधिक चिंता और तनाव उच्च रक्तचाप का कारण बन सकता है। आज आपको व्यापार में जबरदस्त मुनाफा देखने को मिल सकता है। आज आप अपने कारोबार को नई ऊंचाइयां दे सकते हैं। आपके लिए बेहतर होगा कि आप उन मुद्दों से बचें जो प्रियजनों के साथ बहस का कारण बन सकते हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
अवसाद या तनाव मन की शांति ख़राब कर सकते हैं। अगर आप पार्टनरशिप में व्यापार करते हैं तो आज आपका पार्टनर आपको धोखा दे सकता है और आपका पैसा लेकर भाग सकता है। आपका जिद्दी व्यवहार घर के लोगों और यहां तक कि आपके करीबी दोस्तों को भी नाराज कर सकता है।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

'घूस लेकर सवाल' करने के केस में आगे क्या संभावना है?

एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष बीजेपी सांसद, पहले भी जा चुकी 11 की सांसदी रद्द

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ पैसे लेकर सवाल पूछने की शिकायत को लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने एथिक्स कमेटी (आचार समिति) को भेज दिया है। ये वो कमेटी है, जिसके अध्यक्ष भाजपा सांसद विनोद सोनकर हैं। 15 मेंबर्स वाली इस कमेटी में 7 भाजपा सांसद हैं। 18 साल पहले घूस लेकर सवाल पूछने के आरोप में 11 सांसदों को बर्खास्त किया जा चुका है। सवाल है कि एथिक्स कमेटी जो 'सवाल के बदले घूस' मामले में जांच कर रही है, क्या महुआ मोइत्रा की सांसदी छीन सकती है? 1996 में दिल्ली में पीठासीन अफसरों का एक सम्मेलन हुआ था। इसमें पहली बार संसद के दोनों सदनों के लिए एथिक्स पैनल बनाने की बात रखी गई। तब के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति केआर नारायणन ने 4 मार्च 1997 को राज्यसभा की एथिक्स कमेटी का गठन किया। दो महीने बाद इस कमेटी ने काम करना शुरू कर दिया था, जो सांसदों के मॉरल, एथिकल कंडक्ट (आचरण), मिसकंडक्ट (कदाचार) मामलों की जांच करती थी। हालांकि, लोकसभा की एथिक्स कमेटी बनने में वक्त लगा।

लोकसभा की विशेषाधिकार समिति के स्टडी ग्रुप ने 1997 में ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका का दौरा किया। वहां के सांसदों के एथिकल कंडक्ट को जाना। इसके बाद एक रिपोर्ट तैयार की। पटल पर रखे जाने से पहले ही लोकसभा भंग हो गई। 12वीं लोकसभा में पेश किए जाने से पहले ही वह भी भंग हो गई। आखिर में 13वीं लोकसभा में विशेषाधिकारी समिति ने एथिक्स कमेटी के गठन की सिफारिश की। सन 2000 में तब के लोकसभा स्पीकर जीएमसी बालयोगी ने एथिक्स कमेटी का गठन किया और 2015 में यह लोकसभा का परमानेंट हिस्सा बन गई। लोकसभा की कमेटी के नियम आज भी फाइनल नहीं हुए हैं। ये राज्यसभा की एथिकल कमेटी के तय नियमों पर चलती है। एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष और सदस्यों का चुनाव लोकसभा स्पीकर करते हैं।

आम नागरिक भी शिकायत कर सकता है

कोई भी व्यक्ति लोकसभा के किसी सांसद के खिलाफ अन्य दूसरे सांसद के माध्यम से कदाचार के मामले की शिकायत कर सकता है। जैसा कि महुआ मोइत्रा के मामले में हुआ है। एडवोकेट जय अनंत देहाद्राई ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के माध्यम से शिकायत की है। इसके लिए लोकसभा स्पीकर को एक हलफनामा और तमाम सबूत देने होते हैं, जिसमें ये दावा किया गया हो कि उस सांसद ने आचरण के विरुद्ध काम किया है। एक सांसद, दूसरे सांसद के खिलाफ बिना हलफनामे के भी शिकायत कर सकता है। ये कमेटी मीडिया रिपोर्ट, कोर्ट में चल रहे मामलों के आधार पर सुनवाई नहीं करती है। लोकसभा स्पीकर के पास अधिकार होता है कि वो किसी भी सांसद के खिलाफ कोई भी शिकायत एथिक्स कमेटी को भेज सकते हैं। कमेटी पहले प्राइमरी जांच करती है, फिर जांच बढ़ाती है। इसके बाद जांच रिपोर्ट स्पीकर के सामने पेश की जाती है। कमेटी अपनी रिपोर्ट में सजा की सिफारिश कर सकती है। सदन में रिपोर्ट रखे जाने के बाद सदन की सहमति से सांसद के खिलाफ कार्यवाही की जाती है। अगर सेशन नहीं भी चल रहा हो तो स्पीकर को कार्यवाही करने का अधिकार है।

2005 में 11 सांसद बर्खास्त हुए थे

संसद में पैसे लेकर सवाल पूछने के आरोप को सही पाए जाने के बाद 23 दिसंबर 2005 को 10 लोकसभा सांसद और एक राज्यसभा सांसद (छत्रपाल सिंह लोधा) को बर्खास्त कर दिया गया था। इनमें 6 भाजपा, 3 बीएसपी और कांग्रेस और राजद का एक-एक सांसद शामिल था। इन सांसदों के खिलाफ पर्याप्त

सबूत थे। ये लोग नेशनल टेलीविजन पर एक स्टिंग ऑपरेशन के तहत पैसे लेकर सवाल पूछने की बात स्वीकार कर रहे थे। लोकसभा सांसदों की जांच जिस एथिक्स कमेटी ने की थी, उसके अध्यक्ष कांग्रेस सांसद पवन बंसल थे।

तब बीजेपी ने इस फैसले का विरोध किया था

उस समय विपक्ष के नेता लालकृष्ण आडवाणी थे। जब इन सांसदों के खिलाफ कार्यवाही के लिए मतदान किया जा रहा था, तब बीजेपी ने वॉकआउट कर दिया था। इनके बगैर ही सर्वसम्मति से सांसदों को बर्खास्त करने का प्रस्ताव पास कर दिया गया था। भाजपा और विपक्षी दलों का कहना था कि दोषी सांसदों का मामला विशेषाधिकार समिति के पास भेज देना चाहिए और वकीलों के माध्यम से भी उन्हें अपनी बात रखने देना चाहिए। इस पर प्रस्ताव रखने वाले सदन के नेता प्रणब मुखर्जी ने कहा था कि हर फैसला कोर्ट में नहीं हो सकता। हमें कई बातों से ऊपर उठकर संसद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए फैसला लेना चाहिए।

महुआ मोइत्रा के मामले पर आगे क्या होगा?

एथिक्स कमेटी महुआ मोइत्रा को समन देकर पेश होने को कह सकती है। उनसे पूछताछ कर सकती है। आरोप लगाने वाले सांसद निशिकांत दुबे से सबूत मांग सकती है। अगर मोइत्रा दोषी साबित होती हैं तो उनकी सदस्यता भी जा सकती है। लोकसभा की एथिक्स कमेटी ने काम शुरू कर दिया है। बुधवार को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और वकील जय अनंत देहाद्राई को मौखिक सबूत देने के लिए गुरुवार 26 अक्टूबर को पेश होने के लिए कहा गया है।

जिस भी सांसद पर ऐसे आरोप लगते हैं उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाता है। कमेटी आरोप लगाने वालों को भी समन देकर पूछताछ के लिए बुला सकती है। कमेटी जांच करेगी कि क्या ये किसी खास के हित में या उसके बिजनेस को लाभ पहुंचाने के लिए पूछे गए हैं। पूरी जांच कर एथिक्स कमेटी अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष को देगी। अगर इसमें किसी भी तरह की सजा की सिफारिश की जाती है तो संसद में रिपोर्ट रखे जाने के बाद सहमति के आधार पर उस सांसद के खिलाफ एक्शन लिया जा सकता है। वहीं स्पीकर को भी ये अधिकार है कि वो सेशन नहीं चल रहा हो तो कार्रवाई को लेकर फैसला ले सकते हैं। जो एथिक्स कमेटी महुआ का केस सुनेगी, उसकी बैठक दो साल से नहीं हुई है। उसकी आखिरी बैठक 27 जुलाई 2021 को हुई थी।

पैसे लेकर सवाल पूछने के एपिसोड के 4 किरदार

पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले के चार मुख्य किरदार हैं। इनमें एक टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा, दूसरे भाजपा सांसद निशिकांत दुबे हैं। तीसरे और चौथे किरदार नए हैं।

महुआ मोइत्रा : टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा का जन्म कोलकाता में हुआ। वे मूलतः बैंकर हैं। बेसिक एजुकेशन के बाद मोइत्रा हायर एजुकेशन के लिए अमेरिका गईं। हायर एजुकेशन पूरी हुई तो उनकी नौकरी लंदन के एक प्रतिष्ठित बैंक में लगी। अपने काम के बूते पर कम समय में ही वे बैंक की प्रेसिडेंट बन गईं। कुछ सालों में उनका नौकरी से मोह भंग हुआ और वे राजनीति में कूदीं। उन्होंने 2016 में पहला चुनाव पश्चिम बंगाल के करीम नगर विधानसभा से जीता था। 2019 में वे टीएमसी के टिकट पर कृष्णनगर से लोकसभा चुनाव लड़ी और जीतीं।

निशिकांत दुबे: गोड्डा बिहार से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने 2009 में राजनीति में कदम रखा था। इससे पहले वे एस्सार ग्रुप में कॉर्पोरेट हेड थे। उन्होंने 2009 में गोड्डा से पहला चुनाव जीता था। इसके बाद 2014 और 2019 में भी जीत हासिल की।

दर्शन हीरानंदानी: 42 वर्षीय दर्शन हीरानंदानी मुंबई बेस्ड रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी हीरानंदानी ग्रुप के सीईओ हैं। उनके पिता रियल एस्टेट टाइकून निरंजन हीरानंदानी हैं। दर्शन डेटा सेंटर, क्लाउड कम्प्यूटिंग, तेल और गैस, लॉजिस्टिक, वेयरहाउस जैसी कई कंपनियों के प्रेसिडेंट हैं, जो हीरानंदानी ग्रुप के अंडर में हैं।

दर्शन ने न्यूयॉर्क के रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एमबीए की डिग्री ली है। हीरानंदानी ग्रुप अडाणी ग्रुप का कॉम्पिटिटर है। ये कई टेंडरों में अडाणी ग्रुप का राइवल रहा है। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर आरोप है कि उन्होंने दर्शन हीराचंदानी से पैसे और महंगे उपहार लेकर संसद में 61 सवाल पूछे, जिनमें से 50 अडाणी ग्रुप से जुड़े थे।

जय अनंत देहाद्राई: जय अनंत देहाद्राई सुप्रीम कोर्ट में वकील हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जय अनंत देहाद्राई और महुआ मोइत्रा दोनों पहले दोस्त थे, बाद में दोनों में झगड़ा हो गया। मोइत्रा ने पिछले छह महीनों में आपराधिक अतिक्रमण, चोरी, अश्लील संदेश और दुर्व्यवहार के लिए देहाद्राई के खिलाफ कई पुलिस शिकायतें दर्ज कराई हैं। जय अनंत पर ये भी आरोप था कि उन्होंने मोइत्रा के घर पर कब्जा कर लिया और उनका कुत्ता भी रख लिया है, बाद में कुत्ते को लौटा दिया गया था। दोनों में कड़वाहट इतनी बढ़ गई कि जय अनंत ने महुआ के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। जय अनंत ने सीबीआई में मोइत्रा के खिलाफ सबूत देकर शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद यही सबूत बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के माध्यम से पेश कर संसद में शिकायत दर्ज कराई गई है।

शाह बोले- छत्तीसगढ़ में 3 दिवाली मनेगी

जगदलपुर में गृहमंत्री ने कहा- पहली त्योहार वाली, दूसरी 3 दिसंबर को, तीसरी अयोध्या में राम मंदिर बनने पर

जगदलपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि, हमें छत्तीसगढ़ में तीन दिवाली मनानी है, पहली त्योहार वाली, दूसरी दिवाली 3 दिसंबर को जब सरकार कमल की बनेगी तब और तीसरी दिवाली जब अयोध्या में जनवरी में श्रीराम का मंदिर बनेगा तब प्रभु के ननिहाल में दिवाली मनेगी। शाह गुरुवार को जगदलपुर और कोंडागांव में सभा को संबोधित कर रहे थे। दोनों जगहों पर प्रत्याशियों के नामांकन में शामिल होने पहुंचे शाह ने कहा भूपेश बघेल यहां आकर झूठ कह कर गए कि नगरनार स्टील प्लांट का निजीकरण किया जा रह है। मैं आज यहां कह रहा हूं नगरनार स्टील प्लांट का कोई निजीकरण नहीं होना है। इस पर सिर्फ हमारे बस्तर के लोगों का अधिकार है और किसी का अधिकार नहीं है।

बस्तर एक जमाने में घनघोर नक्सली क्षेत्र माना जाता था। आज भी कुछ छत्तीसगढ़ में समस्याएं हैं। मैं आपको कहने आया हूं, एक बार फिर कमल फूल की सरकार लगा दो, पूरे छत्तीसगढ़ को नक्सल समस्या से मुक्त कर देंगे। मोदी जी के 9 साल में हिंसक घटनाओं में 52 फीसदी, मौतों में

70, नागरिकों की मृत्यु में 68 और जिले, पुलिस थाने जो प्रभावित थे। उनमें 62 फीसदी की कमी आई। मैं आज कांग्रेस पार्टी को कहना चाहता हूं कि, अगर बस्तर में नक्सली घटना होती है, तो पुलिस भी मरता है तो आदिवासी मरता है, नक्सली मरता है तो आदिवासी मरता है और नागरिक मरता है, तो आदिवासी मरता है, उनको बचाना चाहिए। मोदी जी ने 9 साल में रोड बनाए, रास्ते बनाए, घर में गैस सिलेंडर दिए, शौचालय बनाए। पांच किलो चावल देने की व्यवस्था की है।

भूपेश बाबू आपने क्या किया?

शराब बेचने की दुकानें खोलीं और 2 हजार करोड़ का घोटाला किया। कोयले के ट्रांसपोर्टेशन में 540 करोड़, गरीबों के अनाज में 5 हजार करोड़, गौठान में 13 सौ करोड़ का घोटाला किया। मैंने बहुत से घोटाले सुने, लेकिन गाय के गोबर में कोई 13 सौ करोड़ खा जाए, ऐसा आदमी नहीं देखा।

2047 तक एक भी सिकलसेल एनीमिया पीड़ित नहीं रहेगा

पहले आदिवासियों के लिए 29 हजार करोड़ होता था। मोदी सरकार में 1 लाख 25 हजार करोड़ आदिवासियों के लिए बजट रखा। कांग्रेस के जमाने में सिर्फ 90 स्कूल थे। मोदी सरकार में 90 से बढ़कर 740 किया गया। 40 हजार शिक्षकों की भर्ती भी मोदी सरकार में की जा रही है।

बस्तर के खनिज का पैसा यहां के विकास कार्यों में खर्च किया जा रहा है। पीने का पानी, शिक्षा, गौशाला का विकास, हर घर बिजली पहुंचाई जा रही है। ये सब केंद्र की योजनाओं के तहत किया जा रहा। 2047 तक भारत में एक भी आदिवासी भाई-बहन सिकलसेल एनीमिया से पीड़ित न हो इसके लिए विदेशी डॉक्टर्स के साथ मिलकर मिशन तैयार किया जा रहा है। तनुहार, किसान, सौरा, बिंजिया, विन्या, भुइंया और भुयान के साथ पंडो समुदाय को भी एसटी समुदाय में लाकर मोदी सरकार का काम किया। भगवान बिरसा मुंडा को अमर करने का काम मोदी सरकार ने किया। आजादी के बाद आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनाकर उन्हें सम्मान देने का काम भाजपा ने किया। भूपेश सरकार ने बस्तर को अंधेरे में डूबोने का काम किया। बघेल सरकार ने सिर्फ एक काम किया छत्तीसगढ़ का पैसा दिल्ली दरबार भेजने का काम।

ऑपरेटरों को आकर्षित करने के लिए कई संशोधनों को मंजूरी

रांची, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड कैबिनेट ने ग्रामीण परिवहन योजना 'मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना' (एमएमजीजीवाई) के क्रियान्वयन के लिए निजी ऑपरेटरों को आकर्षित करने के लिए कई संशोधनों को मंजूरी दे दी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि सरकार ने ऑपरेटरों को अधिक राहत और लाभ देने का फैसला किया है, जिसमें अतिरिक्त वित्तीय सहायता, बैठने की क्षमता बढ़ाने की अनुमति और योजना के तहत यात्री वाहनों के लिए मार्ग की लंबाई में विस्तार शामिल है। झारखंड की कैबिनेट सचिव वंदना डाडेल ने कहा, 'योजना के तहत ऐसे वाहनों के लिए बैठने की क्षमता पहले के 33 से बढ़ाकर 42 कर दी गई है।

सरकार ने वाहनों को उनकी बैठने की क्षमता के अनुसार प्रति किलोमीटर वित्तीय सहायता प्रदान करने का भी फैसला लिया।' उन्होंने कहा, 7 से 12 के बीच बैठने की क्षमता वाले वाहनों को 7.5 रुपये प्रति किलोमीटर और 33 से 42 के बीच की क्षमता वाले वाहनों को 18 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से वित्तीय सहायता मिलेगी।

आईएनडीआईए गठबंधन में दरार

नाराज अखिलेश यादव बोले- कांग्रेस धोखेबाज है, पता होता तो नहीं करते गठबंधन

सीतापुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। सपा मुखिया व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस से खासा नाराज हैं। बृहस्पतिवार को सीतापुर पहुंचे सपा मुखिया ने कांग्रेस पर सीधा हमला बोला। उन्होंने दो टूक कहा कि कांग्रेस अपने चिरकुट नेताओं से सपा के लिए बयानबाजी न करवाएं।

अखिलेश ने कांग्रेस को धोखेबाज बताते हुए कहा कि अगर उन्हें पता होता 'आईएनडीआईए' गठबंधन विधानसभा स्तर पर नहीं है तो कांग्रेस से बात ही नहीं करते। शाहजहांपुर जाते समय सपा जिलाध्यक्ष छत्रपाल यादव के आवास पर पूर्व मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि अगर वे (कांग्रेस) कहते हैं, कि विधानसभा स्तर पर गठबंधन नहीं है तो हम स्वीकार करते हैं। शायद हमें ही कन्फ्यूजन रहा होगा। मध्य प्रदेश में सपा की कोई हैसियत नहीं है, यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के इस बयान पर पलटवार करते हुए अखिलेश बोले कि उनकी हैसियत क्या है। आईएनडीआईए गठबंधन के बारे में वे कितना जानते हैं,

कितनी बैठकों में थे। अखिलेश ने कहा कि कांग्रेस के बड़े नेताओं से अपील हैं कि छोटे नेताओं से इस तरह की बयानबाजी न कराएं। उन्होंने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन की मीटिंग में कमलनाथ और दिग्विजय सिंह ने रात-रात भर वार्ता की। मध्य प्रदेश में कहां, किस सीट पर सपा जीती, कहां नंबर दो पर रही यह आंकड़ा लेकर भरोसा दिया कि 6 सीटों पर विचार करेंगे। फिर सपा को एक भी सीट नहीं दी इसलिए हमने वहां अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी। आईएनडीआईए गठबंधन पर कहा कि अगर यह सिर्फ लोकसभा के लिए है तो इस पर विचार किया जाएगा। कांग्रेस जैसा व्यवहार सपा के साथ करेगी, वैसा ही उनके साथ किया जाएगा। इस मौके पर विधायक अनिल वर्मा, एमएलसी जासमीर अंसारी, पूर्व विधायक अनूप गुप्ता आदि मौजूद थे। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आजम खान मुस्लिम हैं, इसलिए उनके साथ अन्याय हो रहा है। सारी चीजों पर गौर करने से यही लगता है। अखिलेश बोले कि सवाल यह है, आजम खान के साथ साजिश कौन कर रहा है। भाजपा या उसके समर्थक। आजम से मिलने के सवाल पर बोले कि यह फैसला उन पर छोड़ दें। आजम उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पारिवारिक सदस्य हैं।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि सीतापुर में सांड़ बहुत दिखते हैं।

हाईवे के डिवाइडर पर जगह-जगह सांड़ बैठे नजर आते हैं। भाजपा वाले क्या कर रहे हैं। धान खरीद केन्द्र पर क्या किसी किसान की उपज खरीदी जा रही है। यह भी बड़ा सवाल है। देवरिया में पत्रकारों पर हुए लाठीचार्ज पर उन्होंने कहा हमें दुख है कि भाजपा सभी को पीट रही है।

कांग्रेस के 53 प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी

रायपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ चुनाव के लिए कांग्रेस ने एक और लिस्ट जारी कर दी है। दूसरी लिस्ट में 53 प्रत्याशियों को टिकट मिला है। इसमें 17 नए चेहरे हैं, वहीं 10 विधायकों के टिकट कटे हैं। इससे पहले नवरात्रि के पहले दिन पहली सूची जारी की गई थी। जिसमें 30 प्रत्याशी घोषित किए गए। कुल अब तक कांग्रेस ने 83 प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। अब 7 सीटों पर अब भी नाम घोषित नहीं किए गए हैं। जगदलपुर के पूर्व महापौर जतिन जायसवाल को कांग्रेस ने जगदलपुर सीट से प्रत्याशी बनाया है। टीएस सिंहदेव के करीबी माने जाने वाले जतिन का मुकाबला बीजेपी प्रत्याशी किरण देव से होगा। यानी इस अनारक्षित सीट पर चुनावी जंग दो पूर्व महापौर के बीच होगी। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 2 शहरों के मेयर को भी मैदान में उतारा है। कांग्रेस की दूसरी सूची में भिलाई-चरौदा के महापौर निर्मल कोसरे को अहिवारा और अंबिकापुर के मेयर अजय तिर्की को रामानुजगंज से उम्मीदवार बनाया गया है।

राज्यपाल बनाए जाने के बाद बोले रघुवर दास

जमशेदपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को ओडिशा का राज्यपाल बनाया गया है। रघुवर दास ने इस संबंध में जमशेदपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को धन्यवाद दिया है। उन्होंने झारखंड और खासकर जमशेदपुर की जनता का आभार जताते हुए बधाई दी है।

साधारण मजदूर को मिली है बड़ी जिम्मेदारी

रघुवर दास ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एक साधारण मजदूर को आज इतनी बड़ी संवैधानिक पद की जिम्मेदारी मिली है यह बड़ी बात है। पूरे राज्य की जनता कार्यकर्ता और नेता खुश हैं। कहीं कोई मायूसी नहीं है। यह बड़ी जिम्मेदारी है। पहली बार जमशेदपुर के मजदूर को संवैधानिक पद का दायित्व दिया है। एक कार्यकर्ता जो ओडिशा जैसे राज्य में संवैधानिक जिम्मेदारी संभालने जा रहा है।

भाजपा में एक से बढ़कर एक कार्यकर्ता

रघुवर दास ने कहा किसी के आने या जाने से पार्टी में कोई असर नहीं पड़ता। भाजपा बड़ी पार्टी है। यह कार्यकर्ताओं की पार्टी है। मैं भी एक कार्यकर्ता था। पार्टी ने दीनानाथ पांडेय का टिकट काटकर मुझे, एक साधारण कार्यकर्ता को जिम्मेदारी

सौंपी थी। भाजपा में एक से बढ़कर एक कार्यकर्ता हैं। यह बड़ी फौज है। पार्टी जिसे जहां भी जो दायित्व दे उसे पार्टी के कार्यकर्ता पूरी ईमानदारी से निभाएं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद कार्यकर्ताओं ने रघुवर दास को मिठाई खिलाई।

वरिष्ठ नेताओं ने भी दी है बधाई

रघुवर दास के राज्यपाल बनाए जाने की खबर के बाद देर रात पार्टी के कई कार्यकर्ताओं ने बधाई दी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, सांसद निशिकांत दुबे सहित कई नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी है।

रघुवर दास ने भी इस संबंध में सोशल मीडिया पर लिखा, भगवान जगन्नाथ की पावन भूमि ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त करने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, गृहमंत्री अमित शाह जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जेपी नड्डा जी और केंद्रीय नेतृत्व का आभार पार्टी के दिए इस दायित्व को पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करूंगा।

भटगांव सीट पर पारसनाथ रजवाड़े और लक्ष्मी रजवाड़े का होगा चुनावी मुकाबला

सूरजपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की दूसरी सूची लंबे अंतराल के बाद बुधवार की देर शाम जारी की गई। जिसमें भटगांव विधानसभा से पारसनाथ राजवाड़े व प्रेमनगर विधानसभा से खेलसाय सिंह दोनों ही सीटिंग विधायक को दोबारा उम्मीदवार घोषित किया गया। सूरजपुर जिले के दोनों ही अनारक्षित सीट पर कांग्रेस व भाजपा पार्टियों ने पिछड़ा वर्ग व अनुसूचित जनजाति समुदाय से उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारा है। भटगांव विधानसभा से वर्ष 2013 में पहली बार पारसनाथ राजवाड़े अपने प्रतिद्वंद्वी भाजपा की रजनी रविशंकर त्रिपाठी को मात देकर विधायक बनकर सदन पहुंचे थे। रजनी रविशंकर त्रिपाठी को हराने के बाद से पारसनाथ रजवाड़े की क्षेत्र में सक्रियता एवं कार्यकर्ताओं के बीच अच्छी पकड़ बनी। जिसका फायदा उन्होंने बकायदा वर्ष 2018 के चुनाव में बखूबी उठाया। ये दोबारा अपने प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवार रजनी रविशंकर त्रिपाठी को पराजित कर विधायक बने। इसके बाद लगातार दूसरी पारी में विधायक निर्वाचित होने पर उन्हें प्रदेश सरकार में संसदीय सचिव बनाया गया। इसके बाद उनकी क्षेत्र में सक्रियता और भी बढ़ गई। पारसनाथ रजवाड़े ने प्रदेश में अपनी सरकार होने का फायदा उठाते हुए अपने विधानसभा की तस्वीर बदलने की कोई कसर नहीं छोड़ी।

धनबाद और गिरिडीह में तीन महिलाओं का शव मिलने से सनसनी, हत्या की आशंका

गिरिडीह, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। गिरिडीह और धनबाद जिले में अलग-अलग स्थानों से पुलिस ने तीन महिलाओं के शव को बरामद किया है। धनबाद के सुदामडीह थाना क्षेत्र में बुधवार रात दामोदर नदी के पास सीता नाला में दो महिलाओं के शव पाए गए। शौच के लिए गए ग्रामीणों की नजर इन शवों पर पड़ी। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गयी। पुलिस ने दोनों शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इनमें से एक की उम्र 45 साल और दूसरे की उम्र 55 साल के करीब है। आशंका जतायी जा रही है कि दोनों की हत्या कर शवों को पुल के नीचे फेंका गया है। इस बाबत सुदामडीह थाना प्रभारी प्रदीप राणा ने बताया कि दो शव दामोदर नदी के किनारे मिले हैं।

गले में नींबू-मिर्ची का हार पहनकर नामांकन दाखिल करने पहुंचा प्रत्याशी

कबीरधाम, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कवर्धा विधानसभा क्षेत्र में एक प्रत्याशी अजीबो-गरोबी तरीके से नामांकन जमा करने पहुंचा। प्रत्याशी अजय पाली (बाबा भाई) ने अपने गले में नींबू-मिर्च का हार पहनकर रखा था। अजय पाली ने बताया कि वह शिव भक्त हैं और शहर के सिटी कोतवाली के पास समोसे की दुकान लगाते हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान किसी

की नजर न लगे इस कारण उन्होंने अपने गले में नींबू-मिर्च का हार पहना है। प्रत्याशी अजय पाली ने बताया कि वे अब तक कई बार चुनाव लड़ चुके हैं। जिसमें राजनांदगांव लोकसभा सीट से दो बार, कवर्धा विधानसभा से भी दो बार और कवर्धा नगर पालिका में अध्यक्ष से लेकर पार्षद तक का चुनाव लड़ चुके हैं। हालांकि, सभी चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। इस बार फिर से कवर्धा विधानसभा से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। कवर्धा विधानसभा से उसके सामने वर्तमान के विधायक व मंत्री मोहम्मद अकबर, भाजपा से विजय शर्मा जैसे अन्य प्रत्याशी हैं। अजय पाली कवर्धा के रहने वाले हैं। यह कवर्धा शहर में सबसे कम दाम में समोसा बेचते हैं। इसी काम से ही परिवार का भरण-पोषण होता है। अजय पाली ने बताया कि वह समोसा बेचने का काम बीते 15 साल से कर रहे हैं। पूरे कवर्धा में एक रुपये में समोसा बेचने का काम किया।

इजराइल पर हो रहे हमलों से जुड़ा बड़ा खुलासा

हमास को पड़ोसियों से नहीं, बल्कि इस देश से मिल रहे हथियार

प्योंगयांग, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच युद्ध में करीब पांच हजार लोगों की मौत हो गई। गाजा पट्टी में अभी तक 3500 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, इजराइल में 1400 लोग मारे जा चुके हैं। इस बीच, एक वीडियो सामने आ रहा है, जिससे संभावना जताई जा रही है कि सात अक्तूबर को हमास द्वारा इजराइल पर अचानक हुए हमले में उत्तर कोरिया के हथियारों का इस्तेमाल किया गया है। एक वीडियो और इजराइल द्वारा जब्त किए गए हथियारों से पता चलता है कि उत्तर कोरिया इनकार करने के बावजूद वह हमास को हथियार बेचता है।

एफ-7 का इस्तेमाल

वीडियो का विश्लेषण उत्तर कोरियाई हथियारों के दो विशेषज्ञों द्वारा किया गया था। युद्ध के दौरान जब्त किए गए हथियारों और दक्षिण कोरियाई सैन्य खुफिया जानकारी के

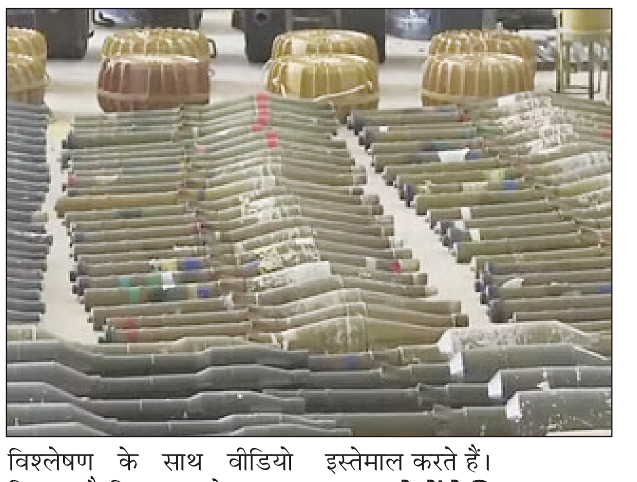

विश्लेषण के साथ वीडियो दिखाता है कि हमास ने एफ-7 रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड का इस्तेमाल किया है।

बता दें, एफ-7 रॉकेट, एक कंधे से दागा जाने वाला हथियार है, जिसे लड़ाकू आमतौर पर बख्तरबंद वाहनों के खिलाफ इस्तेमाल करते हैं।

इन लोगों ने किया दावा

कंसल्टेंसी आर्मामेंट रिसर्च सर्विसेज के निदेशक के रूप में काम करने वाले हथियार विशेषज्ञ एनआर जेनजेन-जोन्स कहते हैं कि एफ-7 का सीरिया, इराक, लेबनान और गाजा पट्टी की लड़ाइयों में इस्तेमाल किया गया है। जोन्स ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया, 'उत्तर कोरिया लंबे समय से फलस्तीनी आतंकवादी समूहों का समर्थन करता रहा है और उत्तर कोरियाई हथियार संघर्ष के दौरान पहले भी मिल चुके हैं।

प्योंगयांग के हल्के हथियारों के बारे में लिखने वाले स्मॉल आर्म्स सर्वे के वरिष्ठ शोधकर्ता मैट श्रोएडर ने बताया कि हमास ने अपनी ट्रेनिंग की तस्वीरें जारी की हैं। इसमें लड़ाकू विमानों को एक हथियार के साथ दिखाया गया है, जिसके वारहेड पर एक लाल पट्टी है। इसके अलावा, इसकी डिजाइन भी एफ-7 से मेल खा रही है। उन्होंने कहा, 'मुझे कोई आश्चर्य नहीं हो रहा कि हमास के पास उत्तर कोरिया के हथियार हैं।'

नवाज शरीफ का पाकिस्तान आने का रास्ता साफ

दो मामलों में हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी से दी राहत

इस्लामाबाद, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का पाकिस्तान आने का रास्ता साफ हो गया है। दरअसल पाकिस्तान की इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने एवनफील्ड और अल-अजीजिया भ्रष्टाचार मामले में नवाज शरीफ को जमानत दे दी है। हालांकि अभी यह राहत अल्पकालिक है और अदालत ने 24 अक्तूबर तक ही पूर्व पीएम को गिरफ्तारी से राहत दी है। साथ ही पाकिस्तान भ्रष्टाचार रोधी अदालत ने भी नवाज शरीफ के खिलाफ तोशाखाना मामले में जारी वारंट को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के पूर्व पीएम और मुस्लिम लीग नवाज के अध्यक्ष नवाज शरीफ बीते कई सालों से ब्रिटेन में स्व-निर्वासित जीवन जी रहे हैं। अब 21 अक्तूबर को वह पाकिस्तान लौटने वाले हैं और माना जा रहा है कि पाकिस्तान लौटकर वह आगामी आम चुनाव में पार्टी का नेतृत्व कर सकते हैं।

फलस्तीनियों के नरसंहार की फंडिंग कर रहे बाइडन

इजराइल को मदद देने के खिलाफ अमेरिकी सांसद राशिदा तलैब

यरुशलम, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। आतंकी संगठन हमास के खिलाफ जंग में इजराइल की मदद को लेकर अमेरिकी सांसद ने अपने ही देश की सरकार को घेर लिया। हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में डेमोक्रेट पार्टी की सांसद राशिदा तलैब ने राष्ट्रपति बाइडन पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सरकार फलस्तीनियों के नरसंहार की फंडिंग कर रही है।

क्या बोलीं अमेरिकी सांसद?

अमेरिकी संसद में इकलौती फलस्तीनी-अमेरिकी सांसद राशिदा तलैब ने कैपिटल हिल पर फलस्तीन के समर्थन में निकाली गई एक रैली के दौरान इजराइल-हमास के बीच जंग में तुरंत युद्धविराम लागू करने की मांग की। इस दौरान उन्होंने गाजा में अस्पताल में हुए हमले के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया। अपने भाषण के दौरान राशिदा भावुक हो गईं और मंच पर ही रोने लगीं। उन्होंने कहा, यह बहुत दर्दनाक है। यह देखना कि लोग

एक अस्पताल, जहां बच्चे मौजूद थे, उस पर बमबारी देखकर भी ठीक हैं। आप जानते हैं क्या देखना और मुश्किल है, ऐसे वीडियो जिनमें लोग बच्चों से कह रहे हैं कि रोना मत, लेकिन उन्हें रोते ही रहने देते हैं। ये बच्चे कांपते दिखते हैं, लेकिन लोग उन्हें शांत कराने की कोशिश करते हैं। ऐसे वीडियो को देखकर अगर हम नहीं रोते तो कुछ तो गलत है।

राशिदा ने कहा, मैं आपको बता रही हूं राष्ट्रपति बाइडन, इस मुद्दे पर पूरा अमेरिका आपके साथ नहीं है। आपको यह समझना होगा। हम लोगों को नरसंहार करते और बड़ी संख्या में कुछ को मरते देख रहे हैं, लेकिन फिर भी हम कुछ नहीं करते और मूक दर्शक बने रहते हैं। हमें यह याद रखना चाहिए। इस्राइल-हमास जंग को लेकर राशिदा तलैब लगातार अमेरिकी सरकार से उलट दावे करती रही हैं। गाजा के अस्पताल पर हमले के ठीक बाद उन्होंने बिना तथ्यों की पुष्टि किए इसके आरोप इस्राइल पर लगा दिए थे, जबकि इस्राइल ने साफ किया था कि यह हमले फलस्तीनी संगठन फलस्तीन इस्लामिक जिहाद की तरफ से किए गए। खुद अमेरिकी सरकार, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भी अब तक के विश्लेषण में गाजा के अस्पताल में हमले के पीछे इस्राइल का हाथ नहीं पाया है।

गाजा के अस्पताल में हुए विस्फोट के लिए इजराइल जिम्मेदार नहीं

व्हाइट हाउस ने कहा- हम आगे की जांच कर रहे

वाशिंगटन, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजा के अल-अहली अस्पताल में हुए विस्फोट का फलस्तीनी सरकार लगातार इजराइल पर आरोप लगा रही है। इस बीच, अमेरिका ने इजराइल का पक्ष लिया है। व्हाइट हाउस का कहना है कि गाजा अस्पताल विस्फोट के लिए इजराइल जिम्मेदार नहीं है।

व्हाइट हाउस ने खुफिया तस्वीरों और सूत्रों से मिली सूचनाओं के आधार पर कहा कि जांच से संकेत मिला है कि गाजा के अस्पताल में मंगलवार को हुए घातक विस्फोट के लिए इजराइल जिम्मेदार नहीं है। बता दें, अमेरिका का यह बयान बुधवार को उसी दिन आया, जब राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपनी यात्रा के दौरान इजराइल के साथ एकजुटता दिखाई। गौरतलब है, फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि अल-अहली अस्पताल में मंगलवार देर रात हुए भीषण विस्फोट में 471 लोगों की मौत हो गई, जबकि 314 अन्य घायल हो गए। व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता एड्रिएन वाटसन ने एक बयान में कहा, 'अमेरिकी सरकार का आकलन है कि गाजा पट्टी के अल अहली अस्पताल में कल हुए विस्फोट के लिए इजराइल जिम्मेदार नहीं है।' उन्होंने खुफिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि गाजा पट्टी में कुछ आतंकियों का मानना है कि विस्फोट फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद द्वारा किए गए गलत रॉकेट या मिसाइल लॉन्च के कारण हुआ था। उन्होंने आगे कहा, 'हम इस बात की पुष्टि करने के लिए काम कर रहे हैं कि क्या हमले में इस्लामिक जिहाद का हाथ था।'

अब तक क्या कुछ हुआ?

इजराइल और हमास के बीच संघर्ष शुरू हुए अब 13 दिन हो चुके हैं। दोनों ही ओर से जारी हमलों में अब तक करीब 5000 लोगों की जान जा चुकी है। इजराइल में हमास के हमले में मरने वालों की संख्या 1400 से ज्यादा है। उधर गाजा पट्टी में हुई बमबारी में 3500 की मौत हो चुकी है। इनमें एक बड़ा आंकड़ा मंगलवार को अस्पताल में हुए धमाके में मारे जाने वाले लोगों का है। इस बीच गुरुवार को वेस्ट बैंक में इजराइली बलों और फलस्तीनियों के बीच झड़प हो गई। बताया गया है कि इजराइल के कुछ सैनिक जब हमास के संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रहे थे, उसी दौरान भीड़ ने उन पर हमला कर दिया। जवाबी कार्रवाई में दो युवकों समेत तीन फलस्तीनियों की जान चली गई।

अमेरिका के पश्चिम में पड़ रही रिकॉर्डतोड़ गर्मी पूर्व में कड़ाके की ठंड

वॉशिंगटन, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में इन दिनों मौसम के अजब रंग देखने को मिल रहे हैं। दरअसल अमेरिका के पूर्व और पश्चिमी इलाकों के मौसम में भारी अंतर देखने को मिल रहा है। पूर्व में जहां तापमान औसत से नीचे हैं और कड़ाके की ठंड पड़ रही है, वहीं पश्चिम में तापमान औसत से 10-20 डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा है और लोग तेज गर्मी से जूझ रहे हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मौसम विभाग का कहना है कि जेट स्ट्रीम के चलते अमेरिका के मौसम में यह तेज बदलाव देखने को मिल रहा है। बता दें कि जेट स्ट्रीम धरती के चारों तरफ से घेरने वाली एक तेज, संकीर्ण धारा है। इसी के चलते पूर्व में मौसम ठंडा है और पश्चिम में गर्मी पड़ रही है। हालांकि पूर्व में कम तापमान के साथ शुष्क हवाएं चल रही हैं, जिससे पतझड़ के मौसम जैसा अनुभव हो रहा है। मौसम विशेषज्ञ स्टीव बेंडर ने बताया कि टेक्सास के विक्टोरिया और बेमोंट में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। वहीं ओहियो वैली और फ्लोरिडा पेनिनसुला में तापमान 10-20 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा है।

एआई चैटबॉट बना स्कूल का टीचर

हेडमास्टर का दावा- हर तीसरा शिक्षक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद ले रहा

लंदन, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटिश बोर्डिंग स्कूल कॉट्समोर ने अबिगैल बैली को अपनी नई प्रिंसिपल हेड-टीचर बनाया है। बैली की खास बात है कि वे मानव नहीं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक आधारित चैटबॉट हैं।

इसी तरह जेमी रेनर को भी स्कूल ने नियुक्त किया है, वे एआई तकनीक के प्रमुख होंगे। जेमी खुद एक एआई आधारित चैटबॉट है। ब्रिटेन के स्कूलों में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, हर तीसरा शिक्षक एआई की मदद से अपने कई काम कर रहा है।

हालांकि, यह पहली बार है कि सीधे चैटबॉट ही उन बड़े पदों पर तैनात हो रहे हैं, जहां पहले मनुष्य रखे जाते थे। बैली हेड टीचर के रूप में डीप-लर्निंग और जनरेटिव एआई तकनीकों का उपयोग करके विद्यार्थियों के लिए काम करेगी। उसका काम स्कूल में पढ़ाई से जुड़े कामों का प्रबंधन होगा, जिसके लिए उसे विशेषज्ञों जैसी जानकारियों के साथ प्रोग्राम किया गया है। वह खुद भी नई चीजें सीखते हुए अपने काम को

सुधारती जाएगी।

हेडमास्टर ने कहा-मेरा दायां हाथ होगी बैली

कॉट्समोर के हेडमास्टर टॉम रोजरसन ने कहा कि स्कूल में बैली उनका दायां हाथ बन सकती है। शिक्षण नीतियां बनाने से लेकर विशेष जरूरत वाले बच्चों के काम करते वक्त वह मदद करेगी। उन्होंने कहा, यह सोच कर खुशी होती है कि उन्हें किसी काम के लिए अब दूसरों को कहना नहीं पड़ेगा, न उसके जवाब का इंतजार करना होगा।

स्कूल ने बताया कि एआई प्रमुख के रूप में जेमी को तब तैनात किया गया, जब यह काम करने लायक कोई मनुष्य उसे नहीं मिला। बड़ी संख्या में आवेदन आए थे, लेकिन उन्हें एआई में विशेषज्ञता के साथ तकनीकी सहयोग देने, बच्चों के लिए पाठ तैयार करने, सह-शैक्षिक गतिविधियां व आयोजन की योजना बनाने में मदद करने वाला चाहिए था।

विद्यार्थी को भी एआई वाले पर्सनल असिस्टेंट : स्कूल के विद्यार्थियों को भी एआई आधारित पर्सनल असिस्टेंट दिए गए हैं, जो उन्हें उनके अध्ययन के तरीके के अनुसार पढ़ने में मदद देते हैं। रोजरसन का दावा है कि तकनीक दुनिया बदल रही है, स्कूल भी भविष्य में कदम रख चुके हैं, हालांकि इस दौरान शिक्षा के पारंपरिक मूल्यों को भी बचाया जा रहा है।

शिक्षक दो कदम आगे

साल 2023 में यूके के हर तीन में एक शिक्षक ने अपने काम का बोझ कम करने के लिए एआई तकनीकों का उपयोग शुरू कर दिया है। कक्षा में पढ़ाने के लिए पाठ तैयार करने, रिपोर्ट लिखने, ईमेल का जवाब देने और विद्यार्थियों द्वारा अपने असाइनमेंट में चोरी से दूसरे के लेख मिलाने के मामले पकड़ने के लिए शिक्षक एआई तकनीक का खूब उपयोग कर रहे हैं। कई शिक्षाविद् इसे देख दावे तक कर रहे हैं कि साल 2027 तक अधिकतर स्कूलों में शिक्षकों की जरूरत नहीं रहेगी।

कनाडा में वकील बनने के लिए लेनी होती है राजा की शपथ

विरोध में सिख छात्र ने किया मुकदमा, खारिज

टोरंटो, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कनाडा की एक अदालत ने कानून की पढ़ाई कर रहे एक सिख छात्र की चुनौती को खारिज कर दिया है, जिसने पिछले साल राजशाही की अनिवार्य शपथ को लेकर अल्बर्टा के एडमॉन्टन शहर और प्रांत की लॉ सोसायटी पर मुकदमा दायर किया था। सीबीसी न्यूज के अनुसार, एक लेखक छात्र और अमृतधारी सिख, प्रबजोत सिंह विरिंग ने अपने मुकदमे में कहा था राजशाही के नाम की अनिवार्य शपथ लेना उसकी धार्मिक मान्यताओं के विपरीत होगा।

अल्बर्टा में प्रांतीय कानून के अनुसार, वकीलों को राजा, उनके उत्तराधिकारियों और भावी राजाओं के प्रति 'वफादार होने और सच्ची निष्ठा रखने' की शपथ लेनी होती

है। विरिंग ने कहा कि उसने पूरी तरह से शपथ ली है और खुद को अकाल पुरख - सिख धर्म में परमात्मा - को सौंप दिया है और किसी अन्य के प्रति ऐसी निष्ठा नहीं रख सकता है। विरिंग ने सीबीसी न्यूज को बताया था, 'मेरे लिए यह, एक व्यक्ति के रूप में मैं कौन हूं इसका एक बुनियादी हिस्सा है। निष्ठा की शपथ लेने के लिए मुझे उन प्रतिज्ञाओं और शपथ से मुकरना होगा जो मैंने पहले ही ले ली हैं। यह पहचान और एक व्यक्ति के रूप में मैं जो हूं उसे नष्ट कर देगा।'

क्या बोली अदालत

जिस समय विरिंग ने मुकदमा दायर किया था उस समय महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ब्रिटेन की गद्दी पर थीं। पूरे फैसले में उनका संदर्भ दिया गया है। मामले की सुनवाई क्वीन्स बेंच की अदालत में हुई थी। सोमवार को दिए गए निर्णय के मूल में शपथ की प्रकृति थी - चाहे वह स्वयं रानी के लिए हो या कनाडा की संवैधानिक राजशाही का प्रतीक हो। न्यायमूर्ति बारबरा जॉनसन ने अपने फैसले में कहा: 'मैंने पाया है कि निष्ठा की शपथ को कानून के शासन और कनाडाई संवैधानिक प्रणाली को बनाए रखने की शपथ के रूप में उचित रूप से चित्रित किया गया है।

क्या इजराइल ने गाजा में दागे अमेरिकी स्मार्ट बम

पहली बार सेकेंड वर्ल्ड वॉर में इस्तेमाल हुए, यूएस के पास है मदर ऑफ ऑल बम

यरुशलम, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग के 11वें दिन 17 सितंबर को देर रात गाजा शहर के अहली अरब अस्पताल पर जोरदार हमला हुआ। इसमें 500 लोगों की मौत हो गई। हमले के तुरंत बाद हमास ने बयान जारी कर बताया कि इस अटैक के पीछे इजराइल का हाथ है। उन्होंने अस्पताल पर हमला करने के लिए स्मार्ट बम का इस्तेमाल किया। इजराइल ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर हमास पर ही आरोप लगा दिए। इजराइल ने कहा कि हमास ने गलती से अपने ही रॉकेट को अस्पताल पर दाग दिया।

क्या इजराइल के पास स्मार्ट बम हैं?

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक 7 अक्टूबर को हमास से जंग छिड़ने के बाद अमेरिकी कंपनी बोइंग ने इजराइल को 1000 छोटे स्मार्ट बमों की डिलिवेरी की है। इसके अलावा इजराइल के पास खुद से बनाए स्पाइस बम हैं, ये भी स्मार्ट बम

की कैटेगरी में आते हैं। इसका इस्तेमाल भारतीय वायु सेना भी करती है। स्पाइस बम इजराइल की फर्म राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स लिमिटेड ने बनाया है। इन 2000-पाउंड के स्मार्ट बमों को गिराने में मिराज 2000 का इस्तेमाल किया जाता है। स्पाइस 2000 की ग्लाइडिंग रेंज (मार करने की क्षमता) 60 किलोमीटर तक है। वहीं, यूरेशियन टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इजराइल गाजा में पुराने अनगाइडेड बम दाग रहा है। जिनका टारगेट सटीक नहीं होता है। इसकी वजह से ये फायर होने के बाद कहीं पर भी गिरकर फट जाते हैं। इनमें कई तो 1950 के हैं। जैसे एम117, जो कोरियाई युद्ध में इस्तेमाल हुए थे। ऐसे में हो सकता है कि इजराइल की तरफ से फायर किया गया कोई अनगाइडेड बम ही गाजा शहर के अस्पताल पर गिरा हो।

स्मार्ट बम क्या होते हैं?

स्मार्ट बम को गाइडेड बम भी कहा जाता है। ये बम बड़ी सटीकता से दुश्मन के ठिकानों पर हमला करते हैं। ये हवा से जमीन पर गिरने वाला बम होता है। इसका मकसद एक खास टारगेट पर अटैक कर उसे नष्ट करना है, ताकि आसपास के इलाकों को नुकसान न पहुंचे। स्मार्ट बम को अमेरिका में बड़े पैमाने पर बनाया जाता है। इन्हें रेथियॉन टेक्नोलॉजीज कॉर्पोरेशन और बोइंग इंटीग्रेटेड डिफेंस सिस्टम्स नाम की कंपनी बनाती हैं। अमेरिकी वायु सेना ने पहली बार इस बम का इस्तेमाल सेकेंड वर्ल्ड वॉर में किया था। जुलाई 1944 में अमेरिकी वायु सेना ने वीबी-1 अजान बमों का इस्तेमाल कर पश्चिमी यूरोप और बर्मा (म्यांमार) में कई मिलिट्री ऑपरेशन चलाए थे। ये 450 किलोग्राम के फ्री फॉल बम थे, जिसके पिछले हिस्से में अंगूठी जितना रेडियो कंट्रोल स्टेबलाइजर्स लगा था। इस बम को जाइरोस्कोपिक ऑटोपायलट के साथ भी फिट किया गया था, ताकि ये टारगेट पर अटैक करते वक्त स्थिर रहें और रास्ते से भटके नहीं। वीबी-1 अजान शुरुआती स्मार्ट बम था। ऐसे में इसमें कई खामियां भी थी। इसे सटीकता से लॉन्च करने के लिए ऊंचाई, हवा की रफ्तार, वायु दाब जैसी बातों का ध्यान रखना होता था। उस वक्त इस बम के पास लॉन्च होने के बाद अपना रास्ता बदलने की क्षमता नहीं थी। इसे बी-24 लिबरेटर विमान में सवार ऑपरेटर लॉन्च करता था।

ये बम साइट नाम की डिवाइस की मदद से लक्ष्य पर निशाना साधता था। रात में इस बम को ट्रैक करने के लिए इसके ऊपर टॉर्च लगाई जाती थी। इसकी फ्लैशलाइट को देखकर ऑपरेटर बम की दिशा और स्पीड का पता लगाता था। जैसे ही द्वितीय विश्व युद्ध खत्म हुआ, अमेरिका ने वीबी-1 अजान को हटाकर उसकी जगह राजान बम को तैनात कर दिया।

अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर को देख ऐक्शन में आए पुतिन

काला सागर में भेजा ब्रह्मास्त्र से लैस फाइटर जेट

मॉस्को, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाइपरसोनिक मिसाइलों से लैस लड़ाकू विमानों को काला सागर पर चौबीसों घंटे गश्त शुरू करने का आदेश दिया है। इस आदेश के बाद से यूक्रेन में युद्ध के अलावा इजरायल-हमास में जारी जंग के दौरान ही अमेरिका के साथ तनाव बढ़ने की आशंका है। इस समय मध्य पूर्व में हालात बेहद खराब हैं। पुतिन ने बुधवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत की है। इसके बाद उन्होंने बीजिंग में मीडिया से कहा कि किंझल मिसाइलों से लैस मिग-31 फाइटर जेट्स काला सागर पर नियमित तौर पर पेट्रोलिंग पर रहेंगे।

मिग-31 जेट मैक 9 की स्पीड से 1000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर सकते हैं। पुतिन ने कहा, 'यह फैसला किसी खतरे के चलते नहीं बल्कि भूमध्य सागर में जो कुछ हो रहा है, उस पर नजर रखने के लिए है। रूस विजुअल कंट्रोल की कोशिश करें जिसमें हथियारों से नियंत्रण भी शालि है।' उन्होंने कहा कि इजरायल-हमास युद्ध के जवाब में अमेरिका ने दो एविएशन ग्रुप को भूमध्य सागर में स्थानांतरित कर दिया है। साथ ही हाल में यूक्रेन को एटीएसीएमएस लंबी दूरी की मिसाइलों की डिलीवरी की है। इससे पता चलता है कि अमेरिका काफी समय तक संघर्ष में शामिल रहना चाहता है। पुतिन ने कहा, अमेरिका जो कुछ कर रहा है, उसके बाद मध्य पूर्व में संघर्ष और गहरा रहा है। पुतिन ने कहा कि उन्होंने और जिनपिंग ने अपनी बातचीत के दौरान यूक्रेन और मध्य पूर्व में संघर्षों पर विस्तार से चर्चा की है। उन्होंने कहा कि रूस और चीन को 'सामान्य खतरों' का सामना करना पड़ता है जो उनके संबंधों को मजबूत करते हैं। पुतिन के यूक्रेन पर साल 2022 में हुए हमले के बाद से चीन ने रूस को राजनयिक और आर्थिक सहायता प्रदान की है।

गाजा के लोगों को पनाह देना चाहता है स्कॉटलैंड

लंदन/तेहरान, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। स्कॉटलैंड के प्रधानमंत्री हमजा यूसुफ ने कहा है कि वो गाजा से आने वाले लोगों को पनाह देना और उनका इलाज कराना चाहते हैं। हालांकि इसके लिए ब्रिटेन की ऋषि सुनक सरकार को कोई योजना लानी होगी। दूसरी तरफ, ईरान ने मुस्लिम देशों को एकजुट करने के लिए नई मांग की है। ईरान ने मुस्लिम वर्ल्ड से कहा है कि वो इजराइल के खिलाफ तमाम तरह के प्रतिबंध लगाएं। 1707 में स्कॉटलैंड ब्रिटेन में शामिल हुआ। हालांकि इसकी अलग संसद है। कई बार ये ब्रिटेन से अलग होने की मांग कर चुका है। हालांकि अब तक ये मुमकिन नहीं हो सका। तमाम बड़े मंत्रालय मसलन- फाइनेंस, डिफेंस और फॉरेन अफेयर्स ब्रिटेन सरकार के हाथ में होते हैं। यहां के प्राइम मिनिस्टर को फर्स्ट मिनिस्टर कहा जाता है।

स्कॉटलैंड के प्रधानमंत्री ने क्या कहा?

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में यूसुफ ने कहा- हम चाहते हैं कि यूनाइटेड किंगडम में स्कॉटलैंड पहला ऐसा देश बने, जहां गाजा से पलायन करने वाले लोगों को शरण दी जा सके। ब्रिटिश सरकार को कोई ऐसी स्कीम लानी चाहिए, जिससे गाजा के घायल नागरिकों का इलाज स्कॉटलैंड के अस्पतालों में किया जा सके। पाकिस्तानी मूल के स्कॉटिश प्राइम मिनिस्टर ने आगे कहा- सुनक सरकार को गाजा से आने वाले लोगों के सेटलमेंट के लिए स्कीम फौरन लानी चाहिए।

हमजा ने कहा- हमने पहले भी लोगों के लिए अपने दिल और घरों के दरवाजे खोले हैं। सीरिया और यूक्रेन के लोग यहां आए। यही हम अब भी करना चाहते हैं। गाजा में करीब 10 लाख लोग बेघर हो चुके हैं। उनके लिए दुनिया को रिफ्यूजी प्रोग्राम चलाना चाहिए। यूसुफ की पत्नी के भाई गाजा में डॉक्टर हैं और उन्होंने वहां के हालात स्कॉटलैंड के प्रधानमंत्री को बताए हैं। वहां के अस्पतालों में दवाएं नहीं हैं।

कितने अपनों को टिकट दिला पाएंगी वसुंधरा

क्या आलाकमान से सुलह का रास्ता भी निकाल लिया गया?

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुलाब चंद्र कटारिया से दो दिन पूर्व हुई वसुंधरा की मुलाकात के बाद ही इस बात की अटकलें लगाई जा रही थीं कि उन्होंने कटारिया के माध्यम से अपनी चिंताओं को केंद्र तक पहुंचा दिया है। केंद्र ने भी उनकी चिंताओं को उचित समाधान करने का आश्वासन दिया है।

वसुंधरा राजे सिंधिया और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के बीच जारी अनबन को लेकर नया अपडेट सामने आया है। उम्मीद जताई जा रही है कि दोनों ने समझौते की राह पर आगे बढ़ना शुरू कर दिया है। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से दो दिन पूर्व हुई वसुंधरा की मुलाकात के बाद ही इस बात की अटकलें लगाई जा रही थीं कि उन्होंने कटारिया के माध्यम से अपनी चिंताओं को केंद्र तक पहुंचा दिया है। केंद्र ने भी उनकी चिंताओं का उचित समाधान करने का आश्वासन दिया है।

इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि भाजपा की एक बड़ी परेशानी टलती दिखाई पड़ रही है। हालांकि, कहा यह भी जा रहा है कि इसके बावजूद वसुंधरा के कुछ करीबियों को टिकट के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। इसकी वजह है कि भाजपा अभी भी कोई रिस्क लेने के मूड में नहीं है। राजस्थान में 25 नवंबर को मतदान होगा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा राजस्थान के कोटा पहुंचे। यहां उनका स्वागत करने के लिए पार्टी के राजस्थान के सभी शीर्ष नेता उपस्थित थे। लेकिन इस टीम में वसुंधरा राजे सिंधिया का चेहरा शामिल नहीं था, लेकिन झालावाड़ से सांसद उनके बेटे दुष्यंत सिंह नड्डा का स्वागत करने वालों में शामिल थे। जब से भाजपा ने यात्राओं के जरिए राजस्थान में अपनी हवा बनाने की मुहिम शुरू की है, तब से यह क्रम लगातार बना हुआ है। यहां भी वही क्रम देखा गया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, पार्टी अध्यक्ष ने यहां पार्टी के शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की। भाजपा सूत्रों के अनुसार, इस बार पार्टी चुनाव को बेहद गंभीरता से ले रही है। इसलिए टिकट बांटते समय केवल जीत के फैक्टर पर ध्यान दिया जा रहा है। किसी नेता का करीबी होना जीत की गारंटी नहीं है। विपक्षी दल के उम्मीदवारों को ध्यान में रखते हुए उसी उम्मीदवार को टिकट दिया जाएगा, जो पार्टी के लिए जीत की गारंटी बन सके। केवल किसी नेता के दबाव में आकर किसी को टिकट नहीं मिल पाएगा। इसके लिए बीजेपी के आंतरिक सर्वे और आरएसएस से मिले फीडबैक को भी आधार बनाया गया है। चुनाव क्षेत्र का जातीय अंकगणित भी उम्मीदवारों का नाम तय करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

दरअसल, इसके पहले वसुंधरा राजे सिंधिया राज्य के अलग-अलग इलाकों में दौरे कर पार्टी के मुख्यमंत्री पद पर अपना दावा ठोंक रही थीं, लेकिन पार्टी ने इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव में जाने का निर्णय किया। इसके बाद से ही वसुंधरा राजे सिंधिया नाराज बताई जा रही थीं। उनके करीबियों का यहां तक कहना है कि वसुंधरा ने अपने कुछ खास लोगों को चुनाव के लिए तैयार रहने का संदेश दिया था। यदि भाजपा से उनको टिकट नहीं मिलता तो वे स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनाव में उतर सकते थे। इस खबर के बाद से ही अटकलों का दौर शुरू हो गया था।

बड़ी उम्र में महिला मतदाता पुरुषों से आगे

इस वजह से पार्टियां खेल रहीं महिला कार्ड

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। महिला आरक्षण बिल पेश कर बड़ा सियासी दांव खेला, इसका कितना फायदा मिलेगा, यह देखने वाली बात होगी। बड़ी उम्र में पुरुषों के मुकाबले महिला वोटरों की संख्या ज्यादा होने की वजह से भाजपा और कांग्रेस का ध्यान महिला वोटर की ओर है।

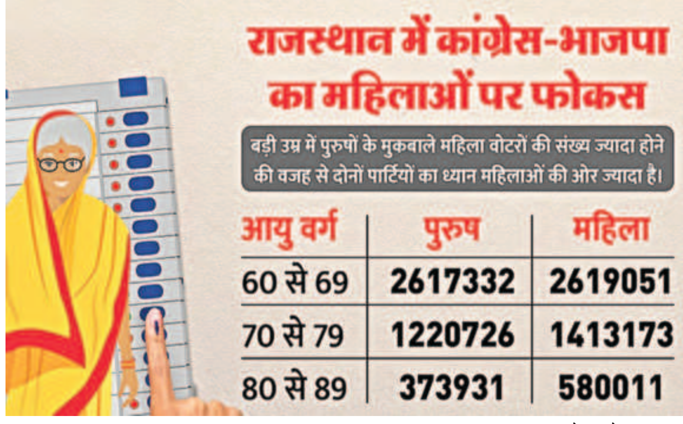

विधानसभा चुनावों की आचार संहिता लगने से पहले ही भाजपा ने संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण बिल पेश कर बड़ा सियासी दांव खेला। क्या राजस्थान विधानसभा चुनावों में भाजपा को इसका फायदा मिलेगा, ये तो वक्त ही बातएगा।

राजस्थान विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस के कैंपेन और योजनाओं के केंद्र में इस बार महिलाएं ही हैं। इधर, भाजपा ने भी सांसद दीया कुमारी को विधानसभा चुनावों में उतार कर महिलाओं को बड़ा मैसेज देने की कोशिश की है। जिस विद्याधर नगर सीट से दीया कुमारी को प्रत्याशी बनाया गया है वह भाजपा की सबसे मजबूत सीट मानी जाती है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि दीया कुमारी को राजस्थान भर में प्रचार के लिए आगे किया जाएगा। इससे महिला और राजपूत दो फैक्टर साधे जाएंगे।

क्यों है कांग्रेस-भाजपा का महिलाओं पर फोकस

इसकी वजह है महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत। प्रदेश में 60 से लेकर 99 आयु वर्ग के मतदाताओं में महिलाओं की संख्या पुरुषों से कहीं आगे हैं। 60 से 69 आयु वर्ग के मतदाताओं में पुरुष वोटरों की संख्या 2617332 है, जबकि महिलाओं की संख्या 2619051 है। जैसे-जैसे आयु वर्ग बढ़ता है वैसे-वैसे महिला मतदाताओं की संख्या भी बढ़ती जाती है। 70 से 79 आयु वर्ग में पुरुष मतदाता 1220726 हैं वहीं महिला मतदाता 1413173 हैं। वहीं 80 से 89 आयु वर्ग में पुरुष वोटर 373931 और महिलाओं की संख्या 580011 है।

90 से 99 आयु वर्ग में महिला वोटर पुरुषों के मुकाबले 3 गुना

महिला वोटर और पुरुष वोटरों की संख्या में सबसे बड़ा फर्क 90 से 99 आयु वर्ग में देखने को मिल रहा है। इस आयु वर्ग में महिला वोटरों की संख्या पुरुषों के मुकाबले करीब 3 गुना है। 90 से 99 आयु वर्ग में पुरुष वोटरों की संख्या जहां 59 हजार है वहीं महिला वोटरों की संख्या 1 लाख 43 हजार से ज्यादा है।

गुलाबी पोस्टर से लेकर महिलाओं के लिए इतने कैंपेन

सीएम अशोक गहलोत ने इस साल बजट से ही महिलाओं के लिए घोषणाओं और योजनाओं की झड़ी लगा दी थी। उनके प्रचार के पोस्टरों का रंग भी इस बार महिला थीम पर गुलाबी रखा गया। योजनाओं की बात करें तो -बचत राहत बढ़त, महंगाई राहत, स्मार्ट फोन, सत्ता सिलेंडर, मुफ्त राशन, फ्री बिजली जैसी योजनाएं महिलाओं को ध्यान में रखकर ही चलाई गई। इन योजनाओं में करीब 1.90 करोड़ महिलाओं का पंजीकरण भी किया गया। कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ अपने प्रचार में महंगाई को भी बड़ा मुद्दा बनाया है। इसलिए उसे उम्मीद है कि इस बार महिलाओं का साथ उसे मिलेगा।

कांग्रेस की सूची के लिए और करना होगा इंतजार

स्क्रीनिंग कमेटी के इस फैसले से बढ़ी तारीख

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। जानकारी के मुताबिक बैठक में स्क्रीनिंग कमेटी की ओर से 106 विधानसभा सीटों के लिए दिए सिंगल पैनल पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आपत्ति और सवाल उठाते हुए कहा कि इन सीटों पर क्या कोई अन्य दावेदार नहीं है, इस पर विचार किया जाए। कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची का इंतजार बढ़ता ही जा रहा है। एक बार फिर कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में राजस्थान की टिकटों पर बात नहीं बन पाई। बैठक में स्क्रीनिंग कमेटी की ओर से 106 विधानसभा सीटों के लिए दिए सिंगल पैनल पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आपत्ति जताई। इसके बाद ये इंतजार अब 22 अक्टूबर तक बढ़ गया है। स्क्रीनिं कमेटी अब केंद्रीय चुनाव समिति की होने वाली अगली बैठक में अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। राजस्थान के टिकट वितरण को लेकर केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के लिए सीएम गहलोत पिछले तीन दिनों से दिल्ली में ही रुके हुए हैं। जानकारी के अनुसार एआईसीसी मुख्यालय में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में कांग्रेस में करीब तीन घंटे तक विचार-विमर्श चलता रहा। बैठक में स्क्रीनिंग कमेटी की ओर से 106 सीटों पर सिंगल नाम के पैनल दिए गए। इन सिंगल पैनल पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आपत्ति जताई। राहुल गांधी ने कहा कि 106 सीटों पर क्या कोई अन्य दावेदार नहीं है, इस पर विचार किया जाए। 106 नामों की सूची में कई ऐसे नाम शामिल थे, जिनको लेकर केंद्रीय आला कमान ने आपत्ति दर्ज करवाई है। सूत्रों का कहना है कि प्रदेश सरकार के दो से तीन मंत्रियों के टिकट भी कट सकते हैं।

सर्दी की दस्तक: शेखावाटी में रात का तापमान 13 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा; जैसलमेर में छाया कोहरा

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में इस बार दीपावली से पहले सर्दी का आगाज हो गया। शेखावाटी अंचल में इस बीती रात तापमान 13 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। बाड़मेर, बीकानेर, जोधपुर में रात का न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस तक आ गया। जैसलमेर में आज सुबह कोहरा देखने को मिला। जयपुर में भी बीती रात तापमान गिरने से सर्दी बढ़ गई।

मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि 22 अक्टूबर को राजस्थान में एक कम प्रभाव वाला वेर्स्टन डिर्स्टबेंस एक्टिव होगा। इसके असर से उत्तर-पश्चिम राजस्थान के जिलों में मौसम बदलेगा। यहां बादल छाने के साथ कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हो सकती है।

बीती रात सबसे सर्द रात सीकर में रही। जहां का न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जो अमूमन नवंबर के शुरुआती हफ्ते में रहता है। सीकर के अलावा फतेहपुर में 15, पिलानी में 16.4 और चूरू में 17.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। शेखावाटी में सर्दी बढ़ने से यहां सुबह-शाम लोग अब गर्म कपड़े पहनने लगे है। यहां सूरज ढलने के साथ ही हल्की सर्द हवाएं चलनी शुरू हो जाती है। सीकर में दिन और रात के तापमान 15 डिग्री सेल्सियस का उतार-चढ़ाव होने लगा है।

इधर, सरहदी जिले जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर, जोधपुर में भी रात में ठंड बढ़ गई। इन शहरों में रात का न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस तक आ गया। जैसलमेर में आज सुबह कई जगह हल्का कोहरा देखने को मिला। यही स्थिति बीकानेर के ग्रामीण इलाके और गंगागनगर के एरिया में रही। गंगानगर में आज न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

राजस्थान में बीती रात न्यूनतम तापमान जैसलमेर को छोड़कर सभी शहरों में 20 डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे चला गया।

रुपए के लिए दोहिते ने नानी का किया मर्डर

लात-घूसों से पीटा, सीने पर जूते से मारा, मौके पर तोड़ा दम

अजमेर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। रुपए के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में दोहिते ने अपनी ही नानी की हत्या कर दी। दोहिते ने इस दौरान लात-घूसों से नानी की पिटाई की। बताया जा रहा है कि इस पिटाई के दौरान ही बुजुर्ग महिला की मौत हो गई थी। अजमेर के क्रिश्चियन गंज थाना क्षेत्र के छतरी योजना में बुधवार रात 9 बजे का है। बतया जा रहा है कि बीसी के पैसों को लेकर ये विवाद हुआ था। घटना के बाद बुजुर्ग महिला के बेटे की ओर से भांजे और बहन के खिलाफ थाने में शिकायत दी है।

छतरी योजना निवासी दिलीप कुमार मेघवंशी (31) ने बताया कि 15 अक्टूबर 2023 को उसकी मां नोरती देवी, भाभी सुनीता देवी, शकुंतला, कालूजी, मंजू देवी व सुरमा भाभी को बीसी खुली थी। बुधवार रात 9 बजे के करीब बीसी के पैसे लेने के लिए वह रामदेव नगर अपनी बहन लक्ष्मी देवी के पास गए थे। इसके बाद बहन के द्वारा पैसे देने से मना कर दिया।

इस दौरान उनका भांजा रंजीत कच्छावा उर्फ आशु (25) वहां पहुंचा और अपनी नानी के साथ मारपीट और गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़ित बेटे ने बताया कि भांजे ने नानी पर लात-घूसे बरसाना शुरू किया।

इस दौरान उसने मां नोरती देवी (70) के सीने पर लात मारी, जिसकी वजह से उनकी मौत हो गई। नोरती देवी को लेकर परिवार के लोग रात में जेएलएन हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। पीड़ित मृतक महिला के बेटे दिलीप के द्वारा क्रिश्चियन गंज थाने में भांजे आशु और बहन लक्ष्मी देवी के खिलाफ शिकायत दी गई है।

बस में मिली सवा दो करोड़ की चांदी की सिल्लियां

बस की डिग्गी में छिपाए थे 25 पार्सल

भीलवाड़ा, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा पुलिस ने एक निजी ट्रैवल बस से 2 करोड़ 22 लाख रुपए मूल्य की 293.38 किलोग्राम चांदी की सिल्लिया पकड़ी है। खबर राजस्थान के भीलवाड़ा शहर की है। जहां चुनावी मौसम में पुलिस ने एक निजी ट्रैवल बस से 2 करोड़ 22 लाख रुपए मूल्य की 293.38 किलोग्राम चांदी की सिल्लिया पकड़ी है। बताया जा रहा है कि विधानसभा चुनाव 2023 के मद्देनजर भीलवाड़ा एसपी श्याम सिंह की ओर से खास निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। भीलवाड़ा में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विमल सिंह और पुलिस उपाधीक्षक शहर देशराज गुर्जर को निर्देश पर यह एक्शन लिया गया।

प्रताप नगर थाना पुलिस अधिकारी के ने बताया कि उन्हे गुप्तरूप से इस पूरे मामले की सूचना मिली थी। जिसके बाद उन्होने सूचना के आधार पर छापेमारी की। मुखाबिर द्वारा उन्हे बताया गया था कि होटल लैंडमार्क पर एक ट्रेवल बॉक्स संख्या जीजी GJ 01 HT 8652 श्रीनाथ ट्रेवल्स बस में बिना बिल की चांदी लाई जा रही है । पुलिस ने गोपनीय सूचना के आधार पर टीम के साथ प्लान के तहत की फिरोज खान निवासी हिम्मतनगर, बस चालक अनिल कुमार निवासी मेहसाना गुजरात और गुजरात के साथ दो और लोगों को डिटन किया।आरोपियों को पकड़ने के बाद थाने पर बस की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बस की डिग्गी में कुल 25 पार्सल पाए गए। जिसमें चांदी की सिल्लियां और ज्वेलरी पाई गई, छापेमारी के दौरान पकड़ी गई चांदी 293.38 किलोग्राम पाया गया, जिसकी बाजार कीमत 2 करोड़ 22 लाख रुपए है।

शांति धारीवाल की उम्मीदवारी खारिज, सोनिया गांधी ने क्यों लिया ये फैसला

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी का बड़ा फैसला। बगावती तेवर दिखाने वाले शांति धारीवाल को दिखाया बाहर का रास्ता।

कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शांति धारीवाल के नाम पर कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए उम्मीदवारी से उनको खारिज कर दिया। ऐसा इसलिए क्योंकि कांग्रेस पिछले वर्ष 25 सितंबर की उस घटना को अभी तक नहीं भूली है, जिसमें राजस्थान में पार्टी विधायकों के एक गुट की बगावत के कारण पार्टी के पर्यवेक्षकों को कांग्रेस विधायक दल की बैठक किए बिना राष्ट्रीय राजधानी लौटना पड़ा था। पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक हुई थी। बैठक में करीब 140 नामों पर चर्चा की गई। इनमें 103 से 105 नामों पर सहमति भी बन चुकी है और शेष 40 सीटों पर फिर से चर्चा होगी। इस दौरान जैसे ही शांति धारीवाल का नाम लिया गया तो सोनिया गांधी ने विरोध जताते हुए पूछा कि उनका नाम सूची में कैसे है। तभी अशोक गहलोत ने शांति धारीवाल की तरफदारी में बोलना चाहा तो राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री की बात टाल दी और कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान चरण के दौरान शांति धारीवाल के खिलाफ कई शिकायतें मिली हैं। इस दौरान गांधी परिवार के साथ-साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे।

बता दें कि पिछले साल 25 सितंबर को शांति धालीवाल ने पार्टी आलाकमान के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था।

गहलोत बोले- पायलट के सारे टिकट क्लियर हो रहे हैं

सीएम पद छोड़ना चाहता हूं, यह मुझे नहीं छोड़ रहा, छोड़ेगा भी नहीं

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने गुरुवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सचिन पायलट और वे टिकट के सभी फैसलों में शामिल हैं।

उन्होंने कहा, 'हम सारे मतभेद भुला चुके हैं। पायलट के साथ जो लोग मानेसर(बगावत के वक्त 2020 में) गए थे, उनके सारे टिकट क्लियर हो रहे हैं, मैंने एक भी सीट को लेकर ऑब्जेक्शन नहीं किया।'

राजस्थान में फिर से कांग्रेस सरकार बनने की स्थिति में क्या वापस गहलोत सीएम होंगे? इस सवाल पर गहलोत ने कहा कि कांग्रेस में कभी मुख्यमंत्री का उम्मीदवार नहीं बनना चाहिए। जो उम्मीदवार बनता है, वो कभी सीएम नहीं बनता है। 'मैं जब सीएम बना तो उस समय मैं उम्मीदवार नहीं था। मुझे सोनिया गांधी ने चुना। मैं पहले भी कह चुका हूं कि सीएम पद छोड़ना चाहता हूं, लेकिन यह पद मुझे नहीं छोड़ रहा और यह छोड़ेगा भी नहीं। कुछ तो कारण होंगे कि हाईकमान और गांधी परिवार मुझ पर इतना विश्वास जता रहे हैं।'

कांग्रेस का कार्यकर्ता आपका गुलाम नहीं है, राहुल गांधी और खरगे को चुनौती

बूंदी, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री के समर्थन में बोलते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष का वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कांग्रेस के जनसंवाद कार्यक्रम में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को चुनौती दे रहे हैं। विधानसभा चुनाव से पूर्व कांग्रेस नेतृत्व पर टिकिट का दबाव बनाने की रणनीति के तहत तालेड़ा में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के माध्यम से पूर्व मंत्री हरिमोहन शर्मा का जनसंवाद कार्यक्रम रखा गया था। इस जनसंवाद कार्यक्रम और तालेड़ा ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकर्ता सम्मेलन का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वक्ताओं ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को ही यह कहकर चुनौती दे डाली कि कांग्रेस का कार्यकर्ता आपका गुलाम नहीं है।

पूर्व मंत्री के जनसंवाद कार्यक्रम में हरिमोहन शर्मा की उपस्थिति में उनके खास बूंदी शहर कांग्रेस के अध्यक्ष शैलेश सोनी ने हरिमोहन शर्मा के समर्थन में बोलते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद राहुल गांधी को यह कहकर सीधी चुनौती दे डाली कि आपने हमारे नेता को अवसर नहीं दिया तो कार्यकर्ता आपका गुलाम नहीं है। मंच पर हरिमोहन शर्मा की उपस्थिति में बूंदी शहर कांग्रेस अध्यक्ष शैलेश सोनी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद राहुल गांधी का नाम लेकर कहा कि यदि आपने हमारे नेता को अवॉइड किया, हमारे पांच साल काम करने वाले नेता को अवसर नहीं दिया तो कार्यकर्ता आपका गुलाम नहीं है।

21 हजार दान के चक्कर में गहने गंवा बैठे पुरोहित

रुपये में सोने का स्पर्श जरूरी बताकर ठग ले गए शातिर

अजमेर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। ठगी के शिकार पुरोहित गौरीशंकर पाराशर ने पुलिस को बताया कि वह अपनी रोज की दिनचर्या के अनुसार घर के बाहर बैठकर समाचार पत्र पढ़ रहा था। सुबह करीब 8 बजकर 25 मिनट पर ब्रह्मचौक की और से एक युवक चेहरे पर मास्क बांधा हुआ मोटरसाइकिल पर आया और वन विभाग में खुद नौकरी लगने की खुशी का हवाला देकर किसी पुरोहित को 21 हजार दान देने की बात कही। ठग की चाल से अनजान पुरोहित उसे अपने घर ले गए। वहां जाकर ठग ने पुरोहित को किसी सोने की वस्तु की स्पर्श कर पैसे देने की बात कही। पुरोहित ने अपने गले के सोने के फूल के स्पर्श करने की बात कही। इस पर ठग ने किसी भारी सोने के वस्तु के स्पर्श कराने की बात कही।

इस पर पुरोहित ने उसे 6 तोले का मंगलसूत्र लाकर दिया ठग ने उस मंगलसूत्र को 21 हजार रुपये के साथ किसी कपड़े में बांधकर अलमारी में रखा। इसी तरह तीन तोले की एक सोने की चेन को भी 5 हजार रुपये के साथ दूसरी अलमारी में रखा और पैसों को शाम को काम में लेने की बात कही। घर की दो महिलाओं को हजार हजार और एक को पांच सौ रुपये देकर ठग जल्दी का हवाला देकर घर से बाहर आया। पुरोहित गौरीशंकर ठग को छोड़ने उसके साथ नीचे आया पीछे से पुरोहित की पत्नी ने आवाज लगाई की अलमारी में ना पैसा है ना सोना। पुरोहित गौरीशंकर कुछ समझ पाते उससे पहले ठग अपनी मोटरसाइकिल पर फरार हो गया।

सूचना पर सीआई राकेश यादव के नेतृत्व पुष्कर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। सीआई राकेश यादव ने बताया कि सभी नाकों पर संदिग्ध के फुटेज भेज दिये गये हैं। अलग-अलग टीमें बनाकर ठग की तलाश शुरू कर दी है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से टकराए बाइक सवार, तीन की मौत

टोंक, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से टकराने से बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके इलाज के लिए जयपुर रेफर किया गया है।राजस्थान के टोंक जिले के मालपुरा में बाइक सवार चार युवक ट्रैक्टर-ट्रॉली से पीछे से टकरा गए। दर्दनाक हादसे में तीन चचेरे भाइयों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य नाबालिग घायल हो गया। उसके इलाज के लिए मालपुरा अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने केस दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार हादसा मंगलवार देर रात तीन बजे हुआ। मालपुरा थाना प्रभारी भागीरथ सिंह ने बताया कि टोरड़ी निवासी शंकर (22) पुत्र गोपाल कहार, अजय (19) पुत्र पप्पू कहार, गणेश (20) पुत्र नोरत कहार और भवानी शंकर (15) पुत्र कालू देर रात खेत से ट्रैक्टर-ट्रॉली में मूंगफली का छिलका (चारा) भरकर ला रहे थे। ट्रैक्टर-ट्रॉली आगे चल रही थी और बाइक सवार उसके पीछे थे। अचानक ट्रैक्टर के सामने गाय आ जाने के कारण ड्राइवर ने ब्रेक लगा दी, जिससे पीछे आ रहे बाइक ट्रॉली से टकरा गए।

एमबीबीएस की स्टूडेंट ने सातवीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या, हाथ पर लिखा परिवार के लिए ये मैसेज

डूंगरपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। डूंगरपुर के मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाली एमबीबीएस की छात्रा ने गर्ल्स हॉस्टल की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली. लड़की ने परिवार के लिए अपने हाथों पर लिखकर एक मैसेज भी छोड़ा है. राजस्थान के डूंगरपुर जिले से चौंकाने वाली घटना सामने आई है. यहां पर मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाली एमबीबीएस की छात्रा ने गर्ल्स हॉस्टल की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली. जानकारी के अनुसार लड़की ने परिवार के लिए अपने हाथों पर एक मैसेज भी लिखा है. हालांकि, लड़की ने आत्महत्या क्यों की इसके बारे में अभी खुलासा नहीं हो पाया है. पुलिस इस मामले में जांच कर रही है.

दरअसल, यह घटना डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल में हुई, जो मेडिकल कॉलेज साल 2018 में शुरू हुआ. इसी कॉलेज में पढ़ने वाली फर्स्ट ईयर की भरतपुर निवासी सुधांशी ने आत्महत्या कर ली. उसने यहां साल 2022 में प्रवेश लिया था और गर्ल्स हॉस्टल में रह रही थी. उसने गर्ल्स हॉस्टल की सातवीं मंजिल की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली. घटना की जानकारी मिलते ही स्टाफ और साथी स्टूडेंट्स उसे हॉस्पिटल लेकर गए. जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इसके बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना के बारे में स्टाफ और साथी स्टूडेंट्स से जानकारी ली. उन्होंने बताया कि, वह दो तीन दिन से परेशान दिख रही थी, पूछो तो भी जवाब नहीं दे रही थी. इसके बाद वह सुबह नाश्ता करने के बाद रूम में चली गई और फिर सुसाइड कर लिया. वहीं जब सुधांशि को हॉस्पिटल लेकर गए तो वहां देखा गया कि, उसने अपने हथेली पर कुछ लिखा हुआ है. यह परिवार के लिए मैसेज था. उसने अपने हथेली पर लिखा था कि आज के बाद मैं कोई गलती नहीं करूंगी, माय प्रोमिस, सॉरी मां-पापा भाई और रोहित. हालांकि, लड़की ने आत्महत्या क्यों की इसकी गुत्थी अभी तक नहीं सुलझी है. घटना के बाद एसपी कुंदन कवारियां भी कॉलेज पहुंचे और पूछताछ की.

वितरण एवं स्वागत केंद्र सभी सुविधाओं के साथ तैयार रहें : रोनाल्ड रॉस

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चुनाव अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि ईवीएम के वितरण और स्वागत केंद्र (डीआरसी) बिना किसी परेशानी के सभी सुविधाओं के साथ तैयार रखे जाएं। गुरुवार को जिला उप चुनाव अधिकारी ने हैदराबाद के जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीसेट्टी, पुलिस आयुक्त संदीप सांडिल्य और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विक्रम सिंह मान के साथ शहर के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के लिए स्थापित वितरण और रिसेप्शन केंद्रों का निरीक्षण किया।

मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सबसे पहले एलबी स्टेडियम में मुशीराबाद विधानसभा क्षेत्र के डीआरसी का दौरा किया और एवी कॉलेज में मुशीराबाद विधानसभा क्षेत्र का डीआरसी केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा. उन्होंने निज़ाम कॉलेज में स्थापित किए जाने वाले चंद्रायनगुट्टा निर्वाचन क्षेत्रों के डीआरसी का भी दौरा किया और अधिकारियों को मरम्मत, यदि कोई हो, को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के लिए कोटि महिला कॉलेज में डीआरसी केंद्र, कमला नेहरू पॉलिटेक्निक कॉलेज में चारमीनार और याकतपुरा निर्वाचन क्षेत्र के लिए सरोजिनी नायडू वनिता महाविद्यालय में स्थापित किए जाने वाले डीआरसी केंद्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने जेएनटीयू फाइन आर्ट्स कॉलेज में स्थापित होने वाले नामपल्ली निर्वाचन क्षेत्र डीआरसी, मसाब टैंक में सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज, कारवां निर्वाचन क्षेत्र के डीआरसी और तकनीकी शिक्षा भवन में स्थापित किए जाने वाले बहादुरपुरा निर्वाचन क्षेत्र के डीआरसी का निरीक्षण किया।

इसके बाद, चुनाव अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को किसी भी चूक से बचने के लिए ईवीएम भंडारण केंद्रों पर सख्त सुरक्षा उपाय करने के लिए कहा गया। उन्होंने अधिकारियों को उन इमारतों में किसी भी मरम्मत को जल्द से जल्द पूरा करने और डीआरसी केंद्रों को तैयार करने का निर्देश दिया, जहां ईवीएम संग्रहीत हैं। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस आयुक्त को 24 घंटे केंद्रीय बल तैनात करने को कहा गया है।

जिला एसपी ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए स्थापित सुविधाओं का निरीक्षण किया

कुमरम भीम आसिफाबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आज कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के एसपी के सुरेश कुमार आईपीएस ने कागज नगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत जनजातीय कल्याण जूनियर कॉलेज का दौरा किया और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए वहां व्यवस्थित आवास सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र बलों के लिए कागजनगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत महात्मा ज्योतिबापुले स्कूल, एसपीएम विद्या मंदिर और आदिवासी कल्याण जूनियर कॉलेज में सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। जिला एसपी ने कहा कि आगामी आम चुनाव को लेकर थानेदारों को मतदान केंद्रों का दौरा कर मूलभूत सुविधाओं, पहुंच पथ, सुरक्षा, संवेदनशील आदि की समीक्षा करनी चाहिए. उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्रों पर पेयजल, रैम्प, शौचालय एवं गार्ड की व्यवस्था की जाये तथा चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप ड्यूटी का निर्वहन किया जाये।

इंडिया लगातार चौथा मैच जीती

कोहली ने सिक्स मारकर जिताया

48वीं सेंचुरी बनाई, सबसे तेज 26 हजार इंटरनेशनल रन पूरे किए

पुणे, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने वर्ल्ड कप 2023 में लगातार चौथी जीत हासिल की है। भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया। टीम से विराट कोहली (103* रन) ने 48वां वनडे शतक जमाया। उन्होंने सबसे तेज 26 हजार इंटरनेशनल रन भी पूरे कर लिए हैं। उन्होंने 567 पारियों में यह अचीवमेंट हासिल की। कोहली से पहले सचिन तेंदुलकर ने 600 पारियों में इतने रन बनाए थे।

पुणे के एमसीए मैदान पर गुरुवार को बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 256 रन बनाए। 257 रन का टारगेट भारतीय बल्लेबाजों ने 41.3 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। कोहली के अलावा, शुभमन गिल (53 रन) ने 10वां अर्धशतक जमाया, जबकि कप्तान रोहित शर्मा ने 48 रनों का योगदान दिया।

भारतीय ओपनर्स ने 88 रन जोड़े, शुभमन की पहली वर्ल्ड कप फिफ्टी

257 का टारगेट चेज कर रहे रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने 88 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। रोहित फिफ्टी से चूक गए। उन्होंने 48 रन बनाए। हसन की गेंद पर पुल शॉट मारने के चक्कर में रोहित को ह्दॉय ने बाउंड्री पर लपका।

शुभमन गिल ने वर्ल्ड कप में अपनी पहली फिफ्टी लगाई। वो 53 रन बनाकर मेहंदी हसन मिराज की गेंद पर कैच आउट हुए। महमूदुल्लाह ने बाउंड्री पर उनका कैच लपका।

तंजिद-लिट्टन की फिफ्टी, बांग्लादेश 257 पहुंचा :

पुणे के एमसीए मैदान पर बांग्लादेश की टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। बांग्लादेश ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 256 रन बनाए। ओपनर्स तंजिद हसन तमीम और लिट्टन दास के बीच 93 रन की साझेदारी हुई। तंजिद ने वर्ल्ड कप में अपनी पहली फिफ्टी लगाई। वो 51 रन बनाकर आउट हुए।

लिट्टन दास ने 12वीं वनडे फिफ्टी लगाई, वो 66 रन बनाकर आउट हुए। शांतो (8 रन), मिराज (3) और तौहीद ह्दॉय (16) जल्दी आउट हुए।

मुशफिकुर रहीम (38 रन) और महमूदुल्लाह (46 रन) के बीच 42 रन की साझेदारी हुई। मुशफिकुर को बुमराह ने आउट किया। बैकवर्ड पॉइंट पर जडेजा ने डाइव लगाकर उनका कैच पकड़ा। महमुदुल्लाह ने फिर नसुम अहमद के साथ 32 रन की साझेदारी की।

तीसरे तेलंगाना स्टेट टेबल टेनिस रैंकिंग टूर्नामेंट वुमन फ़ाइनल मुक़ाबले में गुजराती सेवा मंडल की खिलाड़ी वरूणी जयसवाल ने आरबीआई की निकत बानो को 4-3 के सेट स्कोर से हराकर अपने नाम ख़िताब जीत लिया। सेट स्कोर 4-3 रहा। यह टूर्नामेंट लाल बहादुर स्टेडियम में खेला गया।

शारदा नगर, वनस्थलीपुरम के पंचमुखी हनुमान मंदिर में नवरात्रि उत्सव के पंचमी के दिन पंचमुखी हनुमान मंदिर समिति द्वारा महाभंडारा का आयोजन किया गया, जिस हजारों की संख्या में भक्तगण प्रसाद का लाभ उठाए। इस अवसर पर महासचिव सत्या रेड्डी, समिति के सलाहकार एनके सिंह, बी.शांता कुमार, श्रीमती रंजना सिंह, ए. मधुसूदन रेड्डी और अन्य समिति सदस्य उपस्थित रहे।

समुद्र तट पर दो छात्र समुद्र में डूब गए

विशाखापत्तनम, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के दो छात्र गुरुवार सुबह यहां राम कृष्ण समुद्र तट पर बंगाल की खाड़ी में डूब गए। उनमें से एक का शव, जिसकी पहचान हर्ष के रूप में हुई, बहकर किनारे आ गया और दूसरे युवक की तलाश जारी है। बताया जाता है कि ये दोनों यहां एनआरआई कॉलेज में इंटरमीडिएट की पढ़ाई कर रहे थे.

जय अंबे युवा समिति के तत्वाधान में 21 अक्टूबर को एनकेएनआर गार्डन, कुक्कटपल्ली में आयोजित होने वाले माता के 19वें विशाल जागरण के लिए मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव को आमंत्रित करते हुए सुनील जैन, संजय अग्रवाल, हेमचंद गुप्ता, सोनू अग्रवाल, राज काबरा, और उत्तम जी राजपुरोहित।

एसपी ने कागजनगर चेक पोस्ट पर वाहनों की जांच की

सिरपुर कागजनगर, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के एसपी के सुरेश कुमार आईपीएस ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बनाए गए चेक पोस्टों का निरीक्षण किया।इस मौके पर एसपी ने कहा कि जिले में चुनाव आचार संहिता को सख्ती से लागू किया जाएगा, विशेष निगरानी रखी जाएगी. नकदी और शराब के मुफ्त वितरण पर, और चूंकि आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है, इसलिए लोग रुपये का भुगतान करेंगे। उन्होंने कहा कि जो लोग बड़ी मात्रा में सोना और अन्य सामान ले जाते हैं, उन्हें सबूत दिखाना चाहिए। यदि नहीं, तो नकदी, अन्य सामान और सोना आभूषण जब्त कर लिए जाएंगे। अब तक 3,97,528 रुपये मूल्य की 690 लीटर शराब जब्त की गई है। 1,48,37,086 रुपये नकद और 182 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। उपद्रवी शीट, संदिग्ध शीट और 703 दुर्व्यवहार करने वाले व्यक्तियों को पहले ही बाध्य किया जा चुका है और उन्होंने बताया कि कोमुराम भीम आसिफाबाद जिला पुलिस विभाग इसे निष्पक्ष रूप से संचालित करने के उद्देश्य से काम कर रहा है।

केंद्रीय सतर्कता आयोग के सचिव ने बीडीएल का दौरा किया

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पी. डेनियल, आईडीईएस, सचिव, केंद्रीय सतर्कता आयोग, भारत सरकार ने कल बीडीएल की कंचनबाग इकाई का दौरा किया। कंपनी के अपने पहले दौरे पर, उन्हें बीडीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, कमोडोर ए. माधवराव (सेवानिवृत्त) ने बीडीएल के बारे में जानकारी दी। डॉ. उपेन्द्र वेन्नम, आईपीओएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा बीडीएल में सतर्कता गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति दी गई। सीवीसी परिपत्रों का एक संग्रह-2023 और सतर्कता विभाग द्वारा सुझाए गए व्यवस्थित सुधार और बीडीएल प्रबंधन द्वारा की गई कार्रवाई (खंड-II) सचिव, सीवीसी द्वारा जारी किया गया।

अपने मुख्य भाषण में, सचिव, सीवीसी ने बीडीएल के सतर्कता विभाग द्वारा की जा रही सतर्कता गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने सतर्कता के बारे में कर्मचारियों के बीच पारदर्शिता और जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित किया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2023 की थीम, "भ्रष्टाचार को ना कहें : राष्ट्र के लिए प्रतिबद्ध" पर प्रकाश डालते हुए, सचिव ने सभी से अनियमितताओं के प्रति सतर्क रहने का आह्वान किया। सचिव, सीवीसी ने बाद में, बीडीएल, कंचनबाग में इन-हाउस आर एंड डी डिवीजन और विनिर्माण सुविधाओं का दौरा किया।

51वें रामायण मेला के अंतर्गत अयोजित गरबा डांडिया उत्सव में गंज गुजरात ने मुंबई का प्रसिद्ध ऑर्केस्ट्रा ग्रुप को हराया। गरबा डांडिया का आनंद उठाए हुवे डांडिया प्रेमी तथा विजेताओं को पुरस्कृत करते हुवे मेला प्रधान संयोजक गोविंद राठी, प्रदर्शनी सोसायटी मंत्री हनमंत राव, गिरधारीलाल डागा, सुमीत राठी, मनोज जायसवाल, सुरेंदर रेड्डी एवं अन्या।

पंतजलि भवन में 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ आयोजित

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वाध्यायी परिवार, पारदीवाडा शाखा द्वारा पंतजलि भवन में संस्थापक पाण्डुरंग शास्त्री आठवलेजी की 103वीं जयंती के उपलक्ष्य में 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ आयोजित किया गया। समाजसेवी धर्माराम ढाका द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस पावन अवसर पर गायत्री परिवार हैदराबाद ने मिलकर 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ पतंजली भवन पारदीवाडा पुराना पुल में संपन्न किया। इस महायज्ञ में लगभग 350 स्वाध्यायी परिवार एवं गायत्री परिवार के परिजनों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। गायत्री परिवार हैदराबाद के समस्त गुरु भाईयों ने गुरु कार्य को बड़ी निष्ठा के साथ सहयोग किया। गायत्री परिवार के बलदेव सिंह लोध व स्वाध्याय परिवार के लालसिंह लोध ने दोनों संस्थान को मिलकर कार्यक्रम की रुपरेखा नये परिजनों को जोड़ने से परिचित कराने में सार्थक सिद्ध हुई। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु वंदना से की गयी। प्रथम चरण में देव शक्तियों का आह्वान व सर्वतोभद्र की पूजा मंत्रोच्चार से किया गया व गोकुलचंद उपाध्याय ने भगवन्नाम संकिर्तन से सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। द्वितीय चरण में गायत्री मंत्र की आहुतियां व सभी दैवीय शक्तियों की आहुतियां प्रदान की गयी। अंतिम चरण मे पूर्णाहुति व आरती के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर गोकुलचंद उपाध्याय, विनोद चौरसिया व नरेश कुमार साहू ने संगीत और कर्मकांड से इस यज्ञ का संचालन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में चन्दरराज पटेल, पुरषोत्तम पटेल, हेंमतसिंह रतनबहन पटेल, सावित्री दीदी व पूरी टीम ने पूरा सहयोग दिया। स्वाध्याय परिवार के मुन्ना, लालसिंह, राजेन्द्र सिह, मोहनदास व सभी साधकों द्वारा बडी श्रद्धा से यज्ञ संपन्न हुआ।

मदनूर स्थित पापम्मा मंदिर परिसर में आयोजित नवरात्र उसत्व में भाग लेते हुए मलिकार्जुन, अरविंद, मारुती, संतोष, योगेश, शिवप्रसाद स्वामी, राजू स्वामी, बालू स्वामी, शिवाजी अप्पा व अन्य भक्त।

छात्रा पर यौन उत्पीड़न को लेकर ईएफएलयू में भारी प्रदर्शन

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव के माध्यम से स्पर्श (संवेदनशीलता, रोकथाम और यौन उत्पीड़न निवारण) समिति के गठन की मांग को लेकर प्रदर्शन के कुछ दिनों बाद, एक महिला छात्रा पर कथित यौन उत्पीड़न को लेकर गुरुवार को अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ईएफएलयू) परिसर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। छात्रों के अनुसार, बुधवार रात करीब 10 बजे एक पुराने स्वास्थ्य केंद्र के पास दो लोगों ने एक पीजी छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न किया और वह अन्य छात्रों को बेहोशी की हालत में मिली। संदिग्धों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर 400 से ज्यादा छात्र गुरुवार सुबह 4 बजे से कैंपस में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

यह कहते हुए कि परिसर का हर कोना सीसीटीवी निगरानी कैमरों के अधीन है, प्रदर्शनकारी छात्रों ने अफसोस जताया कि एक कैमरा खराब था और दूसरा सही एंगल में नहीं था। एक प्रदर्शनकारी छात्र ने कहा कि कैमरे केवल निगरानी के लिए हैं, लेकिन परिसर में छात्रों की सुरक्षा के लिए नहीं। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कुलपति, रजिस्ट्रार और प्रॉक्टर के इस्तीफे की मांग की.

ये घटनाएँ ऐसे समय में हुई हैं जब छात्रों ने स्पर्श समिति के गठन के लिए विरोध प्रदर्शन किया था। हमने यूनिवर्सिटी में शिकायत दर्ज कराई है.' हालांकि, प्रशासन ने अभी तक प्रदर्शनकारी छात्रों को संबोधित नहीं किया है. हम शिकारियों की तत्काल गिरफ्तारी चाहते हैं।' एक पीएचडी छात्र ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए कहा कि छात्र के माता-पिता को घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है।

धम्माईगुडा स्थित भवानी फंक्शन हॉल में नवरात्रि महोत्सव मे रंगारंग डांडिया नृत्य, भजनों, महाप्रसादी, व अन्नदानम कार्यक्रम को आयोजन के लिए विचार-विमर्श करते हुए श्री राजस्थानी मित्र मंडल अध्यक्ष सोहनसिंह राजपुरोहित, पदाधिकारी व सदस्यगण।

आयुर्वेद दिवस के तहत नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। 8वें आयुर्वेद दिवस समारोह के तहत, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज हैदराबाद द्वारा श्री साई जैसमीन हाई स्कूल, जुबली हिल्स, यूसुफगुडा, हैदराबाद में एक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस चिकित्सा दल का नेतृत्व सहायक निदेशक प्रभारी डॉ. जी पी प्रसाद ने किया और इसमें डॉ. क्रिस एंटोनी रिसर्च ऑफिसर आयुर्वेद, डॉ. लोकसाई किरिटि एस.आर.एफ. आयुर्वेद, डॉ. एलवी श्रीवानी एस.आर.एफ आयुर्वेद, श्रीनिवास राव एल.आई.ए, रवि बाबू फोटोग्राफर और अन्य शामिल थे। लगभग 100 रोगियों ने ओपीडी में भाग लिया और मुफ्त चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। इन गतिविधियों में औषधीय पौधों का वितरण, ब्रोशर और मुफ्त दवा वितरण शामिल था। प्रधान अध्यापिका श्रीमती विजयलक्ष्मी और जसमीन हाई स्कूल के अध्यक्ष जगन्नाथम ने छात्रों और कर्मचारियों को प्रदान की गयी सेवाओं के लिए डॉ जी.पी. प्रसाद को धन्यवाद दिया। औषधीय पौधों का वितरण एनआरआईयूएम-एसडी, एर्रागड्डा, हैदराबाद के सहयोग से किया गया।

चुनाव क्षेत्र के अधिकारी सतर्क रहें : जिला कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के चुनाव सम्पन्न कराने में सेक्टर अधिकारियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है तथा उन्हें सतर्क रहकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन जिम्मेदारीपूर्वक करना चाहिए। गुरुवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत समाहरणालय भवन के सभाकक्ष में जिला अपर समाहर्ता दसारी वेणु सहित सेक्टर पदाधिकारियों के साथ ईवीएम एवं वीवी पायट्स की दूसरे दिन की समीक्षा की गयी. इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि चुनाव के सुचारु संचालन में सेक्टर अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है, सेक्टर अधिकारी अपने क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मतदान केंद्रों पर आधारभूत संरचना उपलब्ध करायें, साथ ही उन्हें ईवीएम, वीवी पट्ट की पूरी जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए तहसीलदारों और पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय करना चाहिए कि चुनाव से एक दिन पहले उन्हें आवंटित मार्ग, चुनाव सामग्री के वितरण, कर्मियों की आवाजाही और कानून-व्यवस्था में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी के बिना चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो जाएं। चुनाव के दिन. सेक्टर पदाधिकारियों ने कहा कि यदि उनके सेक्टर में सड़क, नाला, पुलिया से संबंधित कोई समस्या है, उनके क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर कोई समस्या है तो वे तुरंत विस्तृत रिपोर्ट निर्वाची पदाधिकारी को सौंपें। उन्होंने कहा कि ईवीएम में गड़बड़ी होने पर रिजर्व ईवीएम उपलब्ध करायी जाये. उन्होंने कहा कि हैंड बुक के हर पहलू से अवगत होना चाहिए ताकि बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्ण एवं सुचारू रूप से चुनाव संपन्न कराया जा सके। इस कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर्स, सेक्टर ऑफिसर एवं निर्वाचन विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कोहली इस वर्ल्ड कप के सबसे असरदार फील्डर

आईसीसी ने शुरुआती 13 दिन की रैंकिंग जारी की, रूट दूसरे और वॉर्नर तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने विराट कोहली को वर्ल्ड कप 2023 में अब तक का मोस्ट इम्पैक्टफुल फील्डर माना है। आईसीसी के मुताबिक, टूर्नामेंट के पहले 13 दिनों में विराट कोहली ने फील्ड पर अपनी फील्डिंग से सबसे ज्यादा प्रभाव डाला है।

सभी टीमों के तीन ग्रुप मैचों के बाद आईसीसी की ओर से फील्ड पर सबसे प्रभावी फील्डर्स की एक लिस्ट जारी की गई है, जिसमें कोहली टॉप पर हैं।

ICC फील्डिंग की लिस्ट में टॉप-10 खिलाड़ी

खिलाड़ी	रेटिंग पॉइंट्स
विराट कोहली (भारत)	22.30
जो रूट (इंग्लैंड)	21.73
डेविड वार्नर (ऑस्ट्रेलिया)	21.32
डेवोन कॉनवे (न्यूजीलैंड)	15.54
शादाब खान (पाकिस्तान)	15.13
ग्लेन मैक्सवेल (ऑस्ट्रेलिया)	15
रहमत शाह (अफगानिस्तान)	13.77
मिशेल सैंटनर (न्यूजीलैंड)	13.28
फखर जमान (पाकिस्तान)	13.01
ईशान किशन (भारत)	13

*ये लिस्ट ICC ने सभी टीमों के तीन ग्रुप मैचों के बाद जारी की

कोहली ने फील्ड पर सबसे ज्यादा प्रभाव छोड़ा

कोहली ने टूर्नामेंट में अब तक तीन कैच लिए हैं, जो न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर से 2 कम हैं, लेकिन फील्ड पर उन्होंने सबसे ज्यादा प्रभाव छोड़ा है। उन्हें आईसीसी ने 22.30 की सबसे ज्यादा रेटिंग दी है। वहीं लिस्ट में इंग्लैंड के जो रूट दूसरे नंबर पर हैं, जिनके पास 21.73 रेटिंग पॉइंट्स है। रूट ने टूर्नामेंट में अब तक 4 कैच लपक लिए हैं।

लिस्ट में टॉप-10 में भारत, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के 2-2 खिलाड़ी हैं। जबकि रवींद्र जडेजा 11वें नंबर पर है।

टीम इंडिया ने टूर्नामेंट में अब तक 14 कैच लिए

आईसीसी के मुताबिक, टीम इंडिया ने टूर्नामेंट में अब तक 14 कैच लिए, 10 रन बचाए और कई अच्छे थ्रो किए। इस दौरान तीन मैचों में भारत की ओर से सिर्फ 2 कैच ही छोड़े गए हैं। इंग्लैंड ने इससे भी कम सिर्फ 1 कैच ड्राप किया है। टूर्नामेंट में भारत ने अपने शुरुआती तीनों मुकाबले जीते हैं।

बेस्ट फील्डर को मेडल दे रही है टीम इंडिया

बता दें, इस वर्ल्ड कप के हर मैच के बाद भारतीय टीम के फील्डिंग कोच की ओर से बेस्ट फील्डर को मेडल दिया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मुकाबले के बाद मेडल विराट कोहली को दिया गया।

वहीं दूसरे मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ शार्दुल ठाकुर और पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे मुकाबले के बाद विकेटकीपर बैटर केएल राहुल को बेस्ट फील्डर का मेडल मिला था।

सरकार के हर विभाग में खिलाड़ियों को नौकरी

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने किया बड़ा एलान

बेंगलुरु, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। वर्तमान में पुलिस और वन विभाग में खिलाड़ियों को तीन प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है, और अन्य सरकारी विभागों में रोजगार के लिए दो प्रतिशत कोटा देने की सकारात्मक समीक्षा की जाएगी।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि पुलिस और वन विभाग के अलावा अन्य सरकारी विभागों में खिलाड़ियों को दो फीसदी आरक्षण के लिए सकारात्मक समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पुलिस और वन विभाग में खिलाड़ियों को तीन प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है, और अन्य सरकारी विभागों में रोजगार के लिए दो प्रतिशत कोटा देने की सकारात्मक समीक्षा की जाएगी।

हाल ही में चीन में आयोजित 19वें एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले कर्नाटक के एथलीटों और कोचों को सम्मानित करने और उन्हें नकद पुरस्कार देने के लिए एक कार्यक्रम रखा गया था। इसके बाद सीएम ने यह एलान किया। सिद्धारमैया ने कहा कि

खिलाड़ियों ने देश और राज्य का नाम रोशन किया है, यह सभी कन्नड़ लोगों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि इस बार चीन में एशियाई खेलों में भारतीय एथलीटों ने सबसे अधिक पदक जीते हैं, पिछली बार 70 पदक जीते थे और इस बार यह 107 है। उन्होंने आगे कहा, जनसंख्या के मामले में भारत पूरे विश्व में पहले स्थान पर है और एशियाई खेलों में भी हमें पहला या दूसरा स्थान मिलेगा तो देश का सम्मान बढ़ेगा।

यह देखते हुए कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, सिद्धारमैया ने कहा, जब वह अपने पिछले कार्यकाल में मुख्यमंत्री थे, तो एशियाई खेलों और ओलंपिक के विजेताओं को पुरस्कार राशि की घोषणा की गई थी। उन्होंने बताया कि कर्नाटक उच्चतम पुरस्कार राशि की घोषणा करने वाला पहला राज्य है। सीएम ने सरकार और सात करोड़ कन्नड़वासियों की ओर से खिलाड़ियों को बधाई दी।

उन्होंने कहा, इस बार राज्य के आठ लोगों ने पदक जीते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। इसके लिए, बहुत प्रयास की आवश्यकता होती है। आपने अद्भुत काम किया है। साथ ही उन्होंने उन्हें जीत के लिए शुभकामनाएं भी दीं। सिद्धारमैया ने राज्य के पदक विजेताओं को सम्मानित किया और ओलंपिक के लिए शुभकामनाएं दीं।

इन खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

राजेश्वरी गायकवाड़ (क्रिकेट-स्वर्ण), रोहन बोपन्ना (टेनिस-मिश्रित युगल- स्वर्ण), मिजो चाको कुरियन, निहाल जोएल (एथलेटिक्स पुरुष 4 * 400 मीटर रिले - आरक्षित एथलीट - स्वर्ण) को नकद पुरस्कार प्रदान किए।), मिथुन मंजूनाथ (पुरुष बैडमिंटन - रजत), साई प्रतीक (पुरुष बैडमिंटन रजत), दिव्या (शूटिंग - दो रजत पदक), और कोच - वी तेजस्विनी बाई (कबड्डी - स्वर्ण), अंकिता बी एस (हॉकी - कांस्य), सी ए कुट्टप्पा (मुख्य मुक्केबाजी कोच- 1 रजत और 4 कांस्य)।

सूत्रों के अनुसार, स्वर्ण पदक विजेताओं को 25 लाख रुपये, रजत पदक विजेताओं को 15 लाख रुपये और कोचों को 5-5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।

रोहित शर्मा पर ओवरस्पीडिंग के आरोप: भारतीय कप्तान के 3 चालान कटे; पुणे पुलिस बोली- ऐसा कुछ नहीं हुआ

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा पर ओवरस्पीडिंग के आरोप लगने की खबरें आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि उन्होंने 200 किमी प्रति घंटे से भी ज्यादा की रफ्तार से मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर कार चलाई। लेकिन भास्कर की पड़ताल में पुणे पुलिस ने कहा कि रोहित के खिलाफ ऐसा कोई चालान उन्होंने नहीं बनाया है।

रोहित ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर ओवरस्पीडिंग की। वह मुंबई से पुणे प्रैक्टिस करने के लिए अपनी पर्सनल लैंबॉर्गिनी कार से

गए। जहां पहुंचते हुए रोहित ने 200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गाड़ी चलाई। यहां तक कि कई बार उनकी कार की स्पीड 215 किमी को भी छू गई।

रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि ओवरस्पीडिंग के चलते ट्रैफिक पुलिस ने रोहित शर्मा के नाम पर 3 ऑनलाइन चालान बनाए हैं। यहां तक कहा गया कि रोहित ने जहां गाड़ी चलाई वो बहुत बिजी एरिया था और ओवरस्पीडिंग से रोहित खुद के साथ दूसरों की जान भी खतरे में डाल रहे थे। साथ ही उन्हें समझाइश भी दी गई कि वर्ल्ड कप के दौरान रोहित को टीम बस में पुलिस सिक्योरिटी के बीच ट्रैवल करना चाहिए। पुणे में टीम इंडिया 19 अक्टूबर यानी आज ही बांग्लादेश के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप का मुकाबला खेलेगी। रोहित ने मुंबई से ही घरेलू क्रिकेट खेलना शुरू किया था और उनका घर मुंबई में ही है।

हार्दिक पंड्या चोटिल, बांग्लादेश के खिलाफ बॉलिंग और फील्डिंग नहीं किया

पुणे, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या चोटिल हो गए। गुरुवार को पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में बॉलिंग करते हुए हार्दिक का टखना मुड़ गया। इस कारण उनके बाएं टखने में चोट आई। मेडिकल टीम हार्दिक को स्कैन के लिए ले गई है।

पहले ओवर में चोटिल, कोहली ने ओवर पूरा किया

हार्दिक बांग्लादेश के खिलाफ 9वें और अपने पहले ओवर में चोटिल हो गए। तीसरी बॉल पर हार्दिक का टखना मुड़ा और वह क्रीज पर बैठ गए। मेडिकल टीम ने चोट देखी और उन्हें मैदान से बाहर ले कर गए। अब वह इस

इनिंग्स में फील्डिंग और बॉलिंग नहीं करेंगे।

अफगानिस्तान के खराब फील्डिंग से कोच निराश

टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच कैच ड्राप किए

चेन्नई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के हेड कोच जॉनथन ट्रॉट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के दौरान खराब फील्डिंग के लिए निराशा जताई है। उन्होंने कहा कि इससे विपक्षी टीम को मोमेंटम बनाने का मौका मिला। अफगान टीम ने खेले गए मैच में पांच कैच और एक स्टंपिंग का मौका गंवाया।

ट्रॉट ने कहा, हमने दूसरे ओवर से ही कैच छोड़ना शुरू कर दिया था। हमने रचिन रवींद्र और विल यंग का कैच तब ड्राप किया, जब वे शून्य पर थे। इससे विपक्षी टीम को पारी बिल्ड करने का मौका

मिला। मुझे लगता है कि अगर हम वो कैच ले लेते, तो हम अच्छी स्थिति में होते। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

मैच के बाद अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शहीदी ने भी टीम के फील्डिंग पर चिंता जताई। हालांकि पांच कैच में से दो कैच खुद शाहिदी ने ही छोड़े थे।

उन्होंने कहा, इस स्तर पर आपको ऐसे कैच पकड़ने चाहिए। यह बहुत निराशाजनक है। हमारी टीम अच्छा कर रही थी, लेकिन फील्डिंग की वजह से हम इस मैच में पीछे रह गए।

न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 149 रन से हराया

वनडे वर्ल्ड 2023 में न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 149 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। टीम इस वक्त पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। मैच में अफगानिस्तान ने 4 कैच छोड़े और एक स्टंपिंग का मौका भी गंवाया। जबकि न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर ने एक हाथ से बेहतरीन फ्लाइंग कैच लपका।

पैरा एशियन गेम्स : दो बच्चों की मां सुमन पैरा एशियन गेम्स में दिखाएगी दमखम, बोली- देश के लिए लाऊंगी गोल्ड मेडल

पानीपत, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के खिलाड़ियों ने हर बार की तरह हाल ही में चीन में हुए एशियन गेम्स में जीत का परचम लहराते हुए देश को अनेकों पदक दिलाए, अब बारी है पैरा एशियन गेम्स में अपना जौहर दिखाने की.इसमें में हरियाणा के खिलाड़ियों से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद है.पानीपत के गांव सिवाह की बहू सुमन का पैरा एशियाई गेम में चयन हो गया है.अब 17अक्टूबर को वह चाइना जाएंगी और वहां अपना दमखम दिखाएंगी.सुमन का वेटलिफ्टिंग में चयन हुआ है. सुमन का पैरा एशियाई गेम में चयन होने के बाद परिवार में खुशी का माहौल है और घर बधाई देने आने वालों का तांता लगा हुआ है.परिवार को सुमन से पूरी उम्मीद है कि वो देश के लिए गोल्ड मेडल लेकर ही वापिस लौटेंगी.सुमन हरियाणा से पैरा एशियाई गेम में भाग लेने वाली

अकेली महिला खिलाड़ी हैं.

2021 में शुरू की वेटलिफ्टिंग

सुमन ने 2021 में ही वेट लिफ्टिंग की तैयारी करनी शुरू कर दी थी. लेकिन उनकी मेहनत और लगन की वजह से वे बहुत कम समय में इस मुकाम पर पहुंच गई. अब 17 अक्टूबर को वे चाइना में जाएंगी और पैरा एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगी.

सुमन शुरुआत में का वालीबॉल खेलती थी. करीब तीन साल तक उन्होंने वालीबॉल का गेम खेल और गोल्ड मेडल भी जीता. एक दिन जब प्रदीप अपनी पत्नी के साथ वालीबॉल कॉम्पिटिशन में गए जब उन्होंने अपनी पत्नी से वेट उठावकर देखा तो पहली बार में ही उनकी पत्नी ने काफी सारा वेट उठा लिया.तभी प्रदीप को एहसास हुआ कि उनकी पत्नी वेट लिफ्टिंग में नए आयाम स्थापित कर सकती हैं और बहुत आगे तक बढ़ सकती है.उसी के बाद पति प्रदीप ने अपनी पत्नी सुमन को गांव की ही जिम में तैयारी करवानी शुरू कर दी और उनकी पत्नी ने अपनी मेहनत के बल पर कई मेडल जीते और अब उनका एशियाई पर गेम में सिलेक्शन हो चुका है.

आठ नए सदस्यों में चार महिलाएं भी शामिल

ऑस्कर पुरस्कार विजेता मलयेशियाई अभिनेत्री योह भी बनीं सदस्य

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मतदान के बाद आईओसी के सत्र ने इस्राइल के पूर्व जुडोका येल अराद, हंगरी के बालाज फर्जेस और पेरू के पूर्व वालीबाल खिलाड़ी सेसिलिया रोक्साना टैट विलाकोर्टा को स्वतंत्र आईओसी सदस्यों के रूप में चुना गया। जर्मनी के खेल उद्यमी माइकल म्रोंज को भी स्वतंत्र सदस्य बनाया गया।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के मुंबई में मंगलवार को संपन्न हुए सत्र में आठ नए सदस्यों को चुना गया। अब आईओसी में सदस्यों की कुल संख्या 107 हो गई है। चुने गए सदस्यों में चार महिलाएं भी हैं जिससे आईओसी में महिला प्रतिनिधित्व 41.1 प्रतिशत हो गया है। मलयेशियाई अभिनेत्री और

निर्माता मिशेल योह को भी सदस्य बनाया गया है जो ऑस्कर पुरस्कार विजेता हैं।

योह ने कहा कि मुझे याद है कि जब किसी ने मुझसे पूछा था कि तुम अभिनेत्री कैसे बन गईं तो मैंने हमेशा कहा है कि मैंने कभी भी अभिनेत्री बनने का सपना नहीं देखा, लेकिन बचपन से मैं ओलंपियन बनना चाहती थी। योह मलयेशिया की जूनियर स्क्वॉश चैंपियन भी हैं और इस साल उन्हें सर्वश्रेष्ठ मुख्य अभिनेत्री का ऑस्कर पुरस्कार भी मिला था।

मतदान के बाद आईओसी के सत्र ने इस्राइल के पूर्व जुडोका येल अराद, हंगरी के बालाज फर्जेस और पेरू के पूर्व वालीबाल खिलाड़ी सेसिलिया रोक्साना टैट विलाकोर्टा को स्वतंत्र आईओसी सदस्यों के रूप में चुना गया। जर्मनी के खेल उद्यमी माइकल म्रोंज को भी स्वतंत्र सदस्य बनाया गया। दो उम्मीदवारों (एक महिला और एक पुरुष) को भी एक अंतरराष्ट्रीय महासंघ के अंदर उनके कार्यों के आधार पर चुना गया। वे स्वीडन के अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) की अध्यक्ष पेट्रा सोर्लिंग और कोरिया के अंतरराष्ट्रीय स्केटिंग संघ (आईएसयू) के प्रमुख जे-यूल किम हैं।

ट्यूनीशिया के मेहरज बौसयेने को राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष के रूप में आईओसी सदस्यता के लिए चुना गया।

घुटने की चोट के बाद रोते हुए मैदान से बाहर गए नेमार, उरुग्वे से हारा ब्राजील

मोंटेवीडियो, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। 31 वर्ष के नेमार 44वें मिनट में दौड़ते हुए गिर गए। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया जब वह घुटना पकड़कर बैठे थे। उन्हें जब स्ट्रेचर पर ले जाया गया तो उन्होंने अपने हाथों से चेहरा ढक लिया था।

उरुग्वे के खिलाफ विश्वकप क्वालिफाइंग मैच में 2-0 से मिली हार के दौरान पहले हाफ में घुटने में चोट लगने के कारण ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार रोते हुए मैदान से बाहर गए। 31 वर्ष के नेमार 44वें मिनट में दौड़ते हुए गिर गए। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया जब वह घुटना पकड़कर बैठे थे। उन्हें जब स्ट्रेचर पर ले जाया गया तो उन्होंने अपने हाथों से चेहरा ढक लिया था। उनकी जगह रिचार्लिसन ने मैच खेला। वह बैसाखियों के सहारे

स्टेडियम से बाहर गए। ब्राजील के डॉक्टर रौड्रिगो लसमार ने कहा कि अभी यह कहना मुश्किल है कि उनकी चोट किस स्तर की है। उन्होंने कहा, 'हमने टेस्ट किए हैं और कल फिर करेंगे। इन 24 घंटों में पता चलेगा कि चोट कैसी है।' उन्होंने यह भी कहा कि यहां बॉल ट्रैकिंग फैसलों में आस्ट्रेलिया की तुलना में अधिक समय लग रहा है।

नीदरलैंड के कोच पर्ची पर लिखते हैं प्लान: टीम का एक बॉलर फूड डिलीवरी बॉय रहा, 4 खिलाड़ी साउथ अफ्रीका से खेल चुके

खेल डेस्क, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। नीदरलैंड ने वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका को हराकर उलटफेर कर दिया। साउथ अफ्रीका साल 1888 से टेस्ट खेल रहा है और टीम 4 बार वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल खेल चुकी है। दूसरी ओर नीदरलैंड एसोसिएट देश है और उसे टेस्ट खेलने का दर्जा तक नहीं है। साउथ अफ्रीका को वर्ल्ड कप में हराने वाली डच टीम के 4 खिलाड़ी साउथ अफ्रीका से ही जूनियर और सीनियर लेवल पर क्रिकेट खेल चुके हैं। तेज गेंदबाज पॉल वान मीकरन को तो 2020 में पैसों की कमी के कारण फूड डिलीवरी तक करनी पड़ी थी। जुलाई में क्वालिफायर के जरिए वर्ल्ड कप खेलने पहुंची नीदरलैंड टीम ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले तक एक भी वनडे मैच नहीं खेला। वहीं टीम के कोच बीच मैच में पर्ची पर प्लान लिखकर प्लेयर्स तक पहुंचाने के लिए चर्चाएं बटोर रहे हैं।

नीदरलैंड टीम के तेज गेंदबाज पॉल वान मीकरन ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऐडन मार्करम और

मार्को यानसन के अहम विकेट लिए। वह 2020 में ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप के लिए काम कर रहे थे, क्योंकि कोरोना के कारण तब भारत में होने वाला टी-20 वर्ल्ड कप पोस्टपोन हो चुका था, नीदरलैंड में क्रिकेट बंद था और मीकरन के पास पैसों की भारी कमी थी। उन्हें अपना जीवन चलाने के लिए, मजबूरी में फूड डिलीवरी करनी पड़ी। 15 नवंबर 2020 को पोस्टपोन हुए टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल तय था। इसी दिन स्पोर्ट्स न्यूज वेबसाइट क्रिकइन्फो ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 'आज ही के दिन टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल होना था।' इसी पोस्ट का रिप्लाई कर मीकरन ने लिखा था, 'आज मैं क्रिकेट खेल रहा होता, लेकिन ठंड काटने के लिए उबर ईट्स के लिए फूड डिलीवरी करनी पड़ रही है।'

30 साल के मीकरन ने 2013 में नीदरलैंड के लिए वनडे और टी-20 डेब्यू किया था। 2021 में टी-20 वर्ल्ड कप यूएई में खेला गया, मीकरन ने फिर क्रिकेट खेलना शुरू किया और इस बार उन्हें फूड डिलीवरी कर पैसा कमाने की जरूरत नहीं पड़ी। नीदरलैंड में क्रिकेट ज्यादा फेमस नहीं है, वहां फुटबॉल और हॉकी पर बहुत ज्यादा फोकस किया जाता है। ऐसे में देश के युवा क्रिकेट पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। इसीलिए दूसरे देशों में क्रिकेट खेल चुके प्लेयर्स यहां जाकर क्रिकेट खेलते हैं। इस बार भी 15 प्लेयर्स के स्क्वॉड में 8 प्लेयर्स दूसरे देशों के हैं। इनमें भी 4 तो साउथ अफ्रीका के ही हैं।

साउथ अफ्रीका को हराने वाली डच टीम की प्लेइंग-11 में शामिल 3 प्लेयर्स साउथ अफ्रीका से जूनियर और सीनियर लेवल पर क्रिकेट खेल चुके हैं। स्पिन ऑलराउंडर रूलोफ वान डर मर्व तो 2009 और 2010 में साउथ अफ्रीका के लिए टी-20 वर्ल्ड कप भी खेल चुके हैं। वहीं ऑलराउंडर कॉलिन एकरमैन और मिडिल-ऑर्डर बैटर सायब्रांड एंगलब्रेक्ट ने साउथ अफ्रीका से अंडर-19 वर्ल्ड कप खेला है। वहीं तेज गेंदबाज रायन क्लाइन ने जूनियर लेवल पर साउथ अफ्रीका में ही क्रिकेट खेला था।

फुटबाल विश्वकप क्वालिफायर के मुकाबले में अर्जेंटीना ने पेरू को हराया

मेसी ने दागे दो गोल

मोंटेवीडियो, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेसी ने 32वें मिनट में बॉक्स के अंदर से गोल करके अर्जेंटीना का मैच में खाता खोला।

अर्जेंटीना को मैच को जीतने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। मेसी ने 32वें मिनट में बॉक्स के अंदर से गोल करके अर्जेंटीना का मैच में खाता खोला। एंजो फर्नांडीज ने निको गोंजालेज को गेंद पास की और उन्होंने गेंद मेसी की तरफ आगे बढ़ा दी। फिर मेसी ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाने में कोई गलती नहीं की।

विश्वकप विजेता कप्तान लियोनल मेसी के दो गोल की मदद से अर्जेंटीना ने फुटबाल विश्वकप क्वालिफायर के मुकाबले में पेरू को 2-0 से हराया। मेसी टीम के लिए यह पूरा मुकाबला खेले। 36 साल के मेसी मांसपेशियों में दर्द के कारण अपने क्लब इंटर मियामी के साथ कई मैचों से बाहर रहने के बाद फिट होकर लौटे हैं। मौजूदा विजेता टीम अर्जेंटीना को मैच को जीतने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। मेसी ने 32वें मिनट में बॉक्स के अंदर से गोल करके अर्जेंटीना का मैच में खाता खोला। एंजो फर्नांडीज ने निको गोंजालेज को गेंद पास की और उन्होंने गेंद मेसी की तरफ आगे बढ़ा दी। फिर मेसी ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाने में कोई गलती नहीं की। फिर इसके 10 मिनट बाद ही मेसी ने एक और गोल करके टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। एंजो के पास पर मेसी यह गोल करने में सफल रहे। पहले हाफ में अर्जेंटीना 2-0 से आगे रहा। दूसरे हाफ के 57वें मिनट में मेसी के गोल को वीडियो रिव्यू के माध्यम से ऑफ साइड करार देकर अमान्य घोषित कर दिया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.